

सं० 9 ] नई विस्लो, शिल्वार, फरवरी 26, 1983 (फाल्गन 7, 1904)

No. 91 NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 26, 1983 (PHALGUNA 7, 1904)

PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III- खब्द 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्बक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

कार्मिक भौर प्रशासनिक सुधार विभाग लाल बहादर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन प्रकादमी मसूरी, दिनांक 1 फरवरी 1983

सूचना दिनांक 22 जुलाई, 1982 को जारी रखते हुए श्रीमती मंजुलिका सिंह को हिन्दी के सहायक आचार्य के

पद पर तथर्थ नियुक्ति दिनांक 4 फरवरी, 1983 से ग्रागामी छः मास के लिये या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

> प्रालोक सिन्हा उप-निदेशक

महानिदेशालय कें रि० पू० बल

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

तं ग्रो दो-77/77-स्थापना-कर्नल जी० एस० सोंधी ने भ्रपनी पुन: नियक्ति की भ्रवधि समाप्त होने के फलस्वरूप 1-476 GI/82

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेंट पहली सिगनल वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई विल्ली का कार्यभार 20-1-83 श्रपराह्म को त्याग विया।

दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० ग्रो० दो-1764/82-स्था०--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रसाद हजारिका को 27 अक्टूबर 1982 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये म्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा भ्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियक्त किया है।

> ए० के० भूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, विनांक 29 जनवरी

सं० ई०-16014(1)/2/76-कार्मिक---निवर्तन की श्राय होने से सेवा निवृत्त होने पर, श्री विजय सिन्हा ने 31 विसम्बर,

(3659)

1982 के भपराह्म से के भी सुर क मूनिट, एच एफ सी, बरौनी के कमाईट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सुरेन्द्र नाम महानिवेशक

### वित्त भायोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० 8 वि० ग्रा० 2(15)-ए/82-व्यय विभाग के भाग्युलिपिक ग्रेड "ग" (प्रवरण ग्रेड) श्रौर ग्राठवें वित्त भायोग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर तैनात श्री ग्रार० एल० गंभीर ग्रिधिवार्षिकी की भागु प्राप्त करने पर 31 अनवरी 1983 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्त हो गये हैं।

सुखवासी लाल मा**थु**र धवर सचिव

## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग <sup>क</sup>मार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० प्रणा०-1/कार्या० धादेश-560-श्वीमान् निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी प्रनुभाग ध्रधिकारियों को उनके धागे दर्शाई गई तारीख से श्रगले भ्रादेश धाने तक 840-1200 रु० के वेतनक्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं:--

क्रम नाम **दिनां**क सं०

1. श्री नरिंजन सिंह

3~1-83 (पूर्वाह्न)

2. श्री महेन्द्र कुमार रस्तोगी

31-1-83 (पूर्वाह्म)

3. श्री मोक्ष सागर

31-1-83 (पूर्वाह्म)

प्र० विपाठी, लेखा परीक्षा प्रधिकारी (प्र०)

श्रम विभाग कारखाना सलाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिवेशालय

बम्बई-400022, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० 15/30/82-स्था०-महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, श्री तरुण कुमार घोष को अस्थार्जः रूप से सहायक निदेशक (भ्राटिस्ट एंड ग्रिभिन्यास विशेषज्ञ) के पद पर दिनांक 7 जनवरी 1983 (पूर्वाह्म) से भ्रगले श्रादेश श्राने तक इस कारखाना सलाह सेवा भ्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

> ए० के० चक्रवर्ती महानिदेशक

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्मात का नामीलय मई विल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1983 ग्रामात-निर्मात व्यांपार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/1/83-प्रणा० (राजपितत)/867—राष्ट्रपति, श्री निरोती लाल, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ग-1 की दिनांक 1 सितम्बर, 1982 से श्रगला भादेश होने तक, मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

> वी० शेषण, संयुक्त 'मुख्य नियंत्रक

(बस्त्र विभाग)

वस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० सी० एल० बी० वो/10(2)/83/1—कपास नियं-व्रण धादेश, 1955 के खण्ड 14क तथा श्रन्य संबंधित उपबन्धों में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद्-द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रधिसूचना सं० सी० एल० बी० वो/10(1)/73-76, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1976 का श्रपखण्डन करता हूं।

> सुरेश कुमार प्रतिरिक्त वस्त्र धायुक्त

पूर्ति और निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनु०–6)

मई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० प्र० 6/247(415)/63—स्थायी सहायक निरीक्षक ध्रिष्ठकारी (धातु-रसायन) तथा उप निवेशक निरीक्षण (धातुक्रमें) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) भारतीय निरीक्षण सेवा धातु रसायन शाखा के ग्रेड—  $I^{II}$  के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री धार० एन० दास गुप्ता निवर्तमान धागु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 के भपराह्न से सरकारी सेवा से निवृक्ष हो गए।

2. श्री दास गुप्ता ने दिनांक 31-12-82 के भ्रपराह्म से सहायक निदेशक (धातु रसायन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> सोहन लाल कपूर, उप-निदेशक (प्रशासन)

## (प्रशासन प्रनुभाग-प्र०-1)

## नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० प्रo-1/1(889)—स्थाई प्रगति ग्रधिकारी तथा सहायक निदेशक ग्रेड—II के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री बिहारी लाल निवर्तमान भायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-1-1983 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

### दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० प्र०-1/1(75)—राष्ट्रपति, उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा गुप ''ए" के ग्रेड-2) तथा स्थानापन्न रूप से विशेष कार्य प्रधिकारी (प्रशिक्षण) के पद पर कार्य कर रहे श्री माम चन्द को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, मई दिल्ली में दिनांक 25-1-1983 के पूर्वाह्न से सदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रप ''ए" के ग्रेड-1) पद पर नियुक्त करते हैं।

2. निर्देशक के पक्ष पर तदर्थ नियुक्ति से श्री माम चन्द को नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता तथा पदोन्नति की पानता के लिये नहीं गिनी आएगी।

सं० ए-1/2(353)/7—राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रधिकारियों को, जो उनके नाम के सामने दिये गये कार्यालयों में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड—II) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं 2-11-1982 से श्रीर श्रागामी श्रादेश दिये जाने तक नियमित श्राधार पर उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप "ए" के ग्रेड—2) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं :—

- श्री आई० एस० गर्ग, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नई विल्ली।
- 2. श्री के॰ एस॰ रंगासाई, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास।
- 3. श्री एस॰ पी॰ एस॰ माटिया, 31-12-82 (भ्रपराह्म) से स्वेण्छा से सेया-निवृत्त ।
- 4. श्री जे० एन० जोगी, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नर्ष विल्ली।
- श्री एम० सी० उपरेती मही—
- 6. श्री पी० वी० श्रार० मूर्ति ---वही---
- श्री एम० पी० गुप्ता --- बही---
- श्री ए० के० चोहड्डा यही—
- श्री रिव गुप्ता —वही—
- 10. श्री एस० सी० वाधवन --वही---
- 11. श्री थी॰ एल॰ शर्मा, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, कलकत्ता।

2. उपर्युक्त ग्रधिकारी उपनिवेशक, पूर्ति के पद पर नियमित ग्राधार पर पदोक्षति होने पर 2-11-1982 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

एस० बालानुब्रमणियन् उप निवेशक (प्रशासन)

## इस्पात भौर खान मंद्रालय (इस्पात विभाग)

कलकत्ता-20, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० स्था० I-3(1)/74(.)—लोहा भ्रौर इस्पात नियंत्रक ने एतवृद्वारा श्री निर्मल चक्रवर्ती, सहायक को वरिष्ठ निजी सहायक के स्थानापन्न रूप में नियुक्ति की प्रतिनियुक्ति भवधि दिनांक 18-1-1983 (पूर्वाह्न) से ग्रगले एक वर्ष तक बढ़ा दिया है।

सुभाष चन्द्र मजुमवार संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

## खान विभाग भारतीय खान ब्युरो

## नागपुर, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० ए० 19012(163)/82-स्था० ए० विण्ड-I-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री पी०
एस० कुलकर्णी, स्थाई भंडारी (तकनीकी) को भारतीय खान
ब्यूरो में सहायक भंडारी ग्रिधिकारी के पद पर दिनांक 20
दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।
य० घ० मिश्र
कार्यासय श्रध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

## भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय भवन

कलकत्ता-16, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० 4-187/82/स्था०--निवेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, इस सर्वेक्षण के मध्य क्षेत्र, नागपुर में डा० भार० के० साहा को ग्रस्थाई रूप में सहायक मानव विज्ञानी के पद पर 17 जनवरी 1983 के दोपहर से ग्रगला ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> एन० मार० माईच प्रशासनिक मधिकारी

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

वेहराषून, दिनांक 4 फरवरी 1983

सं० सी०-9005/579-ए०---निम्नलिखित अधिकारी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी"

वद) के पद पर प्रत्येक के नाम	
से मूल रूप में नियुक्त किए जाते	ते हैं:—
1. श्री एल० पी० कुण्डलिया	17-1-1982
2. श्री म्रो० एन० कपूर	17-1-1982
3. <b>श्री</b> के० <b>वी० फ़ुरु</b> णमूर्ति	17-1-1982
4. श्री पी० सी० जैन	17-1-1982
<b>5. श्री जे० पी० शर्मा</b>	17-1-1982
6.श्री जे० पी० चोपड़ा	1-4-1982
7. श्री सालिग राम	1-4-1982
8. श्री एस० एन० सुज्बा राव	6-12-1982
	जी० सी० भ्रग्नवाल
	मेजर जनरल
	भारत के महासर्वेक्षक
	(नियुक्ति प्राधिकारी)

### पत्न सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० ए० 12026/1/80-स्था०-प्रधान सूचना ग्रिधि-कारी इसके द्वारा निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को दिनांक 1 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्न से पत्न सूचना कार्यालय, बंबई, कलकत्ता भौर मद्रास में प्रशासनिक ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

- श्री औ० श्रार० दावरा, प्रशासनिक श्रधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय, बंबई।
- 2 श्री एन० एन० सिन्हा, प्रशासनिक ग्रधिकारी, पत्न सूचना कार्यालय, कलकत्ता।
- श्री पी० एन० कुट्टी, प्रशासनिक ग्रिधिकारी, पत्न सूचना कार्यालय, मद्रास।

ति० सु० सुन्दरेश्वरन सहायक प्रधान सूचना श्रधिकारी कृते प्रधान सूचना अधिकारी

## कृषि एवं सहाकारिता विभाग कृषि सूल्य ग्रायोग

मई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1983

सं० 2-9/82-प्रणा० स्थायी आगुलिभिक ग्रेड I श्री प्रमृत लाल शोरी को पहली फरवरी, 1983 (पूर्वग्रह्म) से कृषि मूल्य भायोग के भ्रष्ट्यक्ष के वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक के पद पर स्थानापस रूप से निभुक्त किया गया है।

श्रार० एस० हंसरा प्रशासन श्रधिकारी

## ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

सं० ए० -31014/4/78-प्र०-I--श्री एम० डी० जान को धिपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 22-6-81 से कनिष्ठ वैज्ञानिक मधिकारी के स्थाई पद पर मूलतः नियुक्त किया जाता है।

### दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० .ए०-19023/52/78-प्र०-III--इस निदेशालय के अधीन अबोहर में उप-वरिष्ठ विपणन श्रिधकारी के पद पर पदोभित होने के उपरांत श्री एघ० पी० सिंह ने इस निदेशास्य के श्रधीन नई दिल्ली में दिनांक 1 जनवरी 1983 (अपराह्म) में विपणन श्रिधकारी (वर्ग-1) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/9/81-प्र०-III—इस निदेशालय के प्रधीन विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर निम्नलिखित प्रधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को 31 मार्च, 1983 या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है:—

- 1. श्री एन० जे० पिल्लै, विपणन श्रधिकारी, बंम्बई।
- श्री एन० गमरहीन, विपणन श्रधिकारी, बंगलौर।
- 3. श्री ई० एस० पालुज, विपणन अधिकारी, फरीदाबाद ।

सं० ए० 19023/5/82-प्र०- --श्री एस० एस० बिमरा, सहायक विपणन प्रधिकारी को इस निवेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 29 नवम्बर, 1982 (अपराह्म) से 4 महीने की अविध के लिये पूर्णतया तवर्थ आधार पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है बोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-3) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरांत श्री बिमरा ने बंगलौर में बिनांक 27 नवम्बर, 1982 (अपराह्म) में सहायक बिपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन समाहकार भारत सरकार

फरीवाबाद, 121001, दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० ए०-19024/1/82-प्र०- - इस निदेशालम की अधिसूचना संख्या सम, दिनांक 23-12-1982 के कम में श्री जी० सी० सिंह, बरिष्ठ रसायनज्ञ की नियुक्ति को क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कोचीन में मुख्य रसायनज्ञ पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर 3 महीने की अवधि के लिये 31 मार्च 1983 या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

जी० ग्रार० भाटिया संयुक्त कृषि विपणम सलाहकार कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत स**रकार** 

## भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400 085, दिनांक 3 फरवरी 1983

सं० डी०/556/सी० ई० डी०/स्था०---------श्री जनार्दन नरहर देवधार वैज्ञानिक ग्रिधिकारी एस० बी० पद का पद-भार 1-9-1982 पूर्वाह्न को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया।

> पी० एन० क्रुष्णमूर्ति नियंत्रक

## परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

भ्रणुशक्ति-323303, विनांक 4 फरवरी 1983

सं० रापविप०/भर्ती/7(6)/79/स्थ०/86—राजस्थान पर-माणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना प्रभियन्ता इस बिजलीघर के एक स्थायी सहायक सुरक्षा प्रधिकारी तथा नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना से स्थानांतरित स्थानापन्न सुरक्षा प्रधिकारी श्री एस० सी० भगेगरा को इस परियोजना में ग्रस्थाई तौर पर 31 दिसम्बर 1982 के श्रपराह्म से ग्रमले श्रावेण होने तक के लिये सुरक्षा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> ए० एन० कट्टी प्रशासन भिधकारी (स्थापना) इते मुख्य परियोजना अभियन्ता

मंत्ररिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई मंतरिक्ष केन्द्र

(स्थापना अनुभाग)

तिरवनंतपुरम-695022, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)—
नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०, श्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम
साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में लेखा सहायक
"ए" श्री टी० श्राई० श्रजहाम को ६० 650-30-74035-880-य० रो०-40-960/- के वेतनमान में सहायक
लेखा श्रश्लिकारी के पद पर 7 जनवरी, 1983 से स्थानापन्न
रूप में पदोन्नत करते हैं।

के० पी० झार० मेनोस प्रशासन अधिकारी—11 (स्था०) इस्ते नियंत्रक, बी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/18/82-ई०-ए०---महानिदेशक नागर विमानम ने श्री श्रार० एन० भटनागर, उपनिदेशक, मद्रास एयरपोर्ट को विनांक 1-1-1983 से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक क्षेतीय नियंत्रक विमानक्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट के पद पर नियुक्त किया है।

्सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक नागर विमानन

### नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/1/81 ई० ए०---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि के लिये जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:---

फ्रां० नाम	नाम	स्टेशन	अवधि	
		से	तक	
1. श्री ए० के 2. श्री आर०		डी० जी० सी० ए० मुख्यालय बम्बई	1-6-1982 8-4-1982	20-9-1982 20-9-1982
			उपनिरं	सुधाकर गुप्ता रेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांफ 3 फरवरी 1983

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०---राष्ट्रपति ने श्री ए० एन० मुखर्जी की उप-निदेशक/नियंत्रक वैमातिकी निरीक्षण के रूप में तदर्थ नियुक्ति को 31-12-1982 तक की भ्रवधि के लिये जनरी रखने की स्वीकृति प्रवान कर दी है।

> जगदीश धन्द्र गर्ग सहायक निदेशक (प्रशासन)

### विदेश संचार सेवा

बम्बई, विनांक 19 जनवरी 1983

सं० 1/459/83-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा कलकत्ता गाखा के तकनीकी सहायक, श्री ए० चन्त्रा की स्थानीय व्यवस्था के रूप में तवर्थ ग्राधार पर ग्रत्यकालिक रिक्त स्थान पर 20-9-82 से 22-1-83 तक की ग्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक ग्राभयंता नियुक्त करते हैं। सिं० 1/464/83-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निवेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के तकनीकी सहायक, श्री डी० भार० सेन को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ भाधार पर भारपकालिक रिक्त स्थान पर 15-2-82 से 2-1-83 तक की भवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक भभियंता नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० मल्होझा उप निदेशक (प्रशा०) इसे महानिदेशक

 रामन् को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ प्राधार पर भ्रत्यकालिक रिक्त स्थान पर 9-11-82 से 11-12-82 (दोनों दिन समेत) तक की अविधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियक्त करते हैं।

सं 1/514/83—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री ए० के० मधोक को नियमित श्राधार पर 16-9-82 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोविन्द नायरी निवेशक (प्रशा०) कुले महानिवेशक

## केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समाहर्ता का कार्यालय बंबई-1, दिनांक फरवरी 1983

सं० एस० टी० 2/80-81 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232-ए के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण अधिनियम, 1944 की धारा—9 के अधीन न्यायालाय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों और अधिनियम की धारा—33 में संदक्षित अधिकारी द्वारा ६० 10,000/- या इससे अधिक की राशि के लिये दण्डित व्यक्तियों के नाम और पते उपनियम—2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सिहत निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं:—

I──न्यायालय के मामले 31 दिसम्बर, 1982 को समाप्त तिमाही का विवरण

ऋम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के कि का उल्लंबन वि		दण्ड-राशि
1	2	3	4		5
1. श्री शहार	माई काशीभाई पटेल	2/1 श्री राम भवन, किंग्स सर्केल टी० टी० माटूंगा, वेबई-400019		1) (बी० (क) ) के अंतर्गत	एक दिन का साधा- रण कारावास और क० 2000 न भरने पर एक महीने का कठोर कारावास।
2. श्री अरविन	द उर्फ राजू डाह्याभाई पटेल	वहीं	(ख) धारा 9(1 बी०)(1) (ग) — वही (बी०बी०	के अंतर्गत	एक विन का साधा- रण कारावास और रु० 7500/- न भरने पर छः महीने का कठोर कारावास।
······		∐–विभागीय न्याय	<del></del> निर्णयन		
कम संख्या व्य	क्ति का नाम	पता अधिनियम ने प्रावधान या उसके अन्तर्गत बने नियम	; <del>1</del>	धारा-33 के अन्त- र्गत न्याय-निर्णीत भुल्केय माल का	अधिनियम की धारा-34 के अधीन जब्दी के
		का उल्लंघन किय गया		मूल्य, जो जड़त कियाजानाहै।	स्थान पर अर्थदण्ड की राशि
1 .	2				

विजय कुमार गुप्ता, सभाइती केन्द्रीय उत्पाद गुस्क वस्वई-I

## निर्माण महानिवेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० 27-ई० ई०/बी० (3)/69-ई० सी०-2-केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित ग्रिधिकारी वार्धक्य (58 वर्ष) की भ्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31 विसम्बर, 1982 (दोपहरबाद) को सेवा-निवृत्त हो गये हैं:--

क्रमांक ग्रधिकारीकानाम	पदनाम एवं कार्यालय का नाम जहां से वे सेवा निवृत्त हुए
1 2	3
सर्वश्री	
1. एल <b>० डी० भा</b> टिया	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्), वातानुकूलन मण्डल सं० 2, के० लो० नि० वि०, नई विल्ली।
2. वी० डी० गुप्ता	कार्यपालक घ्रभियन्सा (विद्युत्), लखनऊ केन्द्रीय विद्युत मण्डल, के० लो० नि० वि०, लखनऊ (उ०प्र०)
3. पी० ए० चावला	कार्यपालक म्रभियंता (विद्युत), सफदरजंग विद्युत मण्डल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
4. स्रो०पी० शर्मा	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), निर्माण मण्डल सं० 5, के० लो० नि० वि०, नर्दे विल्ली।

नीना गर्ग उपनिदेशक (प्रशासन) इन्ते महानिदेशक (निर्माण)

नई विल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० 24/25/68-एम० एस०-II/ई० सी०-9-इस विभाग के सहायक वास्तुक श्री श्रार० के० दुगल वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31-1-83 (श्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> ए० के० नारंग प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय झेंद कस्पनी कार्यमंत्राजय (कस्पनी कार्यविभाग) कस्पनी विधि वोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर प्रीतम एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० जी० स्टेट/560/9517— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण में एसप्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रीतम एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर खण्जर फाइनेन्स एन्ड चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

आलंधर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० जी०/स्टेट/560/9539—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि खज्जर फाइनेन्स एन्ड चिटफंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बी० एम० जैन कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीणक

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और मैसर्स बावरा फाइनेन्स (रायपुर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 2 फरवरी 1983

सं० 1205/सी० पी०/4043 कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मै० बावरा फाइनेन्स (रायपुर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैंसर्स ज्योत्सना वसन्त स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, विनांक 2 फरवरी 1983

 में एतव्द्वारा सञ्च सूचना दीं जातीं हैं कि मैसर्स ज्योत्सना बसन्त स्टीस्स प्राइवेट लिमिटेंड का नाम भाज ्रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स भोपाल प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  $\downarrow$ 

ग्वालियर-474009, विमांक 2 फरवरी 1983

सं० 964/सीं० पीं०/4047—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स भोपाल प्रिटर्स एण्ड पब्लियोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रॉजिस्टर से काट दिया गया है और अक्त कम्पनी विचटित कर दी गई है।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी मधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स श्रोमिनेन्ट एअन्सीज प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में। पटना-800001, दिनांक 5 फरवरी 1983 सं० (771)पी० एस० /560/137—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतब्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रोमिनेन्ट एजेन्सीज श्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विष-टित कर दी जायेगी।

ए० वहाब झन्सारी, कम्पनी रजिस्ट्रार, विहार, पटना प्रकृष आह<sup>4</sup>.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निवरेश मं. गं. गी. आर. 487/82-83—यतः मुक्ते, मंज माधवन.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदान अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. सिटी माम नं. 3305 है, तथा जो उनकल माकसटोनशन हुंबली गें स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुंबली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन ता. 14-5-1982

(1908 का 16) के अधान ता. 14-5-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहें प्रतिशत से ग्रीधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करनेया उससे बचने मों सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 2-476GI/82

- श्री विठ्ठलमा छोन्डूसा मिस्कीन पुत्र श्री एन वाय, शालगार, कमरी पेट, हुबली। (अन्तरक)
- 2. 1. श्री गनपतसा
  - 2. श्री मडादेवसा
  - 3. श्री विठोब
  - 4. श्री वासुदव
  - 5. श्री काशीनाथ पुत्र नारायनरपा बद्दी सोरबद मठ गली हुबली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसची

(दस्ताबेश नं. 393/82-83 हा. 14-5-1982 खुला जगह सी. टी. एस. नं. 3305 का उनकल एक्स-टेगशन हाबली।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगल्र

तारीख: 9-12-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269- थ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगल्र

बंगल्र, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निषक्ष सं नोटीस नं . 448/82-83--यतः मुक्ते, माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु-), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 504-ए हैं, तथा वार्ड नं. 1 ल्यामिगरन रोड हाबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्दीवर्जा अधिकारी के कार्यालय, होबली में रीजन्द्रीदारण औधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना. 28-5-1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उद्मित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है अर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि रूथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानः चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती समिता बयी 1.
  - 2. श्री नागराज
  - श्रीमती सधा, जे सी नगर, अन्नीगेरी बिल्डींग हाबली ।

(अन्तरक)

2. श्री जी के शड़ा सांपरायीटर एम/एस राजेश पेन्टर प्रसीस ट्राफीक पौलंयाड, हबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दरतावेज सं. 517/82-83 ता. 28-5-1982) वार्ड नं. 1, क्यामिंगटन रोड ह्याली में रहने वाला प्रोपरटी नं. सि एस नं. 504-ए

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) उर्जन रोज, बंगलुर

तारीय : 9-12-19**82** -मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्दोध सं. गोटीस नं. 486/82-83--यतः मुक्ते, श्रीमती संजू माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. में अधिक है

और जिसकी मं. जौर नं. 15 प्लोट नं. 64 ही, तथा जो गंधी नगर बेल्लारी मो स्थित ही (और इससे उपावद्ध अनुभूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रोक्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, बेल्लारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 19-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितरों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिन्यिन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए;

1. 1. श्री सी. आर. कुरनमृती और बुदर्स

2. श्री सी आर श्रीनीवासमूती और सी आर बृहम-मूर्ती आर. ओं. डॉर नं. 15 वार्ड नं. 18 3 कारेंस गांधी नगर बेल्लरी

(अन्तरक)

2. श्रीमती पाच पदमा पत्नी राजसीहमा 3, मारगेसा रांड 13-के श्रांस मल्लेखरम बंगलार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्तियां द्वारा अशंहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दरतावेज मं. 773/82-83 ला. 19-5-82) प्राप्रटी जिसका डारे गं. 15 कार्ज नं,  $\mathbf{X}^{VIII}$  गांधी नगर बेल्लारी में उपस्थित हों।

मेजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के शत्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीय 3-1-1983 मोहर:

### प्रकृप आई • टी • एन • एस •---

## म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

काय लिय, सहायक र ार्ट **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज-3, बबर्ड

बंबई, दिनांक जनवरी 1982

निदंश सं. ए. आर. 3/2179/82-83---यतः मुभे, एस. एच. अब्बास अब्बिदी, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं आर जिसकी सं. सव्हीनं. 51, हिस्सानं. । (पीटी ही तथा जो व्हिलेज मोहिली, अंधरी कुर्ला रांड, बम्बई डांक्यूमेट तं. एस. 2322/81 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, बम्बद्दं में रजिन्द्विरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नाक्षित उद्याश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथत नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायि में कभी करने वा असमे बचने में मुविधा के लिए और/धा
- (ख) ऐसी केसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें नारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) ता उस्त प्रधिनियम, या जनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भागरिती कारा पहा नहीं किया स्था था या किया जाता चाहिए था खिपाने में सुनिधा क लिए;
- अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम, निम्तिलिखत क्यक्तियों, अर्थात् :---

1. जोसेफ फिलीप गोन्सालहेय 2. जान फिलीप गोन्सालहेस ।

(अन्तरक)

2. संहिता इन्डस्ट्रिअल एन्टरप्राईजिस।

(अन्तरिती)

- संहिता इन्डिस्ट्रिअल एन्टरप्राईजिस,
   (यह व्यक्ति, जिन्तके अधिभाग में सम्परित हैं)
- 4. अंना मेरी डाययो गोन्साल्डांल और अन्य (वह व्यक्ति जिमके बारे में

अधांहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इन प्चना के राजपन म प्रकार को तारील से 45 दिन की प्रविधि या तत्त्वस्त्रमां ध्यक्तियों पर पूचना की नामी। में 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त तीना हो, ह सीनर पूर्वीत। स्यक्तियों में में किसी स्वितन जारा;
- (ख) इत पूजना ह राजम मं अक्षान का नारी क दि 45 दिन के भोतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति इत्ता अवीहम्लाक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्वेष्ट ।

सन्दर्भ हरणः—न्द्रसमं प्रयुक्त सन्दर्भ प्रोर पदी हा, जो उक्ता प्रशिक्षितस्य के ग्रहणस्य २० के में परिचालित हैं, बही प्रयं होता, का रुप प्रस्तर में दिया स्या है।

### अन्सूची

जैसा की विलेख संख्या एस 2322/81 और उपरिजस्द्रार बम्बर्ड द्वारा दि: 26-5-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस., एच. अब्यान आंबदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-३, यम्बर्ड

तारीमः : मांहर: प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।।, बम्बर्द

बंबई, दिनांक जनवरी 1982

निद<sup>®</sup>श सं. ए. आर. III /2189/82-83--अतः म्फे, एस. एच. अव्बास अबिदी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2694 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रन. सं अधिक है और जिसकी सं. सव्हैं नं. 3, हिस्सा नं. 5, एस. नं. 8, एच. नं. 3 पीटी, एस. नं. 51, एच. नं. 13 पीटी. है तथा जो विहलेज मोहिली, अंधेरी कार्ला रोड, बम्बई डाक्य-मोंट नं. एस. 2321-81 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रे कम के इशामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ---

 जोसेफ फिलीप गोन्साल्व्हेस (2) जांन फिलीप गोन्साल्व्हेस ।

(अन्तरक)

2. संहिता इन्डस्ट्रिअल एन्टरप्राईजेस

(अन्तरिती)

3. संहिता इन्डस्ट्रिअल एन्टरप्राई जेस,

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. अंना मेरी डाययो गान्साल्डेल और अन्य

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जनता है कि वह सम्पत्ति

में हितंबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

(अनुसूची की विलेख मं. एस. 2321/81 और जो उपरिज-स्ट्रार बम्बई द्वारा दि. 26-5-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस. एच. अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

तारीख : मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ध, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवर्षा सं. ए. आर. 3/2180/82/83—अतः मुझे, एस्. एच्. अब्बास अबिवी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 51, हिस्सा नं. 1 (पिटी) हो, तथा जो व्हिलेज मोहिली, कर्ज़ा अन्पेरी राड, बम्बई डाक्समेन्ट नं. एस. 2323/81 में रिथत ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर्ण से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्षे यहिवरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोदस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) श्री जोसंफ फिलीप गोन्साल्व्हंस,
  - (2) श्री जान फिलीप गोन्साल्व्हेसे।

(अन्तरक)

2. संहिता इन्ड्स्ट्रीअल एन्टरप्राईजिस।

(अन्तरिती)

3. संहिता इन्डिस्ट्रिअल एन्टरप्राईजेस। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. श्रीमती अना मेरी डायगो गोन्साल्व्होस।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>ें, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. एस्. 2323/81 और जो उपरिजिस्ट्रार, बम्बर्ड द्वारा दि. 26-5-82 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस्. एष्. अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बम्बई

तारीख: 15-1-1983

## प्ररूप बाइं .टी . एन् . एस् . -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

## भारा 269-ध (1) के अभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्वोध सं. ए. आर. 3/2188/82-83---अतः मुझे, एस्. एच्. अब्बास अबिदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 51, हिम्सा नं. 13 (पिटी) है), तथा जो व्हिल्जे मोहिली, कॉर्ना अन्धेरी रहेड, बम्बई डाक्रूमेन्ट नं. एसं. 2320/81 मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची मों और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, टारीस 25-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाइस, उक्स अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जोसंक फिलीप गोन्साल्व्होंस,
  - (2) श्री जान फिलीप गोल्साल्व्हेस।

(अन्तरक)

2. संहिता इन्डस्ट्रीअल एन्टरप्राइजिम।

(अन्तरिती)

3. संहिता इन्डस्ट्रिअल एन्टरप्राई जिस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. श्रीमती अना संरी डायगो गोन्साल्व्हसः।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षेक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुस्ची जैसा की विलेख मं. 2320/81 और जो उप-उपरिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दि. 26-5-82 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> एस्. एच्. अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज-3, बस्ब**र्ड**

तारींख : 15-1-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्यंज-3, बम्बर्द बम्बर्ड, दिनांक 15 जनपरी 1983

निद्देश सं. ए. आर. 3/2190/82-83—अतः म्झे, एस. एच. अब्बास अबिदी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं. सर्वो नं. 51, हिस्सा नं. 1 (पिटी) इन है, तथा जो विहलेज मोहिली, अन्धेरी कर्ला रोड, अम्बई डाक्सोंट नं. एस. 2324/81 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 26-5-1982

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अशिकहैं और अन्तरक (अल्लरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूशिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुजिधा के निए;

- 1. (1) श्री जॉमंफ फिलीप राल्याल्झेंस,
  - (2) श्री जान फिलीय गोन्साल्व्होस ।

(अन्तरक)

2. संहिता इन्ड्स्ट्रीअल एन्टरशाईजंस।

(अन्तरिती)

- 3. संहिता इन्डिस्ट्रिअल एन्टरप्राई जेस । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति हैं)
- 4. श्रीमती अना मेरी टायगो गोन्साल्व्होस और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके बारों मो अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबद्दंध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एवाना;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के सास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गपा हैं।

### अन्सूची

जनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस. 2324/81 और या उपरिजिस्ट्रार, वस्तर्ह द्वारा दि. 26-5-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस् . एच् . अब्बास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-३, बम्ब**र्ड**

अतः। असः, उत्रत किभिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-द की उपभारा (1) के अभीत विकारिस्ति व्यक्तियों, अभीत :---

तारीख : 15-1-1983

प्ररूपुआर्द्राटी, एन, एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 17 जनवरी 1983

निद<sup>\*</sup>श सं. ए. आर. 3/2169/82/83--अत: मूझे, एस्. एच्. अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट गं.1, सक्हों नं. 1 और 2 है, तथा जो व्हिलेज चांदिवली, बम्बई डाक्यमेन्ट नं आर./5259/71 मों िधत है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से र्वाणन है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्द में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 10-5-1982

को पर्वक्ति संपत्ति के उणित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गर्दहै और मुक्ते यह विज्ञात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्लय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे आरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, मधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमन्भाइ ए. शेठ।

(अन्तरक)

2. श्री जेठालाल जी. शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्स्ची

अनुसुची जैसा की विलेख सं आर. 5259/71 और जो उप-रजिस्ट्रार, अम्बई ध्वारा दि 10-5-82 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> एस्. एक्. अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बर्ड

तारीख: 17-1-1983

मोहर:

3-476 GI/82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ज (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नह दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्दः ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/5-82/9186---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्वित बाजार मृत्य 25,000 /- रु. से अधिक ह और जिसकी सं. फ्लंट नं. 'एच' है, तथा जो साउथ पटेल नगर, नर्झ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय; नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमन प्रतिकल से, एसे इत्यमन प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को सिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीषु विस्तितिहत् व्यक्तियों, स्थित् :---  श्री राजेश्यर कामार मिलक सूपृत्र स्य. श्री अर्जून दास मिलक, निवासी-22/100, वेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ओम प्रकाश कपुर स्पूत्र श्री प्यार लाल कपुर, निवासी-11/1, अल्ड राजिन्दर नगर, नर्ष दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पूर्वों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसची

सरकारी बना हुआ फ्लंट नं. 'एच', साउथ पटले नगर, नर्ष दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1983

## प्रकपः बाई॰ टी॰ द्रन॰ ध्तर----

'नाक्कार निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नेपीन क्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बाब्क्त (निरीक्क)

अर्जन रंज-2, नई पिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

निवर्षा सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/5-82/9289--अतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

रू. संगिषक हैं और जिसकी सं. 7/20 हैं, तथा जो इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं., एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब पाया गया प्रतिफल का निम्निविद्या स्थूब देव से उक्त बन्तरण में वास्तिवक

स्य वे कपित नहीं किया पथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसवे यचने में सुनिधा के निए; बीट्र/या .
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्थिकों, को, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा जन् कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अस्तिरिती ब्योड़ा प्रकट नहीं किया वया धा या किया जाना चाहिए था, डियाने में सुविधा के हिए;

अतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. ेश्री रेणजीत सिंह स्पृष्ट श्री गुरवचन सिंह निवासी-7/20, इस्ट पटले नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सृरिन्दर कुमार खन्ना,
 श्री दलीप कुमार खन्ना सृपृत्रगण श्री अर्जन दास खन्ना,
 निवासी-मकान नं 171,
 गली सिर्जीद तिहवार खान, निया बांस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त संपरित के चर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप ह---

- (क) इत सुनना के राजपत में प्रकाशन की तिरीय हैं 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुनना की तामील से 30 दिन की जनशि , जो भी जन्मिय नाव में समाप्त होती हो, के बीतर प्रनानध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकृष्यन की वाद्रीकृ वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए का सकते।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बागिर पंत्रों का, का जिनका अधिनियम को अध्याय 20 का में विशासित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिवा नवा है।

## अनुसूची

प्रो. नं. 7/20, इस्ट पटले नगर, नई दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-1-1983

मोहर ः

प्रस्प नाइं.टी.एन.एस.-----

# नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-2, नई दिल्ली

नह विल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/9299--- अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है ), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 13/7092 है सथा जो बेरी वाला बाग आजाद मार्केंट, दिल्ली मो स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के .कार्यालयः, न**र्दा दिल्ली** में रिजस्ट्रीकरण अधिनियमः, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनक अधिनियम के क्धीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री जगदीय लाल गुलाटी सुपुत्र श्री शादी लाल गुलाटी दिल्ली-39 हाथी खाना, बहादुरगढ़ राड, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती सावित्री दोनी पतनी श्री घासी राम और श्री घासी राम सूप्त श्री चन्दा लाल, निवासी-7092, बेरी थाला बाग, आजाद मार्कोट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त श्व्दों और पर्वो का, जो उनत वृधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उत् अध्याय में विया सवा है।

## अनुस्च्यी

एक मकान नं.  $XII^{I}$  7092, बेरी वाला बाग, आजाद भार्केट, दिल्ली ।

सुधीर जन्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-1-1983

मोहर 🗈

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रोज-2, नक्षे विल्ली

नर्ह दिल्ली, विनांक 6 जनवरी 1983

निवांश सं. आर्झ. ए. सी. /एक्यू.  $\frac{1}{5}$ - 82/9206—अतः मूर्भे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2194/168 है तथा जो त्री नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनों मई 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रांतशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कंथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री राम क्रमार सिक्का, निवासी-298 हाउसिंग बरेर्ड कालोनी, रम्हेतक (हरियाणा) जी. ए. श्री चरनजीत लाल नैयर, राम नाल नैयर, स्भाव चन्दर नैयर, अमरजीत लाल नैयर और इन्द्रजीत नाल नैयर सुपृत्र स्व. श्री वैष्णो दास नैयर।
- श्री कपूर सिंह निवासी-3424, त्री नगर, दिल्ली, श्रीमती आमबती पत्नी श्री वेद सिंह, निवासी-168, त्री नगर, दिल्ली।
   (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **नन्**स्ची

प्रो. नं. 2194/168 श्री नगर, दिल्ली-35, एरिया 378 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली-110002

त्रारीख: 6-1-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टुज-2, नक्षे दिल्ली नक्षे दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/9205---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 2533 है तथा जो प्रेम नरायण रोड, मौहल्ला चुरीवालन, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द 1982 को पूर्वीक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाज़ार मृल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई निकसी आय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री शिव ओम नरायण सुपुत्र स्थः श्री गोबिन्द राम, करता और मैनेजर (एच-यु-एफ) गोबिन्द राम एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

 मै. सीमा बिल्डर प्रा. लि. द्वारा एम. डी. श्री जे. पी. गुप्ता सूपुत्र श्री किशन लाल, निवासी-45/6 बी, माल रोड, दिल्ली।

'(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

प्रो. नं. 2533, प्रेम नरायण रोड, मौहल्ला चूरीवालन,

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली-110002

तारीख : 6-1-1983

मोहर ध

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नहीं विल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 28 दिशम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/9275—अतः मुभ्ने, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं 15/7 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, यह 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथिए नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त सिंधिनयभ के भधीन कर देने के अन्तरक के वाभित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या:
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना पाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः अतः अकि अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बी. नरायण सिंह पुत्र श्री बी. राणजीत सिंह निवासी-15/7 ईस्ट पटल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री मलिक विनाद कूमार मलहात्रा सुप्त श्री मलिक ईष्वर दास मलहात्रा, मिषक संज्य कूमार मलहात्रा गत्द लिया हुआ सुपुत्र श्री मलिक राम लाल मलहात्रा, निवासी-945, गली धाहिसरिन सेवा समिति मार्ग (फ्रांस खाना) दिल्ली ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सुभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त प्रश्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

### unuu i

प्रो. नं. 15/7 ईस्ट पटल नगर, नई दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली-110002

तारीच : 28-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण)
. अर्थन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 28 विसम्बर 1982

निंद सं. आई. ए. सी. /एक्यू.  $\frac{1}{2}$  एस-आर- $\frac{1}{5}$ -82/9283—अतः सुभ्ते, स्पीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 2728 है तथा जो गली आर्या समाज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से नीर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वाक्षित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्यत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त् अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कश्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैं. सीमा विख्यार्स प्रा. लि., 1/18 बी., असफ अली रोड, दिल्ली द्वारा एम. डी. श्री जे. पी. गुप्ता ।

(अन्तरक)

 श्री रमंश कुमार, नीलम कुमार, मानक कुमार, नरोन्द्र कुमार, राज कुमार और राजेश कुमार स्पृत्र श्री चम्पा लाल और श्रीमती चान्दों देवी पत्नी श्री चम्पा लाल, निवासी-1961, कटरा खुशल राय, किनारी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किस जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शबदों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृधे होंगा जो उस बुध्याय में दिया गवा हैं।

## बनुसूची

प्रो . नं . 2728, गली आर्या समाज, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा ्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-2, नर्ड दिल्ली-110002

तारीच : 28-12-1982

में हर:

प्ररूप आर्द्र, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ष दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 28 विसम्बर 1982

निर्देश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/9286---अतः स्के, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 भाग, 2म-बी है तथा जो बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को प्रोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— —476 GI/82  श्री मतील चन्द्र राठ सुपुत्र स्वः श्री हर नरायण सेठ, निवासी-15 सत्यावती मेमोरियल मार्ग, एंप/मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शान्ती प्रकाश चड्ढा विधवा पत्नी श्री एच .
 के. चड्ढा निवासी-एच-10, भाग-1, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरण:—हसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मम्सूची

1/2 अविभाजित हिस्से प्रो. नं. 2-यू.-बी., बंगला रोड, अवाहर नगर, दिल्ली, एरिया 295.6 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

तारीब : 28-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीत स्चन

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 विसम्बर 1982

निष्टेंश सं. आर्ह. ए. सी. एक्यू. /2/एस-आर-1/5-82/9302—अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, झायकर प्रिवित्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार प्रस्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूला 25,000/- के से प्रियक है

और जिसकी सं. 1/6 भाग, 2यू-बी है तथा जो बंगला रोड, जवाहर नगर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में पूर्ण रूप सं यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूट्य ते सम के पूर्वमान पिर-फल के श्रिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वार करते की कारण है कि यथापूर्वीकत तम्बलि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिशान में प्रधिक है और प्रस्तरक (श्रम्तरकों) और प्रस्तरिती (श्रम्तरित्यी) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उच्छ प्रस्तरण सिखित में वास्तिक रूप ने कियम नहीं किया गया है :---

- (क) प्रत्यांक से हुई किसी ग्राय की बाबत, ७४त अग्रिनियम के अग्रीन कर देने के करतरक के दायित्य में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-का धिश्वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री मुरोश कत्व सेठ सूप्त्र स्व. श्री अमर कृत्व सेठ, निवासी-24 दरीया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती प्रकाश चड्ढा विधवा प्रनी श्री एच के. चड्ढा, निवासी-एच-10, भाग-1, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्त'रिती)

को यह पूचनः जारो करत पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजीत के लिए। कार्य**वाहियां कर**ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीय :--

- (ह) इन पुत्रसा है राजर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवस्थि पर पूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों से न किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस न्वता के राजपथ मं प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किती जन्म व्यक्ति द्वारा प्रयोहिताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगें।

स्वक्ती करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभावित हैं, वहां प्रथी होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

1/6 भाग अविभाजित हिस्से प्रो. नं. 2-यु-बी, बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली, एरिगिया 295.6 वर्षगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई विल्ली-110002

गतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अपूत्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारौर : 28-12-1982

## प्रकृष वार्षं ती पुष् पुष् ---------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/9308--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

वायकर विश्विषय , 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चाद् 'उक्त वृष्टिनवम्' कहा ववा ही), की बारा 269-इ के वभीन स्काम प्राधिकारी को यह दिवसास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसही सं 1/6 भाग, 2-यू-बी, है तथा जो बंगला तोड, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वों स्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसियत उद्वेष्ण से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-चं को अनुसरण भें, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :--

- श्री नरोश चन्द सेठ सुपुत्र स्वः श्री अमर चन्द सेठ,
   निवासी-24 दरिया गंज, दिल्ली ।
   (अन्तरक)
- श्रीमती शान्ती प्रकाश चड्छा विधवा पत्नी श्री एच के के चड्छा, निवासी-एच-10, भाग-1, अंशोक विहार, विल्ली ।
   (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

### अनुसूची

1/6 भाग अविभाषित हिस्से प्रो. नं. 2-यु-बी, बांग्ला रोड, जन्नाहर नगर, दिल्ली एरिया 295.6 धर्गगण ।

> सुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्दा दिल्ली-110002

तारीब : 28-12-1982 मोहर ७ प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन द्वेज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निदश सं आई .ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-1/5-82/ 9312--अतः म्भे, सुधीर चन्द्रा, बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं 1/9, 2-4-बी है तथा जो बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नर्श विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन मर्फ 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री तारा चन्द सेठ सुपुत्र श्री लाल चन्द सेठ, निवासी 24-एफ कोल्हापुर रोड, कमला नगर, दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्रीमती शान्ती प्रकाश चड्ढ़ विधवा पत्नी श्री एच. के चड्छा, निवासी एच-10, भाग-1, अशोक विहार दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

1/9 भाग पो. नं. 2-यु-बी, बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली, एरिया 295.6 वर्गगज।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

त्रारीख : 28-12-1982

### प्रकप बाई • टी • एन • एस • —-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्ण)

अर्धन र ज-2, नह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निदंशि सं आर्द्दा ए सी /एक्यू /2/एस-आर-1/5-82/9260—अतः मुफ्ते, सुधीर घन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. 1/9 भाग, 2-यू-बी है तथा जो बंगला रोड जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देवरेंय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री देवी चन्द सेठ सुपूत्र स्थाः श्री लाल चन्द सेठ, निवासी 24-एफ कोल्हापूर रोष्ड, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती प्रकाश चड्ढा विधवा पत्नी श्री एच. के. चड्ढा, नियासी एच-10, भाग-1, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन क संबंध में कोई भी बाक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधों व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो है। प्रकृति नाद में समाप्त होती हो, क भीतर प्रकृति उपितयों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूबना के राजपत्र में प्रकारत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति प्रें हितबद्ध किमा प्रस्य स्थित द्वारा, शक्षीहस्तासकों के प्राम निक्षित में किए या सकीं।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त जन्दो और पद्यों का जो 'छत्रत अधिनियम' के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, अटा अर्थ दोगा, जा उस अद्यान में दिया गया है।

### वन्स्यी

1/9 अविभाजित हिस्से प्रो. म्युनिसिपल नं 2-यु-बी, बंगला रोड जवाहर नगर, दिल्ली, एरिया 295 6 वर्ग गज।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :——

तारीख: 28-12-1982

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 289-व (1) क अभीत स्वना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रंज-2, नद्दं विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्घ.ए.सी./एक्य./2/एस-आर-1/5-82/ 9270--बतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. सं अधिक ही और जिसकी सं. 1/6 भाग, 2-यु-बी है, तथाओं बंगला रोड, जनाहर नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम को उरुयमान प्रतिफल के लिए अंतरित अर्थी नई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के शायित्व से कभी करने या उक्तसे अवने में सुविधा के लिए; बॉर/स
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री कंवर चन्द सेठ सुपुत्र स्व. श्री हर नारायण सेठ, निवासी 26-एफ, कमला नगर, कोल्हापुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शान्ती प्रकाश चब्दा विश्ववा पत्नी श्री एच. के. चब्दा, निवासी एच-10 भाग-1, बबाके विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास विस्ता में विद्या जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो. (3 मंजिल) म्युनिसीपल नं. 2-यु-बी, बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली, एरिया 295.6 वर्गगजा

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नर्द दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों,, अर्थात् :---

तारीच : 28-12-1982

माहरु 🖫

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निवर्षा मं. आर्ड.ए.सी./एवय्./2/एस-आर-1/5-82/ 9311--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. डी/44 है, तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्दा, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्करक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और्/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भून या जन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, वर्धातु:——  श्री राधा कृशन मलीक स्पूप्त श्री सुख दयाल मलीक, निवासी 11-एम/43, लाजपत नगर, नई दिल्ली, द्वारा जी. ए. श्री राम धारी भैन, स्पूत्र श्री रसी राम भैन, निवासी डी/44, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

 श्रीमती मोहन प्यारी पत्नी स्व श्री चमन लाल वासन, निवासी सकान नं 8312, मूलतानी ढांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी अनुधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रमुक्त सन्धों बार पन्धों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही जर्ज होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### जन्सूची

प्रो. नं. डी/44, तादादी 111 वर्गगज, स्थापित बाली नगर, नई दिल्ली एरिया ग्राम बसई दारापुर, विल्ली।

> सूधौर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-2, नर्ष दिल्ली-110002

त्रारी**न** : 28-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालम सहायक आयकर आम्बत (निरीक्षण)

अर्थन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 विसम्बर 1982

निद्रेश सं आर्झ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -। /5-82/9230--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं 6231 है, तथा जो कमला नगर, सब्जी मण्डी, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्ड, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बिहारी लाल मुनस्नुनवाला, बरेटिबेल ट्रस्ट, सुभाष राड, नागपुर, व्वारा
 श्री बिहारी लाल अनुमन्नवाला, नियासी वृन्दायन, बजरीया, श्री हरी राम प्रहलादका, सृपृत्र श्री केदार नाथ प्रहलादका, निवासी 801 मेन बाजार सच्जी मण्डी, दिल्ली मुस्तयार नाम।

(अन्तरक)

 श्रीमती कृत्म सन्ना पत्नी श्री सतीश कृमार सन्ना, निवासी-14/12, पंजानी माग, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

एक बेसमेन्ट वमय मेजनीन फ्लोर जो उपरोक्त बेसमेन्ट पर बनी हुई वाक्या 6231 नार्दर्न सिटी एक्सटनिशन स्कीम, कमला नगर, सक्जी मण्डी, विल्ली।

> सुधीर भन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) कर्जन रंज-2, नई दिल्ली-110002

तारील : 23-12-1982

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निद<sup>ेश</sup> सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस.आर.-1/5-82/9188—अतः मृझ, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा, 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 848 है, तथा जो चान्दनी महल, दिल्ली-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त जिम्मिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- 1. (1) श्री मोहम्मद इस्माइल सृपुत्र श्री ननेह खान
  - (2) श्रीमती सरवारी बंगम परनी श्री मोहम्मद साबिर, निवासी-3975 गली खानखानन, उर्दू बाजार, जामा मस्जीद, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

 श्री सैंगद मोहम्मद सइद सुपृत्र श्री सैंगद मोहम्भद हिदायत, निवासी-690, चान्दनी महल, कामरा बंगश, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध** किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्रो . नं . 848, चान्दनी महल, दिल्ली-6।

सृधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-12-1982

मोहर 👈

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्**प**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, महागक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लॉर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, तर्इ विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एकपू./2/एस. आर-1/5-82/9195—-अतः मुभे, मुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 3947 है तथा जो गली साट वाली, नर्द्र सङ्ख्य दिल्ली में फ्यान है (और इससे उपावद्ध जनुसूची में पूर्ण रूप से क्षीएकारी के कर्णाकर नर्द्र दिल्ली

विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्ह, 1982 को पूर्वीक्स मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गर्हों हैं और मूभ्ये यह विश्वास करने का काएण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य

का कारण हु कि यथापूर्वाक्त सम्हात्त का उपन्त बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिप्रल से, एसे इश्यमान प्रतिप्रत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रत्न, निम्नतिक्तित उस्पेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की वाक्ष्म, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बद्दने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की. में उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री महोन्दर कुमार
स्पूत्र स्व. श्री श्याम नरायण
निवासी-1680 कुचा जेट मल,
दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री कृशन मोहन शर्मा सुपृत्र स्व. श्री हांस राज निवासी-3403 गली हिकम बाका, हाँज काजी, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारोक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारोक्ष से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्रब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुखी

प्रो. नं. 3947, गली साट वाली, नई सङ्क, विल्ली, केवल 75 वर्गगज, प्राउण्ड फ्लोर।

> स्**धीर धन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

हारी**व** : 23-12-1982

## प्रकथ आहें. टी. एन. एस. -----

भागकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 23 विसम्बर 1982

निर्धांश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर-।/5-82/9220—अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 20, राज नं. 72 ही तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अवसूची में पूर्ण रूप से विल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूच्य से अस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक कन, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विक्तिस में बास्तिविक क्या के किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियरव में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
  - (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लोबनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्न व्यक्तियों, अर्धात् :---

- 1. (1) श्री नन्द लाल सचदेव,
  - (2) विनोद क्यार सम्बद्ध न ,
  - (3) मोहिन्दर क्यमार सचदेव, निवासी-20/72 पंजाबी बाग, नर्द्य दिल्ली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सुभाष चन्दर
  - (2) श्री पूष्पीन्दर कुमार
  - (3) श्री अशांक कुमार निवासी-ग्राम मोहूना, तहसील-कैथल, जिला-कुरुक्षेत्र (हरियाणा)।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृह्द करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सी बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यांकल द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के गम निवेशन में किए ज स्कोग !

स्पाद्धीकरण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान का प्लाट नं. 20, रोड नं. 72, पंजाबी बाग, एरीया ग्राम-बसई-दाराप्र, दिल्ली, तादादी 572 वर्गगज।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज-2, दिल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

तारीख : 23-12·1982

म(हर :

## प्ररूप आइ. टी. एन्. एस्.,--------

**अायकर अधि**निय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निद $^{5}$ श सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर-।/5-82/9209—अतः म्भे, स्थीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

आरे जिसकी सं. 26/106 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विण्ति है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा को सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

बतः विश्व जवत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--

 श्री खुशी राम सुपुत्र श्री धन सिंह निवासी-25/103, शिक्स नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) श्री सल्य नरायण
सुपृत्र श्री ओम मित्तल
निवासी-26/18 शिक्त नगर, दिल्ली
(2) मोहन प्रकाश
सुपृत्र श्री ओम प्रकाश गुप्ता
निवासी-25 बी. डी. इस्टोट्स तिमारपूर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं. 106, ज्लाक नं. 26, शक्ति नगर, दिल्ली तादादी 200 वर्गगज।

स्धीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>फ</sup>ज-2, दिल्ली, नर्दा दिल्ली-110002

सारीख : 27-12-1982

प्ररूप माइ. दी. एम. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सृक्ता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निद<sup>®</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर- I/ 5-82/9222—अतः मुक्ते, स्धीर चन्द्रा,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का करण हो कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक हो

और जिसकी सं. 5, व्लाक-डी हैं तथा जा मान सरावर गार्डोंन, नई दिल्ली में श्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण क्य स विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से धुइं किमी बाय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिये था, छिपाने में सिवध के लिए;

ज्ञतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मॅं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अभीत् ः——  श्री भूषिन्दर सिंह निवासी-ए-4/4 राणा प्रक्षाप बाग, दिल्ली-7 ।

(अन्तरक)

 श्री जं. कं. जंन निवासी-डी-4, राजांरी गार्डन, नर्इ विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अकोहस्साक्षरी के पास विकास में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं. 5, डी-ब्लाक, मानसरोवर गार्डेन, नई विल्ली-15, एरीया ग्राम- बसई-दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> सूथीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारींच : 28-12-1982

माहर :

प्रकप आहर्. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर-१/5-82/9203—अतः मूक्ते, सुधीर चन्द्रा, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही और जिसकी सं. 7, ब्लाक-66ए, ही तथा जो न्यू राहतक

और जिसकी सं. 7, ब्लाक-66ए, हैं तथा जो न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) से अधीन, तारीस मर्झ, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और नंतरिती (जन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरम् के निए तन पाया नया प्रति-फल, निम्नित्वित उच्चेक्त से उक्त अन्तरण् निष्ति में वास्तिवक क्य से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिना में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृतिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :----  भी चरनिजय लाल मेहरा और मन मोहन लाल मेहरा निवासी-7/66ए, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीओम प्रकाश सेठ
  - (2) श्रीमती कमला स्रोठ
  - (3) विनय क्षेठ
  - (4) श्रीमती मॅनिका संठ निवासी-65/67 रोहतक रांड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की बह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्भक्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु बे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- क्यूंध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्याहै।

# अनुसूची

बना हुआ मकान प्लाट नं. 7, ब्लाक नं. 66ए, न्यू रोहतक रोड, नई विल्ली ताक्षाकी 536 वर्ग गज, (448.99 वर्ग मीटर)।

> सूधीर चन्द्रा सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन र<sup>पे</sup>ज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारीख: 28-12-1982

प्रकल आर्घ. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निदंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.~1/5-82/9263—अतः मुफे, सूथीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है और जिसको सं. 3947 है तथा जा गली सट वाली, नई सड़क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के खर्यमान

को अधीन, तारील मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के निए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री महन्दर कुमार सूपृत्र स्व. श्री श्याम नरायण निवासी-1680, कुचा जेट मल, दरीया कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री कृष्ण मोहन सपुत्र स्व. श्री हंस राज निवासी-3403 गली हकीम बका, हाँज काजी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## अनुस्ची

प्रों. नं. 3947 गली सटें वाली, नई सड़क, दिल्ली, तादादी 75 वर्ग गज, केंवल प्रथम मन्जिल।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-12-1982

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन्. एस. - -- -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-७ (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लार, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 विसम्बर 1982

निद<sup>क्ष</sup>श सं. आ**र्ड**. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर. - 1/ 5-82/9202--अतः मूभ्ने, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000<sup>/</sup>- रह. में अधिक हैं और जिसकी सं. 2599, वार्ड-।।। है तथा जो नई बस्ती, नया बाजार, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेर्ह दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (जंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिस्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती विद्या वती विभवा पत्नी श्री बी. एम. गृप्ता निवासी-2599, वार्ड नं. ।।।, नर्द्र बस्ती, नया भाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार गुप्ता सुपुत्र स्व. श्री बी. एम. गुप्ता निवासी-2599, वार्ड नं.-।।।,, नया बाजार, नर्झ बस्ती, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- स्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्मध्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उन्हरू जिभित्रमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विसा णया हैं।

## अनुसूची

प्रो. नं. 2599, वार्ड नं. ।।।, नई बस्ती नया बाजार,। विल्ली-6।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

निर्दर्भ सं. आई. ए. सी./एक्य./2/एस. आर.-।/ 5-82/9207--अतः म्भे, स्धीर अन्द्रा, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं। और जिसकी सं. बी-561 हैं तथाजो मजलिस पार्का, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली मो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीमा मर्द 1982 को पर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :-6-476 GI/82

 श्रीमती चन्चर कान्ता कपूर पत्नी श्री एम एल कपूर निवासी-20/51 शक्ति गगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जे. डी. मिलिक सुपुत्र श्री करम भन्द निवासी-33/51, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अम्सुची

प्रो. नं. भूमि का प्लाट नं. बी-561, मजलिस पार्का, दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज लगना नं. 63, ग्राम-आजाद-प्र, दिल्ली।

> स्थीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारील : 30-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत अरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुम्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 28 विसम्बर 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./एक्य्./2/एस. आर.-।/ 5-82/9212--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. के-5 ही सभा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली मं स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुस्ची में पूर्ण रूप से विणत है), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मद्दी, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके खपमान प्रतिकल से, एसे खपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उददेश्य हे उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-त्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, जिल्लाने में स्विधः के लिए।

 श्री बलवेश राज कोहली सुपृत्र श्री बीना नाथ कोहली निवासी-के-5, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार सृपुत्र श्री कस्तुरी लाल निवासी एच/77, कीर्त्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सम्भना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में में किसी स्विचन द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी जन्य व्यक्ति इतारा अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इतमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

1-1/2 मन्जिल मकान, बना ह्या प्लाट नं. के-5, तादावी 150 वर्ग गज कीर्त्ति नगर, एरीया ग्राम असर्के वारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

कता अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मां, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिमिन स्वित्तियों, अधीन :--

तारींख : 28-12-1982

शक्य मार्च.टी.एन.एस.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अभीत सु**प**ना

### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 28 विसम्बर 1982

निर्दोश सं आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर.-।/ 5-82/9219--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थादर समाति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 1/9 भाग, 2 यू-बी है तथा जो बंगला रोड, जवाहर नभर, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

की पूर्नेक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्टित संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में यास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के जिला।

जतः जव, उक्त जीभीनयभ की भारा 269-ग के अनुतरण मों, में, उक्त जिथीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जभीन जिम्लिजिय व्यक्तिमों, अर्थातः उक्क  श्री अतर चन्द संठ सुपुत्र स्व. श्री लाल चन्द संठ निवासी-42-बंगला रोड, विल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शान्ता प्रकाश चढ़ा विधवा पत्नी श्री एच . के. चढ़ा निवासी-एच-10, भाग-1 अशांक विहार, विल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये वह सूचना जारी करके पृथाँक्य सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के** सम्बन्ध में को**र्ड भी** शक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वचाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसुची

1/9 अविभाजित हिस्से प्रो. (3 मंजिल) म्युनिसीपल नं. 2-यू-बी, बंगला रोड, जवाहर नगर, दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 28 विसम्बर 1982

निर्देश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर.  $\sim$ । /5-82/9221--अतः मुक्ते, सुकीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा सं अधिक है

और जिसकी सं. यू-बी-68 है तथा जो जवाहर नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्विति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान् प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्त्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भूभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री अशोक कुमार, श्री अशोक कुमार सुपुत्र स्व. श्री देवी सिंह, धरम बीर सुपुत्र स्व. श्री देवी सिंह, निवासी-170ए, अशोक विहार, भाग -1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री शाम नरायण, लक्ष्मी नरायण, राज नरायण, आनन्द प्रकाश और विजय कुमार, सुपुत्रगण श्री मोहन लाल, निवासी-2674, नया बाजार, दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अंत्रमच्छे

प्रो. नं. यू-बी-68, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, विल्ली।

सृधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-12-1982

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-क (1) के बुधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निद<sup>\*</sup>श सं. आईं. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.- I/ 5-82/9226--अतः मुभ्के, सुधीर चन्द्रा,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 6 है तथा जो अता-उर-रहमान सैन, सिविल लाइन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यशान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रुल्एक से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त ब्रुधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के हिंत्ए; ब्राट्/या
- (स) एसे किसी जाय का किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन निम्नुतिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्रीमती सुलताना बाई
पत्नी सेख हाजी माहम्मद मोइस
सुपुत्री सेख आता-उर-रहमान
निवासी-ई-265, ग्रेटर कैलाश,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री शेख मोहम्मद जाकी, सेख मोहम्मद नािक, सेख इखालास अहमद, सेख शहीद अहमद, सेख मोहम्मद तािहर सुपुत्र हाजी मोहम्मद शर्राफ, निवासी-2084 अहाता कालेय साहब, गली का सिमजान, बाली-मारन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# जनस्वी

भाग प्रो. नं. 6, आता-उर-रहमान लैन, सिविल लाइन, दिल्ली, तादादी 393 वर्ग गज।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-12-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982 निद<sup>\*</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-I/

5-82/9256--अतः मुफे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं. 2735-45 आंल्ड है तथा जो 794-795, वार्ड नं. 1, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——  श्री शंकर लाल राम नाथ स्वंम और उसके पिता / एवं सभी अभिभावक श्री गिरीश कुमार, शंकर लाल, दागा और कर्ता और मैनेजर और संयुक्त परिवार और अदर्स।

(अन्तरक)

 श्रीं प्रहलाद सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह निवासी-डी-10, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्सूची

म्युनिसीपल नं. 2735-45, इसका पुराना नं. 794-795, वार्ड नं. 1, स्थापित-आबादी कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारोख: 28-12-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

भायकश अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज~2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्र. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-1/5-82/7433—अतः मुभ्ने, सुधीर चन्द्रा, नायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-र गं विश्वास हों

औरं जिसकी सं. कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के खण्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वों क्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य . उसके दश्यमान प्रतिफल सो , एसे दश्यमान प्रतिफल का पेदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्षण कि निम्निलिखित उद्योक्य से उपता अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अर्थ: अपने या अससे बजने में स्विक्त के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना जाहिए था, किशाने में मुनिधा के सिए;

कतः अव, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री बलराज सिंह सुपुत्र श्री शिव प्रसाद और रामवीर, सुपुत्र श्री शिव प्रसाद, निवासी-ग्राम-हैंदरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अजय कुमार गोयल सुपुत्र श्री इंग्वर प्रसाद गोयल निवासी-ए-2/23, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के जाम विक्ति में किए जा सकत्वे।

स्पब्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया ही।

# **ग्रनुसू**ची

भूमि ताबावी 2 बीघे ससरा नं 19/26 ग्राम-बुरारी, विल्ली।

सूधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता्रीख : 6-1-1983

प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 6 जनवरी 1983

निंद<sup>र</sup>श सं. आर्इ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस - आर. -2/5- 82/7390— अतः मृक्षे, स्थीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिस्की सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम ब्रारी, दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मों भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के रहममान प्रतिफल के निए अन्सरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार एल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अत्तरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्धिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियग की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री बलराज सिंह सुपुत्र श्री शिव प्रसाद और श्री राम विर, सुपुत्र श्री शिव प्रसाद, निवासी ग्रास है दरपुर, विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री नरेश कृमार गोयल तृपृत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी-ए-2/23, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

भूमि तादादी 2 बिघे, समरा नं. 19/26, ग्राम बूरारी, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज-2, दिल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

तारीख : 6-1-1983

मोहर 👙

५६५ माई डी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्झ विल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्दोश सं आहूं ए. सी /एक्यू /2/एस -आर -2/5-82/7415---अतः मूझे, सूधीर चन्द्रा, आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मन्नीन सक्षम माधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य

25,000/- रु० से अधिक हैं

और जिसकी सं एच-28 (1/2 भाग) है, तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के क्षीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
7—476GI/82

श्री मनोहर सिह,
 श्री परमजीत सिह,
 श्री अमरजीत सिह,
 श्री जसपाल सिह,
 श्री जितेन्द्र सिह, सपूत्रगण
 श्री एस. सूरमुख सिह,
 निवासी-एस-21, शिवाजी पार्क,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री बैज नाथ अग्रवाल सुपूत्र श्री बदरी प्रसाद अग्रवाल, निवासी-2398, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

1/2 अविभाजित भाग, प्रो. नं. एच-28, शिवाजी पार्कः, नर्षः दिल्ली।

> स्थीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख : 6-1-1983

मोहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. --

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत पुतना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 6 जनवरी 1983

निर्वोश सं. आर्घ. ए. सी.  $/ \sqrt{\text{एकप}_1} / 2 / \sqrt{\text{एस}_1} - \text{आर}_2 / 5 - 82 / 7419 — अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,$ 

आयंकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिवीन स्थाम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्तक। उविन बाजार मृह्य 25,000/- इपए से श्रिविक है

जार जिसकी सं. एच-28 (1/2 भाग) है, तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविधत उद्देश्य से उक्त प्रक्तरण जिल्लाक में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उपत भिक्षितयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

श्री मनोहर सिह,
 श्री परमजीत सिह,
 श्री अमरजीत सिह,
 श्री जसपाल सिह,
 श्री जिलेन्द्र सिह, सुपुत्रगण
 श्री एस. सुरमुख सिह,
 निवासी-एस-21, श्रिवाजी पार्का,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री जगन नाथ सुपृत्र,
 श्री चन्दू मल,
 निवासी-2398, हरध्यान सिंह राडे,
 करोल बाग, नई दिल्ली-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के क्रिएकार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्यक्ति के अन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तासील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पवडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों ब्रोर पदों का, जो सक्त अधिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रभित्तीका, जा उस प्रज्याय में दिया गया दै।

# अनुसूची

1/2 अबिभाजित भाग, प्रो. नं. एच-28, शिवाजी पार्का, नई दिल्ली।

सूधीर जन्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरोक्षग) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

निद<sup>र्</sup>श सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर./5/82/7432—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

वीर जिस्की सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम ब्रारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विल्ली है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पासा गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरंद्र या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा को लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बलराज सिंह सुपृत्र श्री शिव प्रसाद और श्री राम विर, सुपृत्र श्री शिव प्रसाद, निवासी ग्रान हैंदरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री रिवदर क्रमार सूपूत्र श्री सत नरायण, निवासी-ए-2/23, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (सा) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी भन्य स्थावित द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो एक्त श्राधि-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अश्र्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि तादादी 2 जिघे, खगरा नं. 19/26, ग्राम ब्रुरारी, दिल्ली।

सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहस्यक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीय: 6-1-1983 मोहरु ध प्ररूप आई० टी• एन• एस•——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्देश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-82/7333--अतः मुफ्ते, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य., 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संकृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींस मही, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

अक्षः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्रीमती प्रेम कारे पत्नी श्री अभय राम निवासी-ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री विजय पैडिया सुपुत्र श्री केसर चन्द पैडिया निवासी-कचहरी राडि, राउरकेला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुस्पी

कृषि भूमि तावादी 4 बीघे और 16 बिश्वे, समरा मं . 21/13, ग्राम-नांगली पुना, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> स्थीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2,दिल्ली, नहींदिल्ली-110002

ल्यीम : 6-1-1983

महिर:

प्ररूप आई'. डी एन . एस . ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निद्रंश सं आर्थः ए सी /एक्यू  $\frac{1}{2}$  एस आर  $\frac{-2}{2}$ 5-82/7425--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. कथि भूमि है तथा जो ग्राम-स्लतानपुर, दबास दिल्ली में स्थित हैं (अर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्दोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 🖘 अवीन, तारीख मर्झ, 1982 को पृषों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक ही और अंसरक (अंतरकाे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिषाने मन् स्विधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित, व्यक्तियों, अधीत् ६——

- श्रीमती धनपती पत्नी स्थः श्री राम भाज,
  निवासी-मूलतान दबाम, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली
  ट्वारा
  श्री राम नरायण सुप्त्र श्री चन्दन,
  निवासी-सुलतानपुर दबास, दिल्ली प्रशासन,
  दिल्ली-मुख्तयार आम।
  (अन्तरक)
- श्री संजय क्मार (नर्बालग)
  स्पृत्र श्री राम नरायण
  जो अपनी माता श्रीमती सूपमा देवी
  पत्नी श्री राम नरायण
  निवासी-बवाना, दिल्ली प्रशासन,
  दिल्ली की संक्षरता में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्अन्ध में कोर्ड भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि पा तत्मस्थन्त्री व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी स्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्यारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किए का महोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गुणा हैं।

#### बनसची

भूमि ताबादी 31 बीघे 8 बिम्बे-आशा हिस्सा बिना बटा ह्ञा मिनज्मले सालिम भूमि तादादी 62 बीघे 17 बिम्बे, मूनदरजे सता सतौनी नं 51/53 मिन म्स्तील नं 91 कीला नं 14 (4-16), 15 (4-16) 16 (4-16), 17 (4-16), 18 (4-16) 19 (4-16), 22 (6-2), 23 (4-16), 24 (4-16), 25 (4-16), म्स्तातील नं 93 कीला नं 3 (3-10), 4 (5-12), 5 (4-9), बावया ग्राम-मूलतानप्र दवास, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

स्घीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2,दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारील : 6-1-1983

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्ड विल्ली

नक्ष दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-82/7334--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रत. से अधिक हैं<sup>,</sup> और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नागली पूना, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय मर्झ, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) गार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धौरा 269-गं के अनुगरण मं, सैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती मिठन कार पत्नी श्री राज सिंह निवासी-नांगलोइ जट, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री आनन्द पैडिया सूप्य श्री सांवर मल पैडिया निवासी-कचहरी रांड, राउरकेला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसची

भूमि ताबादी 4 विषे 16 बिश्वे, ग्राम-नांगली प्ना, दिल्ली।

सूधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारो; सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), अर्जन रौज-2,दिल्ली, नर्दा दिल्ली-110002

तारीय : 6-1-1983

म'हर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्दोश सं आर्दा ए सी / एक्यू / 2/एस अार -2/ 5-82/7304--अतः मुभी, स्धीर चन्द्रा, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली पूना, दिल्ली 🗗 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याय, नर्झ विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/
- (ख). एमी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री चन्दगी गम
सप्त्र श्री टाली अटार्नी,
श्री श्रीचन्द
स्प्त्र श्री सुन्दर लाल,
निवासी-नांगली पूना,
दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एसं के मिलक,
 श्री दी के मिलक,
 श्री ए के मिलक स्पुत्रगण श्री जे डी मिलक निवासी-33/5, शक्ति नगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पेष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे और 12 बिघवे, खसरा नं. 4/13 (1-3), 40/14 (2-13), और 40/15 (2-16), स्थापित-ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली- 110002

तारींच : 6-1-1983

मःहर :

प्ररूप बाह्र<sup>क</sup>. टी. एन . एस . ------

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नद्दों दिल्ली

नई दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-82/7335--अतः म्भे, सुधीर जन्द्रो, भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन अधाम प्राणिकारों की यह विस्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 55, ब्लाक-'सी' है तथा जो न्यू मूलतान नगर, रोहतक गंड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायदध अनुसूची में और वर्ण से वर्णित ही), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी की कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1982 को पृत्रानित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यु से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल मे, एसे इश्यक्षान पतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिसी (अन्तरितियाँ) के बीच ए'में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-करा, निम्नलिसित उत्दोदय से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम, के भवीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविशित व्यक्तियों, अधीत् ए—- श्री रोपी नाथ और
 श्री हरिश क्मार (सगा भाई)
 सूप्त्रगण श्री चमन लाल
 मकान नं. एच.-120ए, शिशाजी पार्क,
 नई दिल्ली-26 ।

(अन्तरक)

 श्री कृष्ण गोपाल मित्तल,
 श्री राम मित्तल और
 श्री राज कुमार मित्तल सुपृत्रगण श्री जोत राम मित्तल निवासी-सुभाष रांड, कलकत्ता-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख धे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

एक प्लाट नं. 25, ब्लाक 'सी' (प्लाट नं. सी-25), एरीया 206-2/3 वर्ग गज, (बराबर 172.8 वर्ग मीटर) साइज 30 फीट  $\times$  62 फीट) स्थापित-अधिकृत निनासीय कालोनी न्यू मृलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली .56, ससरा नं. 2/21 से 25 एरिया ग्राम-जवालाहोरी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

स्भीर चन्द्रा सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली- 110002

**सारीख : 6-1-1983** 

# प्ररूप भाई• टी॰ एम॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्वोद्य सं. आर्दः ए. सी.  $\sqrt{\sqrt{2}}$ एसः आर $\sqrt{2}$ 5-82/7302--अतः म्भे, सुधीर चन्द्रा, ब्रायकर अभिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इपमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयात करते का कारण है कि स्वायर सम्पन्ति, जिसका उतिन बाजार मत्य 25.000/- क० मे स्रधिक और जिसकी सं. कपि भूमि है तथा जो ग्राम-नागली पुना, विल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारील मई<sup>1</sup>, 1982 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उत्पत बाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्शेश्व सम्पत्ति का उचित बाकार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्राक्षणत से प्रधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिंगे तय पाना गया प्रतिकन, निम्निलिबन उन्हेंच्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ंख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनार्य भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था िपाने म सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
8-476 GI/82

 श्री सरूप सिंह सुपृत्र श्री नन्द राम, अटानी श्री श्रीचन्द सुपृत्र श्री सुन्दर लाल निवासी-ग्राम-नांगली पृना, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जय किशन सूप्त्र श्री पारस राम निवासी-बी-2/30 अशाक विहार, दिल्ली-51 ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए **कार्यवा**हियां **कर**ता हूं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूजना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर प्रचला की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घटनाय 20-क में परिचाणित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस भी

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे 15 बिश्वे, खसरा नं 40/16 (2-17), 40/18 (0-5) और 40/17 (3-13), स्थापित-एरीया ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, विल्ली, नई दिल्ली- 110002

तारील : 6-1-1983

# प्रकम कार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुखना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निविंश सं. आर्ह. ए. मी. एक्यू. /2/एस. आर. -2/5-82/7303—अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नांगली पूना, विल्ली में म्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारांच मही, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरिती की गई है और मूर्झ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त , निम्निसित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

मत: बब, उन्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री मंगल सूपूत्र श्री नन्द राम श्री दीप चन्द सूपूत्र श्री नन्द राम निवासी- ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरोश कामार सुपुत्र श्री दया राम निवासी-9657, इस्लाम गंज, लाइब्रोरी राड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे और 15 बिञ्चे, खसरा नं 40/8(2-10), 40/13(0-10), 14(1-3), 40/15(1-11), और 40/7(1-1), स्थापित-एरीया ग्राम-नागली पूना, दिल्ली।

स्**धीर चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>ो</sup>ज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीस : 6-1-1983

म:हर :

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं. आर्द. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर. -2/5-82/7301—अतः मूक्ते, सुधीर चन्द्रा, अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे

इसके परवात् 'उका स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रतीन नशम प्रशिकारों को, पर्विस्मान करा का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिनका उत्ति ग्रावार मूल्य 25.000'-

इपए से प्रक्रिक है।

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल सक्त प्रतिकल सं एसे दश्यमान प्रतिकल सक्त प्रतिकल में प्रशिक्त है और अन्तरण (पन्तरकों) प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित होया ग उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रम्य आंस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या श्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिनाने में मुक्किया के लिए।

बतः बन, उक्त प्रक्षितियम की बारा 269-ग के, धनुबरण ं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्तिस व्यक्तियों, वर्षात्:——  श्री हरी चन्द और श्री मिर सिंह दोनों सुप्त्रगण श्री माम चन्द निवासी-नागली पुना, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती द्रोपता दंवी
पत्नी श्री हरी राम गरोरा
निथासी-सी-4/1, मेन रांड, वजीर पूर,
इण्डस्ट्रीयल एरीया, दिल्ली-52 ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारा हरत पूर्जीन सम्मति के **मर्जन** के लिए सार्यवाहियां मुख्य करता है।

उन्त सम्मति के अर्बन हे सम्बन्ध में कोई मो आभीन :--

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के मोतर पूर्वीका काकिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूत्रता के राजात ने प्रकाशन की तातीख । 45 दिन के भीतर उका स्वावर सम्पत्ति में हिनबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगें।

स्वश्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रीट पड़ों हा, जो उक्त श्रीध-नियम के झरुयाय 20-क में परिमाणित है, वही चर्च होगा, जो उन प्रकार में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि ताक्षावी 6 वीधं और 14 बिश्दे, खसरा नं. 40/13~(0-10), 40/14~(1-0), 40/15~(0-9), 40/16~(2-3), 40/17~(2-0) और 40/18~(0-12), स्थापित-ग्राम-नांगली पुना, दिल्ली।

सूधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नर्झ विल्ली- 110002

तारीख : 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, 6 जनवरी 1983

निर्देश सं आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-82/7300--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भृमि है तथा जो ग्राम-नांगली पूना, विल्ली मे स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री वीर भान सुपुत्र श्री घरनजीत,
 श्री मांग्ये सुपुत्र श्री सरूप सिंह,
 निवासी-ग्राम-नांगली पूना,
 दिल्ली।
 अटानी श्री श्रीचन्द सुपुत्र श्री सुन्दर लाल निवासी-ग्राम-नांगली पूना,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राधा मल सुपुत्र वाधु मल निवासी-1216, बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को। यह स्चना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे और 14 बिदले, खसरा नं 40/6(1-16) , 40/7 (3-15) और 40/8 (1-3) , एरीया ग्राम-नांगली पूना, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्हा दिल्ली- 110002

तारी**स** : 6-1-1983

म∤हर :

# प्रकप भाई। टी। एन। एस।

# आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीम सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/5-82/7341—अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, ग्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ग्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-करौदा, मजरा बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

(1908 का 16) के अधान, तिरास मई, 1982 को पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्नरण में दूउ कियी प्राय की बाबत, खक्त पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने वाजससे वचने में सुविधा के शिष्; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अस्य भारितयों को, जिस्हें भारतीय भायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धातयम, या धनकर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- भी एस इन्दरजीत सिंह सूपुत्र एस तरलाचन सिंह, निवासी-क्वाटर नं ए-9, टाइप 'सी' ओल्ड पोलिस लाइन, दिल्ली-54 ।

(अन्तरक)

 मास्टर रोहित पी. रोयल (नाबालिक) स्पृत्र श्री वेद प्रकाश गोयल बिवासी-45/2, द माल, दिल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक **मर्जन** के **किए कार्यवाहियां कर**ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के प्रम्बन्ध में काई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबिद्ध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी खत्य व्यक्ति द्वारा अर्थोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दां और पर्वो का, जो सकत अधिनियम के घट्याय-20क में परिभाषित है, यही प्रश्ने होगा को सम घट्याय में दिया क्या है।

# मनुस्की

भूमि तादावी 9 बीघे जिले 12 बिश्वे, खसरा नं. 5/19 (4-16) और 5/22 (4-16), स्थापित-ग्राम-भरौदा,मजरा बुरारी, दिल्ली।

सूधीर **चन्द्रा** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ विल्ली- 110002

ता्रीख : 4-1-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नइंदिल्ली नइंदिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्यू/2/एस. आर.-2/5-82/7350—अत: मुफ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम-नांगली सकावती, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखिम में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबस, उक्त श्रीवित्यम के ग्रधीन कर देने के मस्तरक क दायिस्त्र में कमी करने या उससे बर्भने में पुविधा के लिए; और√या
- (का) ऐसी किनी भ्राय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

धनः धन, उक्त धिविनयम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री नका सिंह सूप्त श्री रतन, निवासी-ग्राम-नागली सकावती, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हजारी लाल सुपूत्र श्री राम चन्दर शर्मा, निवासी-आर.-273/एस, धरमपुरा कालोनी, नजफगढ़, नई दिली-43 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के िसए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्क्ष्यवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ताक्षावी 1/5 भाग हिस्से टांटल भूमि 26 बीघे, 13 बिश्वे, स्थापित-ग्राम-नांगली सकावती, विल्ली।

सूधीर धन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, दिल्ली, नर्इ दिल्ली- 110002

तारीख: 4-1-1983

महिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण)
अर्जन रंज-2, नर्ह दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/ 5-82/7351--अतः म्भे, स्धीर चन्द्रो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /-रत. सं अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नांगली सक्रायती, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सुची में और पूर्ण म्ब्प संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्री प्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई िकासी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री सुबे सिंह सुपुत्र श्री रतन, निवासी-ग्राम-नांगली सकावती, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हजारी लाल शर्मा स्पृत्र श्री राम चन्दर शर्मा निवासी-आर -273-एस , धरमपुरा कालोनी , नजफगढ़, नई दिल्ली-43

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अयिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

1/5 हिस्से टाटेल भूमि ताबादी 26 बीघे, 13 बिस्बे, स्थापित ग्राम-नांगली सकावती, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्रक्षिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, दिल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

तारीच : 4-1-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस. आर.-2/5-82/7403---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-टीकरी कर्ला, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या नस्य नास्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर कीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री राम फल स्पूत्र श्री राम मरूप, निवासी-ग्राम टीकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री के एस राजपाल, निवासी-27-नार्थ-वेस्ट एवन्यू, पंजीबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकेंगे।

स्मव्यक्तिस्म:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

# अभृस्ची

कृषि भूमि तादावी 6 बीघे 8 बिस्वे, ससरा नं. 31/2 (4 बीघे 2 बिह्वे), खसरा नं. 3/2 (2 बीघे 6 बिह्वे), स्थापित-ग्राम-टिकारी कलां, दिल्ली।

सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, विल्ली, नह दिल्ली-110002

तारीख : 4-1-1983

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (१) के श्रामीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्श दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निद्या सं. आई. ए. सी./एलयू./2/एस. आर.-2/5-82/7423—अतः मुके, सुधीर चन्द्रा, प्रायकर प्रकित्यपः 1981 (1981का 48) (क्यि इसमें इसके पण्चात् 'अक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 289-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. ए-35-ए हैं तथा जो न्यू म्लतान नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

के अथान, ताराख मह, 1982
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफक्ष के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्मह प्रतिणत
से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो
(अस्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में
वास्तरिक इस में किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---9---476 GI/82

 वी मुलतान को-अप हाउस विकिटन सोसायटी न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री जगदीश चन्दर गुप्ता सूपुत्र श्री लक्ष्मी नरायण गुप्ता, निवासी-बी-3/10, पश्चिम बिहार, नई विल्ली-63।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

## अगस ची

प्लाट नं. ए-35, न्यू मुलतान नगर, विल्ली ससरा नं. 1/16, ग्राम-ज्वाला हरी, दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता्री**स** : 28-12-1<mark>982</mark>

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्इ. ए.सी./एक्यू./2/एस.आर.-2/ 5-82/7440--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् '**उक्तः अ**धिनियम' कहा गया **ह**"), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक ही और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जे ग्राम-घेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारी के कार्यालय, नर्दा दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य संकम के उदयमान् श्रिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के यीच एसे अंतरण के जिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से विभिन्न नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---  श्री संजन सिंह सपुत्र श्री माम धन्द, निवासी-ग्राम और पो. घेवरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री आम प्रकाश बफलानी,
 श्री किशारी लाल बफलानी,
 श्रीम लाल बफलानी,
 श्री सुभाष चन्द बफलानी और वेद प्रकाश सुप्तराण स्व. श्री इंटिकर दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में . विका गया हैं।

# अनुसूची

भूमि ताबादी 8 बीधे, लसरा नं. 56/7/3 (2-2), 13/2, (2-4), 14/1 (3-14), स्थापित-ग्राम घेवरा, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा गक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

नारीस : 4-1-1983

प्रस्प० भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

निर्वोश सं आर्इ. ए. सी /एक्यू / 2/एस .-आर .-2/5-82/7442--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है आरि जिसकी सं 31, रंड नं 43 है तथा जो पंजाबी वांग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्इ, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास धारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रचित बाजार मुरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है भौर धस्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्नसिका

**उद्दे**ण्य से उनत जन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित

नहीं किया चया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया जा या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

नतः सब उन्तं अभिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निस्नतिश्वत व्यक्तियों, अभौत् :---

- श्रीमती चालती वंवी
  पत्नी श्री रणधीर सिंह दाबास
  निवासी-ग्राम-और पो. कुलताना,
  तहसील-फाफर, जिला रोहतक ।
  वह स्थयं और अभिभावक, उसके दो नाबालिक सुपृत्र,
  (अन्तरक)
- श्री रमेश कृमार बंसल और सुनील कृमार बंसल सुपृत्रगण श्री श्रीराम बंसल, निवासी-19/43, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

हो यह सूचना नारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्राजैन के लिए कार्यवाहियां भूक भारता है।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रास्त्रेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 हिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान को तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं. 31, रोड नं. 43, तादादी 277 8 वर्ग गज, वर्ग-'सी' पंजाबी बाग, एरोगा ग्राम-मादीपुर, विल्ली राज्य विल्ली।

> सूधीर चन्द्रा प्रक्षम, श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीब : 30-12-1982

मोहर 🗓

प्रकृष कार्युः टी. प्रमृत् प्रस् कार्यान्य

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्इ दिल्ली

नर्ड विल्ली, दिनांक 24 विसम्बर 1982

निर्मा सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/5-82/7437—अत: मुक्ते, सुधीर जन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिल्ला बाजार मुख्य

25,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. जे-9/37, है तथा जो राजोरी गार्डोन, नर्झ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्झ 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँड/बा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 श्री निवन कुमार साहनी सुपुत्र श्री दिवान बलदेव राज साहनी, निवासी जे-9/37 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री आर. ए. नागपाल सूपुत्र श्री ज्ञान चन्द नागपाल श्रीमती रन्जना पागपाल पत्नी श्री आर. ए. नागपाल निवास-37-ए, डी.डी.ए. प्लेट्स राजोरी गार्डोन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरिता के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

प्रो. नं. जे-9/37, तादादी 484.4/10 वर्गगज, राजोरी गार्डेन, एरीया ग्राम-ततारपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

स्थीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नहीं दिल्ली-110002

त्रील : 24-12-1982

प्ररूप बाई. टी. एत. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-2, नई विल्ली

नर्क दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्दोश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/5-82/7431---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के संधीन सभाम प्राधिकारी की, सह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/हु. से अधिक है

और जिसकी सं 284 ब्लाक-बी है तथा जो राजोरी गार्डोन, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मही 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत एकत बिंबिन नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी याय ना किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, भी उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री राम अवतार नागपाल सुपृत्र श्री ज्ञान चन्द नागपाल श्रीमती रन्जना नागपाल पस्नी श्री राम अवतार नाग-पाल निवासी-37-ए (एस-आई-ओ) राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री के लाल सुपृत्र श्री राम लाल निवासी-3918 गली शाहतारा, अजमेरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविषय में पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्थी

प्लाट नं. 248, ब्लाक बी, (बी/248), तावाबी 239 वर्ग- गज, निवासीय कालोनी राजोरी गार्डेन, एरीया ग्राम-ततारपूर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

स्भीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन राज-2, नई दिल्ली-110002

तारीब : 24-12-1982

प्रस्कर आर्ड टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त निरीक्षण अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निवर्षा सं. आइं.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/5-82/ 7349---अतः मुभ्ते, सुभीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 21/43, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982

के अधान, ताराख मह 1982 की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गमा प्रतिपाल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विधा के लिए;

- श्री नरोद सिंह चढ़ा सुपुत्र श्री बीस्ट सिंह, निजासी-21/43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)
  2. श्री देव करन गर्ग सूपूत्र स्व. श्री पन्ना लाल गर्ग,
  निवासी-250 भाडल टाउन, हिस्सार, (हरियाणा)।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सुम्पृतित के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं. नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्रोः नं. 21/43, ताबादी 277.08 वर्गगज, स्थापित पंजाबी बाग, एरीया - माधीपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहाँ दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयसर आयक्क (निरीक्षण) अर्जर रॉज, रोहतक रोहतक, िसांक 10 जनवरी 1983

निद<sup>क्ष</sup>श सं. पानीपत $\sqrt{56/82-83}$ —अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जसीन 29 कनाल 5 मरला है तथा जो जन्मीला मो स्थित है (और इससे त्रशबद्ध अन्यूची मों और पूर्ण रूप सं विधित है), रिजिस्तिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत मो रिजिस्ट्विकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील गई, 1982

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री प्रिय नर्त पुत्र भून्शी पुज सोहल् ग्रा। डा.-बन्झीला, पानीपत्त ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री मानक चन्द पृत्र रायजादा
  - (2) श्री चन्द्र जैन पृत्र राय बहादार लक्ष्मी खन्द जैन म. नं. 747, वार्ड नं. 11, पानीपत। (अन्तरिती)
  - (3) मूरोन्द्र कुमार पुत्र शीतल दास जैन निवासी मं नं 90, वार्ड नं 4, पुत्र जीया लाल जैन पानीपत ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किगी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्यी

सम्पत्ति जमीन 29 कनाल 5 मरला, ग्राम बन्फारेला व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्री संख्या 1332 दिनांक 28-5-82 में रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहसक

तारां**ख** : 19-1-1983

म∶हर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन राज, राहतक

रोहनक, दिनांक 19 जनवरी 1983

निद्येश सं. पानीपत/38/82-83--अतः मूक्षे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ज्योन 3 बीघा, 19 विस्था है तथा जो तरफ इन्सार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, णनीपन में रिजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:—

- 1. (1) हरभजन सिंह एव रजनन्त सिंह पुत्र हरनाम सिंह
  - (2) बल्बीर काँर माता सुरत सिंह पुत्र रजवन्त सिंह
  - (3) बलविन्दर सिंह पृत्र रजवन्त सिंह भारफत रजन्दत सिंह, पानीपत ।

(अन्तरक)

 में नवीन भारत बुलन एण्ड काटन इण्डस्ट्रीज पानीपत मारफत मुकेश कुमार पुत्र पद्म सैन पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यन्त्र्ची

सम्पत्ति जमीन 3 बीघा, 19 बिस्वा, तरफ इन्सार, पानीपत व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्री संख्या 832, दिनांक 5-5-1982 रजिस्ट्रीकर्सा पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीच : 19-1-1983

महिंद

प्ररूप बार्डं टी. एन. एस.

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनांक 19 जनवरी 1983

निवंश सं. पानीपत/146/8-83—-अतः मू%, आर. के भयाना,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत नाजार मृल्य 25,000/ रा. से निधक हैं

और जिसकी सं जमीन 1 बीघा, 10 बिस्वा है तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई 1982

को पूर्वो कर संपित्स के जिस्त नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का जिस्त बाजार मृल्य जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जकत अन्तरण निस्तित में वास्तीवक स्पू से का अत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त, जिम्मिन के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के तिहा, ज़ौर/बा
- (ख) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री बलिन्बर सिंह पुत्र रजवन्त सिंह पुत्र हरनाम सिंह मारफत रजवन्त सिंह पानीपत।

(अन्तरक)

2. मैं. नवीन भारत बुलन एण्ड काटन इण्डस्ट्रीज पानीपत माफत श्री मुकेश कुमार पुत्र पदम सैन पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथीं क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाशेप्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 1 बीघा, 10 बिस्वा, जो कि तरफ इन्सार में है व जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्रीसंख्या 801, विनांक 4-5-1982 रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीम : 19-1-1983

महिर:

प्ररूप आई, टी. एन. एस. ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, विनांक 19 जनवरी 1983

निदंश मं. पानीपत/47/82-83—अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उयत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसको सं. जमीन 2 बीवं, 8 बिस्कं, 9 बिसवानी है तथा र. तरफ इन्सार पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीस मर्च 1982

को पृत्रों यस संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक इप से किथा गया है:---

- (क) अलारण में हुई किसी आयं की बाबत, उक्त मिनियम, से अभीन कर दोने के अन्तरक कें वाधित्य में कमी करने था उसमें बचने में मृजिधा कें लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुख्यत के लिए;

असः अधः, **अक्तः विधिनियम की धारा** 269-ग को अन्सरण मा, मौ जनतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) को कथीन निम्नलि**सिस व्य**क्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री जगदीश प्रशास पुत्र रती राम पुत्र तीरखा राम वार्ड नं 11, पानीपता।

(अन्तरक)

 मैं क्वेबल कृष्ण महिरा टैक्सटाई न मिलस 1/5 घी मण्डी गेट, अमृतसर मारफत श्री क्वेबल कृष्ण मंहरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितित्यों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकासन की शारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति स्थारा वधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जां सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, जे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

# अनुसूची

समपत्ति जमीन 2 बीधा, 8 बिस्वा, 9 बिस्वानी, तरफ इन्सार में जिसका अन्य वियरण रिजस्ट्रीमंख्या 1203, दिनांक 4-5-1982 रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

**वारीस : 19-1-1983** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यास्य, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहसक

राहतक, दिनांक 19 जनवरी 1983

निव श सं. पानीपत/48/82-83--अतः मूक्ते, आर. के. भयाना.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ से अधिक है

25,000/- रि. स जायक हु और जिसकी सं. जमीन 2 बीघा, 8 बिसवा, 9 बिसवानी हैं तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मह 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण निम्नलिखित उद्देश से उद्देश अन्तरण निम्नलिखत के बारी किया क्या है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जबः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री देवीराम
पुत्र चिरन्श्री लाल
पुत्र श्री मलसान उपनाम हीरा लाल
वार्ड नं. 11, पानीपत ।

(अन्तरक)

2. मै. केवल कृष्ण मेहरा टौक्सटाईल मिल्स 1/5, घी मण्डी गेट, अमृतसर। मारफत केवल कृष्ण मेहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई शक्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबप्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पाक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्की

सम्पत्ति जमीन 2 बीधा, 8 बिसवा, 9 बिसवानी, तरफ इन्सार, पानीपत में व जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री संस्था 1205, दिनांक 24-5-1982 रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहावक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

तारी**व** : 19-1-19**83** 

मोद्धर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जनवरी 1983

निदोश सं. पानीपत/49/82-83---अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जमीन 2 बीघा, 8 बिसवा, 9 बिसवानी हैं तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकार्जिशिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मर्ड 1982

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरातियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ओभप्रकाश
पुत्र रतीराम
पुत्र तीरसा राम
वार्ज नं 11, पानीपत ।

(अन्तरक)

 मैं. केवल कृष्ण मेहरा टौक्सटाईल मिल्स 1/5, भी मण्डी गेंट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के ए.स लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हाँ।

# अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 बीघा, 8 बिसवा, 9 बिसवानी, तरफ इन्सार, पानीपत व जिसका अन्य विवरण राजिस्ट्रीसंख्या 1206, दिनांक 24-5-1982 रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

सारी**स** : 19-1-1983

मोहर ः

### प्रारूप भाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, धिनांक 18 जनवरी 1983

निद्येश सं. करनाल /13/82-83—अतः मुभ्ते, आर. के. वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत, से अधिक **ह**ै और जिसकी सं कोठी नं . 490 है तथा जो माइल टाउजन, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982 का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबस उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती हरवन्स कौर विधवा मुकन्द सिंह मकान नं. 40, माडल टाउजन, करनाल।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री जीले सिंह पुत्र सरदार सिंह
  - (2) श्री प्रेम सिंह पुत्र भोलाराम
  - (3) श्रीमती परम्हेक्वरी बोबी पत्नी अंग्रेज सिंह श्री पृथ्वा राज नागपाल पुत्र लीलाधन श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री अमर नाथ निवासी-196, प्रेम नगर, करनाल
  - (6)श्री नत्थू राम पुत्र कौरा राम मकान नं. 33, काछवा रोड, राम नगर, करनाल
  - (7) भूपिन्द्र सिंह पूत्र श्री दलवीर सिंह श्रेम नगर, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा हैं।

### पनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं 490, माडल टाउनन, करनाल व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्री संख्या 995, दिनांक 31-5-82 में रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय करनाल में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक द्यायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहेसक

स**्रीख** : 18-1-1983

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 जनवरी 1983

निद्देश सं. पानीपत/131/82-83--अतः मुर्फे, आर. के. भयाना, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. इण्डस्ट्रीयल प्लाट 1.171 एक इ. व. सेड हैं तथा जो पानीपत में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्द, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्मित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के स्थीन निम्नीस्थित स्मृतितयों, स्थात —

- (1) श्री मथुरा दास आहुजा
   पुत्र श्री टीकन लाल आहुजा
  - (2) श्री जितन्द्र कुमार आहुजा पुत्र श्री मधुरा दास आहुजा निवासी-207, ब्लाक-डी., मल्टी स्टोरी अपार्टमेन्ट, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री रघबर दयाल पुत्र लखी राम
  - (2) श्री विनोद कुमार पुत्र लखी राम
  - (3) श्रीमसी वर्शाना दोवी पत्नी लखीराम
  - (4) श्रीमती कश्मीरी लाल पुत्र नेकी राम
  - (5) श्री सुभाष चन्द्र, नरश क्यार, महिन लाल पुत्रान करमीरी लाल

(अन्तरिती)

(6) श्री इंप्लर जन्द, राम निवास, राधे रयाम पूत्रान कली राम भारफत--मुसदी लाल नेकी राम, आढ़ती, सफीदी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां घूरू करता हूं।

उथत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास निकित में किए जा सकरेंगे।

स्वद्धिकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

#### जनस्थी

सम्पत्ति प्लाट नं. ई-10, 1.171 एकड़ जिसमें शैंड जो इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत में जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री-संस्था 1072, दिनांक 14-5-1982 रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 18-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 जनवरी 1983

निदंश सं. हिसार/25/82-83--अतः म्झे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 139 है, तथा जो माडल टाउन, हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को को जिल्हों भारतीय अप-न्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हों स्वाप्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हरीश चन्द्र टण्डन पृत्र श्री फकीर चन्द्र टण्डन, श्री फकीर चन्द्र पृत्र श्री लाल चन्द्र टण्डन, निवासी 3029, काजीवाड़ा, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री मुरारी लाल,
 श्री गोपाल रॉम पुत्रान
 श्री परमानन्द,
 निवासी अन्दर रितया गेट,
 फतेहाबाद, जिला हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हां।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति म्लाट नं. 139 जो कि माडल टाउनन, हिसार में स्थित है और जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री संख्या 730 दिनांक 25-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता, हिसार के कार्यालय में दिया हुआ है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 20-1-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक रोहतक, दिनांक 21 जनवरी 1983

निवंश सं. हिसार/27/82-83--

अतः मुझे, आर. के. भयाना,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जुकत अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः से अधिक **है** 

और जिसकी सं. जमीन 7 कनाल, 1 मरला है, तथा जो मैयर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मईं, 1982

को पर्वाक्त संपर्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रिक्वफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आ अस्या किसी धन या अन्य आस्तियों । को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्तिशिक्त न्यन्तियों, अर्थातु :---

1. श्री प्रताप सिंह पुत्र श्रीसादी, श्रीमती लोडी देवी पत्री श्री सादी, निवासी ग्रा. व डा. मैयर।

(अन्सरक)

2. श्रीहुक्स चन्द पूत्र श्री होत्राम, मारफत विष्णु देवी, निवासी जनाना हस्पताल, मोरी गेट, हिसार।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुशारा अधिक्रस्ताक्षरी के पास लिसित में किए बा सकोंगे।

ल्यक्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति जमान ७ कनाल, १ मरला, ग्राम मैयर, जो रिजस्द्री संख्या 765 दिनांक 26-5-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता, हिसार के कार्या-. लय में वियाह आहै।

> अंदि. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीस : 21-1-1983

मोहर 👃

प्रकृष **आह**े. टी. एन् . **एस**्ननन्न-नन्न-

भायक्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 जनवरी 1983

ि निविश सं. पलवल/3/82-83---अतः मुझे, आर. के. भयागा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं जमीन 1/4 हिस्सा, 10 कनाल, 16 मरला व सैंड है, तथा जो आलप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलवल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण तिश्वत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उस्त कींध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिया के द्विष्; भौर/वा
- (क) एसी किसी आग वा किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

 श्रीमती उपा चोपड़ा विधवा श्री राजेन्द्रनाथ, निवासी मकान नं. 53, सैक्टर-16, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महमुना बेगम पत्नी श्री मोहमद हुसन, निवासी बी-8, निजामुद्द्यीन वैस्ट, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत में प्रकाशन की ताड़ी हैं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-भव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# मन्स्यी

सम्पत्ति 1/4 हिस्सा, अमीन 10 क., 16 मरना व सैंड जो कि ग्राम आनपुर में स्थित व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्री संख्या 335 दिनांक 20-5-82 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पलवल में विया हुआ है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र*े*ज, रा**हतक** 

तारीख: 21-1-1983

मोहर 🕄

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, रोहतक

रहितक, दिनांक 21 अनवरी 1983

निद्येश सं. पलयल/4/82-83—अतः मुझे, आर. के. भयाना,
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिमकी सं. जमीन 1/4 हिस्सा, 10 कनाल, 16 मरला

और जिसकी सं. जमीन 1/4 हिस्सा, 10 कनाल, 16 मरला क सेंड हो, तथा जो आलप्र में स्थित हो (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलवल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जारीस मर्ड. 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल में, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिकत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के समिथा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती शीक्षा देवी पत्नी
श्री गुरदिता राम पुत्र
श्री रिक्षो राम, निवासी
सी/11/सी/12/174, जनकपुरी,
नर्ष दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती महमुना बेगम पत्नी श्री मोहमद हु सैन, निवासी बी-8, निजामुब्बीन वैस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### अनुसूची

सम्पत्ति 1/4 हिस्सा, जमीन 10 क., 16 मरला व सैंड जे िल ग्राम आलपुर में स्थित है व जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री संख्या 336 दिनांक 20-5-82 में रिजस्ट्रीकर्त्ता, पलवल के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरो**क्षण)** अर्जन र**ेज, रोह**तक

तारील : 21-1-1983

# प्ररूप धाई • टी • एन • एस • —

आयकर धिकिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 21 जनवरी 1983

निषंश सं. पलवल/11/82-83--

अतः मुझे, आर. के. भयाना, शायकर प्रशिविषय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उन्त प्रशिविषय' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्राधीय प्रश्वास प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर संपत्ति जिसका खिवत बाजार मूस्य 25,000/- ६० से स्वायक है

आर जिसकी सं. संपत्ति 1/2 हिस्सा, 10 कनाल, 16 मरला व सैंड है, तथा जो आलपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलवल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है। पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय प्रया गया प्रतिफल किम्म्बिक्त उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कृष्य नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिबि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी -करने या उससे बचने में युविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या ि े धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविका के सिए;

अति: असे, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री तुलसाराम पृत्र
 श्री रिझू राम, निवासी
 112-ए, न्यू कालोनी,
 गुडुगार्वा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महमुना बेगम पत्नी श्री मोहम्मद हुनौन, निवासी बी-8, निजामुब्दीन वैस्ट, नर्द दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ड पूर्वीका सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वध्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदीं का, जो उक्त प्रधिनियम के प्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमुस्ची

सम्पत्ति 1/2 हिस्सा, जमीन 10 कनाल, 16 मरला व सैंड ग्राम अलापुर में स्थित है व जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री संख्या 365 दिनांक 20-5-82 में रिजस्ट्रीकर्त्ता, पलवल के कार्यालय में दिया हुआ है।

आर. के. भयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीस : 21-1-1983

मोहर 👙

# प्रकृप नाइ<sup>क</sup>्, टी. एन्.न <u>एस. -----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

राहितक, दिनांक 21 जनवरी 1983

निद्येष सं. पानीपत/147/82-83--

अतः मुझे, आर. के. भयाना,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसको मं जमीन 2 विघा, 8 विसवा, 9 विसवानी है, तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुउ किसी जाय की बाबस, उन्नस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे ज्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आरिसयों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, मुन्ति क्ष्र— ा श्री अरिहन्स कुमार पृत्र श्री ज्योती प्रसाद, निवासी वार्ड नं 4, पानीपत

(अन्तरक)

 श्री विनोव क्यार पृत्र श्री सूरत राम पृत्र श्री जगन नाथ, निवासी मकान नं . 393, वार्ड नं . 11, पानीपत ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख्यू-कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप <del>अपन</del>्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

#### अन्सूत्री

सम्पत्ति जमीन तरफ इन्सार, पानीपत में य जिसका अन्य विवरण रिजस्ट्री संख्या 1152 दिनांक 22-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में विया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज, रोहर्तक

तारीख : 21-1-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

रांहतक, दिनांक 21 जनवरी 1983

निवंश सं. पानीपत/148/82-83--

अतः मुझे, आर. के. भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन 2 विका, 8 विसवा, 9 विसवानी है, तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में विभिन्न हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, राहीच मर्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिख्त उद्योध्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किशी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री अरिहन्त क्रमार पृत्र श्री ज्योती प्रसाद, पृत्र श्री मंगल सैन, निवासी वार्ड नं 4, पानीपत

(अन्तरक)

 श्री शक्तुंतला देवी पत्नी श्री सुरत सिंह पुत्र श्री जगन नाथ, निवासी मकान नं 393, वार्ड नं 6, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्रण्डिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 बीघा, 8 बिग्वा व विस्थानी तरफ इन्सार, पानीपत में व जिसका अन्य विवरण रजिस्ट्री संख्या 1153 दिनांक 22-5-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता, पानीपत के कार्यालय में विया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिका**री** सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, रोहतक

तारीख: 21-1-1983

माहर :

प्ररूप आहर्र. दी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, विनांक 21 जनवरी 1983

निव श सं पानीपत/149/82-83---न्यतः म्झे, आर. के. भयाना, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕-रतः से अपीधक ह<sup>3</sup> और जिसकी सं. जमीन 2 बिघा, 8 बिसवा, 9 बिसवानी है, तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्द, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मिना को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्ष्ण अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---  श्री अरिहन्त कुमार पृत्र श्री ज्याती प्रसाद जैन, पृत्र श्री मंगल सैन, निवासी वार्ड नं. 4, पानीपत

(अन्तरक)

 श्रीमती हीरा देवी पत्नी श्री सतीश कामार पृत्र श्री सूरत राम, निवासी मकान नं. 393, बार्ड नं. 6,, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अमुस्ची

भूमि जो कि 2 बीघा 8 बिस्वा, 9 बिसवानी जोकि तरफ इन्सार, में स्थित है जिस अधिक निवरण र जिस्ट्री संख्या 1153 दिनांक 22-5-82 र जिस्ट्रीकर्त्ता, पानीपत के कार्यालय में दिया हुआ है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीब : 21-1-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हौवराबाद

हैं बराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निविश सं. आर. ये. सी. नं. 362/82-83---यतः मुझे, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. यस. नं. 26 है, तथा जो मुदासरलोवा, विशासापटनम् में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशासापटनम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का जिवत बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जिवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:----

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत धक्स अधिनियम के भद्यीन कर देने के अध्ययक के दाविश्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बण्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में मुविधा के सिए।

धतः शबः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के श्रमुसरव वें: में, चक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्षित्यों, श्रयांत्  श्री जी सत्यनारायणाराजू पिता श्री जी नारायणराजू, निवासी सीतम्मापेटा आजार, विज्ञासायटनम्।

(अन्सरक)

 दी डांक्टरस् की-आपरेटीव्ह हाउन्स बील्डींग सोमायटी लि. रजीस्टर्ड नं. 1541, बाइ सेक्टेरी, श्रीपी. रामाराव, विशासापटनम्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चार्डी क्युंचे पूर्वीक्त स्पिरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

खूली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेन्टस्, मुदासरलोवा गांव, विशासापटनम्, आर. यस. नं. 26, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 5353/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विशासापटनम्।

एम . जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

**क्षारीख** : 31-12-1982

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निवश सं. आर. ये. मी. नं. 363/82-83--यतः मुझे, एम. जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं 12-17-21 है, तथा जो आयंपूरम, राजमंड्री में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्दा, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती ए. सीतामहालदनी पति
   श्री गोशाचलम,
  - (2) क्र. ए. करुणा पालक और माला, श्रीमती सीनामहालक्ष्मी, निवासी आर्यपुरस्, राजमङ्गी।

(अन्तरक)

2. श्री जे. वेन्कटरेवर राव पिता श्री शेषाआवतारम्, निवासी बंडारुवारी स्ट्रीट, राजमंड्री। राजमंड्री।

(अन्तरिती)

.को <mark>यह सूचना जारी करके</mark> पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति, घर नं 12-17-21, आर्यप्रम्, राजमंड्री, जमीन विस्तीर्ण 285 ची गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3898/82 रजिस्ट्रीकृता अधिकारी, राजमुन्द्री।

एम. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीदराबाद

तारीच : 31-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निदर्भा सं. आर. ये. सी. नं. 364/82-83--यतः मुफ्ते,, एम. जोगन मोहन,

भायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उकत भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निरमान करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-धपए से भिधक है

और जिसकी सं. यस. नं. 26 है, जो मुदामण्यांवा विकासा-पटनम मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजब्दीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, विकासापटनम मों भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 9108 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूजी यह विश्वास करने का कारण है कि गंधापूर्वीका लंगींग है। उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रही प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक अप से कालत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत जनत अधि-नियम के अधील कर देने के अग्यरक के बाविस्य मं कभी करने या उससे बचने में सविधा के बिए! भीर/था
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-12-476 GI/82

- श्रीमती जी. कमलाद'वी पत्नी श्री जी. सत्यना-रायणाराजू, सीतम्मापटा, बाजार, विकासापटनम। (अन्तरक)
- 2. दी डोक्टरस् हाऊस बील्डींग सांसाइटी लि. रिज-स्टर्ड नं 1541 बार्ड संक्रेटरी, श्री पी. रामाराव, विशासापटनमः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन क मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहरूताक्षरी के वास जिखित में किए जा सकेंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उनत् स्थापर संपत्ति में हित्यस्य किसी जन्म म्यस्ति प्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खूलि जमीन विस्तीर्ण 0.64 एकर, 25 सेटस्, मूदासर-लोवा गांव, विशासापटनम् ।

> एमः जेगन मो**हन** सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरं∖क्षण) अर्जन र्रज, हैदेराबाद

तारीख : 31-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निद<sup>े</sup>श नं. आर ये. सी. नं. 365/82-83---यतः मुफ्ते,, एम. जेगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. यस. नं. 26 है, जो मुदासरजोता विशाखा-पटनम् में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, विशाखापटनम में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्इ 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेष्ट्रिय से उच्चत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——  श्री जी व्ही रवीराजू पिता श्री जो अत्यनारायणा-राजू, सीतम्मापेट बाजार, विज्ञाखाण्डनम्-16 (अन्तरक)

1904)

 दी डाक्टरस् को-आपरटेक्ट्रि बील्डी र सोसाइटी लि. रिजस्टर्ड नं. 1541 सेकेटरी, श्री पी. रामा-राव, विशालापटनस् ।

(।अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.64 एकर, 25 सेंटस्, मुदासर-लोवा गांव, विशासापटनम्, सर्वे नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5349/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशासापटनम् ।

> एम जोगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रज, हैवराबाद

तारीख : 31-12-1982

प्रस्प बाह्\*्टी. एन् . एस .,-------

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निद<sup>े</sup>श नं. आर ये. सी. नं. 366/82-83—यतः मुक्ते,, एम. जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं यस नं 26 है, जो मुबामरलोवा विश्वाखा-पटनम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वाखापटनम् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्झ, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्दृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

 श्री जी. बी. बेंकय्यम्मा पति श्री जी. गोंपालराज्, सीताम्मापेटा बांझार, वैकाक।

(अन्तरक)

2. दि डाकटरस् को आपरेटीव्ह हाऊज बिल्डींग सोसा-इटी लिमिटेंड, रिजस्टर्ड नं. 1541, बाइ सेके-टरी, श्री पी. रामाराव वैझाक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी शाक्षेप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी अं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्पी

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेंट्स मुकवासरलोवा गांव वैक्षाक, सर्वे नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5348/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक।

एम. जेयन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, हैदराबाद

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों , अधीत् :--

तारीख : 31-12-1982

प्र<del>रूप</del> आह<sup>र</sup>, टी. एन्. एस. +-----

नायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बाय्कर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निर्दोध नं. आर. यं. सी. नं. 367/82-83—यतः मुक्ते,, एम. जेगन मोहन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात (अक्त निष्मिम कहा गया है), की धारा 269-इ के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यसः नं 26 है, जो मुवासरलोवा वैझाक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्युत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साथित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए: और/या
- (वा) एसी किसी आय या िकसी धन था अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- श्री जी . रामकोष्णमराजू पिता श्री जी सत्यनारायण-राजू , सीतम्मापटा , बांकार , बैकाक। (अन्तरक)
- दि डांक्टर्स को-ऑपरेटोव्ह, हाऊजिबल्डोंग सोसा-इटी लि. नं. 1541 खाइ से केटरी, श्री पी. रामाराव, वैझाक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपल्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 पिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त हाती हा, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

खूली जमीन वितीर्ण 0.64.25 सेंटस्, मूदससरलोवा गांव वैद्याक, यस. नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5347/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैद्याक ।

एम. जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

तारीख : 31-12-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 31 दिसम्बर 1982

निद<sup> $\star$ </sup>श नं आर. ये सी नं 368/82-83—यतः मुक्ते, एम जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. यस. नं. 26 है, जो मुवासरलोवा दैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविध्यत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैद्याक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती के कूसूमकूमारी पिता श्री एम सस्य-नारायणराज्य प्रकाशरावपेटा, वैज्ञाक ।

(अन्तरक)

2. दि डाक्टर्स को-परंटोव्ह, हाउज्जिबिल्डींग सोसाइटी लि. नं. 1541, बाइ सेंक्टरी, श्री पी. रामाराव वैक्षाक ।

(।अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही !

#### अवसर्ची

खूली जमीन, विस्तीर्ण 0.64025 सेंटस, मूदासरलोवा गांद, वैद्याक, यस नं 26, रिजस्ट्रीकृतिवलेख नं 5346/ 82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैद्याक ।

> एम. जंगन मोहर सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, होदराबाद

तारीख : 31-12-1982

प्रस्य बाहै. टी. एन. एस.-----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निवर्षेक्ष नं. आर. ये. सी. नं. 369/82-83---यतः मुक्ते, एम. जेगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. नं. 26 है, जो मूदासरलोवा विशाखा-पटनम में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, विशाखापटनम, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

(1908 का 16) के जपान में, 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सूविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में सूविधा के सिए;

 श्री जी मूरलीकणाराजू पिता जी, सत्यनारायणा-राजू, सीतम्मषंटा बाझार वैझाक ।

(अन्तरक)

2. वि डाक्टर्स को-आपरोटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, रॉजस्टर्ड नं. 1541, बाइ सेक्रेटरी, श्री पी. रामाराय वैक्षाक।

(।अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मस्टीकरण:—हसमें प्रयूक्त शुक्यों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

खुली अमीन, विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस मुदासरलोभा गांव, वैशाक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5345/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाक ।

एम. जंगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निर्राक्षण), अर्जन रॉज, हैदेराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

के जभीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, नर्भात् ः--

तारील : 31-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निवर्षा नं. आर. ए. सी. नं. 370/82-83—यतः मुक्ते,, एम. जंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एसः नं 26 है, जो मूदासरलावा विशासा-पटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, यिशासापटनम, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से का भत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नामत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जी रामराज पिता जी. नारायणाराज, वैझाक-

(अन्सरक)

 वि डाक्टर्स को-आपोरंटिव हाउन्स बिल्डिंग सोसा-इटी लिमिटेड रिजस्टर्ड नं 1541, बाइ सेक्रे-टरी, श्री पी रामाराव वैद्याक। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुष्ची

सुली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेंट्स, मूचासरलोवा, गांव, वैझाक, सर्वो नं. 26, रीजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5344/ 82-83 रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज, होदराबाद

तारीख : 31-12-1982

प्ररूप आद्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्**व**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

निद<sup>े</sup>श नं. आरं. ये. सी. नं. 371/82-83—--यतः मझे, एमं. जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. यस. नं. 26 है, जो मूबामरलोवा वैशाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, वैझाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उर्थमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी लाग की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री के. रामादेवी पति लेट श्री के. वेंकटरमना राज् वैझाक ।

(अन्तरक)

 दि डाक्टर्स को-औपरेटीव्ह, हाउन्स बिल्डिंगि सोसा-इटी लिम्नं 1541, बाइ सेकेंटरी, श्री पी. समासव, वैझाक ।

(।अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस्, मृदासरलोगा गांव, वैझाक, सर्वें नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5343/82, रिजस्ट्रीकर्स अधिकारी वैझाक ।

एम . जोगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीख : 31-12-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निद<sup>क्ष</sup>शानं आर.ये.सी.नं. 372/82-83—स्यतः मुझे, एम. जोगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. यस. नं. 26, ही, जो मूदारसरलोवा, वैज्ञाक में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञाक, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिश्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी आव की वावत, उक्छ ऑशिनियन के कथीन कर दोने के अन्तरक के वाधिस्त्र में कमी करने या अससे व्यने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13—476 GI/82

 श्री जी. नारायणाराजू पिता श्री कृत्यनारायणाराजू सीतम्मापेटा, बाझाक-16 ।

(अन्तरक)

2. दि डाक्टर्स को-आपरोटीव्ह हाऊस बिल्डींग सोसा-इटी, लि. नं. 1541, बाह श्री पी. रामाराव सेकेटरी, वैशाक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाडी करके पृत्रों कत सम्मृतित के वर्षन के विष्

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कार्रीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुंबतः शब्यों और पर्वो का, जो उबता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नृता हैं।

#### अनुस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस, मुदासरलोवा गांव, विकाखापटनम, सर्वो नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5342/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक ।

एम जेगन मोहेन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीख: 3-1-1983

मोह∵र ः

श्रक्षः बाद्द्रीः एतः, एसः, -----

नायकर निपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्द<sup>4</sup>श नं. आर. ये. सी. नं. 373/82-83--यतः मुक्ते,, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यस नं 26 है, जो मुदारसरलोवा, वैझाक में स्थित है (और इससे एपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री जी. सूर्यनारायणाराजू पिता अपालानारायणराजू, सीतम्मापेटाबाक्षाक-16 ।

(अन्तरक)

 वि डाक्टर्स को-आपरेटोव्ह शांकस बिल्डी ग सोसा-इटी, लि. नं. 1541, बाइ श्री पी. यमायव, संफेटरी, वैक्षाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित्त में किए जा सकींगी।

स्यच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सूली जमीन, विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस, मृदासरलोवा गांव, वैक्षाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5350/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वैक्षाग ।

> एम. जोगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हॅंदराबाद

तारीख: 3-1-1983

प्रस्प आर्हे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निदोष सं. आर. ये. सी. नं. 374/82-83--यतः मुझे, एम. जोगन मोहनः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं यस नं 26 है, जो मृबासरलोवा, वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जी. रामकीष्णमराज पिता लेट नारायणराजू, सीतम्मापेटा, बाजार, वीमाक।(अन्तरक)

2. दि डाक्टर्स् को-आपरोटीव्ह हाजन बिल्डींग सोसाइटी लि. नं. 1541, बाइ श्री पी. रामाराव, सेंकेटरी, वैद्याक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सुली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस्, मुदारसलोवा, गांव, विकाखापटनम, यस. नं. 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5352/82, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी, वैद्याक ।

एम . जोगन मोहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैवराबाद

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निमन्ति जित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

तारील ७ 3-1-1983 मोहर ∄ प्ररूप वार्द्र्ी, एन , एस , =-----

मायकर भिक्रितियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रोधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 375/82-83—
यतः मृत्तो, एम. जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- रुपये से अधिक हैं
और जिसकी सं. यस. नं. 26 हैं, जो मृदासरलोवा, विशाखापटनम, स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्थ
से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचित वाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुश्य से उक्त अन्तर्ग लिखित में वास्तविक रूप से किया वास है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आयुकी बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे क्यने में सृतिधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री जी व्ही सूर्यनारायणाराज् पिता सत्यनारायणा-दाज्, सीताम्मापेटा बाजार, विकाखापटनम ।
   (अन्तरक)
- 2. दि डाक्टर्स् को-आपरोटीव्ह हाउन्स बिल्डींग सोसाइटी लि. नं. 1541, बाइ श्रीपी. रामाराव, सेंक्रेटरी, श्रीपी. रामाराव, विशाखापटनम्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के पाजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविश्व या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामीत से 30 दिन की खदिश, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ स्थित द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवनीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही थे महोगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बुली जमीन विस्तीर्ण 0.64.25 सेंटस्, मुदासरलोवा, गांव, विशाखापटनम, यस न 26, रिजस्ट्रीकृत विलेख न 5351/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बैझाक।

एमः जेगन मीहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैंदराबाद

तारीख 🕆 3-1-1983 मोहर 🖫 प्रारूप बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निद्देश सं. आर. ये. सी. नं. 376/82-83---यतः मुझे, एम. जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यस. नं. 26 है, जो मूदासरलोवा, विशाखा-पटनम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखा-पटनम, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों। अर्थात् ः—

- भी जी अन्तपूर्ना पिता भी जी सत्यानारायणाराज्, सीताम्मापेटा बाजार, वैक्षाक-16 ।
- 2. दि डाक्टर्स् को-आपरेटीव्ह हाउत्तस बिल्डींग सोसाइटी लि. नं. 1541, बाह श्री पी. रामाराव, से केटरी, वैद्याक ।

(अन्त∑रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शबदों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अमुसुची

सूली जमीन विरसीर्ण 0.64.25 सेंटटस्, मुदासरलोवा, गांव, वैझाक, सर्वे नं. 26, रॉजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 5341/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैझाक।

> एम . जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) वर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीब ः 3-1-1983 मोहर ःु प्ररूप आई.टी.एन्.एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाव

हैवराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निविध सं. आर. थे. सी. नं. 377/82-83--यतः मुझे, एमं. जेगन मोहन,
भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. 27-10-173 हैं, जो गव्हरनरपेटा, विजयवाडा, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णसे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा
में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और (अन्त्रकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कृषितृ नहीं किया ग्या है:---

- (क) अनुसर्ण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुस्क के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के हिसए।

जतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उन्धारा (1) के सुधीन निम्नलिमित स्पृक्तियों, अर्थात हिन्स

- 1. श्रीमित यस जयप्रदा पति बालक्रीण्णा, प्लाट नं . 18, इंदौरा कालोनी, हैंदराबाद । (अन्तरक)
- श्री टी. व्ही. हान्मंतराव पिता जीना रामच्या, गव्हरनरपेटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के सूर्णन के हैल्ए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

घर संपती घर नं. 27-10-173, गव्हरनरपेटा, मृनीसीपाल वार्ड नं. 27, रवेन्यू वार्ड नं. 9, ब्लाक नं. 3, टी. यस. नं. 226, असंसमेंट नं. 20132-ए, विस्तीण 44 पी. गज. रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4058/82, रिजस्ट्रीकृता अधिकारी विजयवाडा ।

एम . जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हैंदराबाद

तारी**ख** हो 3-1-1983 मोहर 🗓 प्ररूप आई .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, विनांक 3 जनवरी 1983

निद्येष नं. आर. मे. सी. नं. 378/82-83—-यतः मृझो, एम. जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं जो गुल्यकी में 27-10-173 है जो गुल्यकी स्थावर विज्या-

और जिसकी सं. 27-10-173 है, जो गव्हरनपेट, विजय-वाड़ा स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीस मई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती के सावित्री
पति रामचंद्रा राव
प्लाट नं . 66, ललीता नगर,
हौदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री टी. व्ही. हानुमंतराव पिता चीना रामय्या गव्हरनरपट, विजयवाङ्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए । कार्यनाहियां करता हुं।

# उनत सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थाबर सम्परित में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकोंगे।

#### वरसची

घर संपत्ति, घर नं. 27-10-173, गव्हरनरपेट, विजय-वाड़ा, विस्तीर्ण 50 घौ. गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4059/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

तारीख : 3-1-1983

प्रकृष् मार्च, टी., एन्., एव. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्बना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1983

निवर्षा नं आर ए सी नं 379/82-83—यतः मुझे, एम जोगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 25,000 राज्य से अधिक हैं

और जिसकी सं 27-10-173 है, जो गव्हरनपेट, विजय-वाड़ा स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के वधीन, तारील मई, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दूरवमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उत्तके दूरवमान प्रतिकत्त ते, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के किए तम पावा गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कीचत नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त सींभीनबस के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व सीं कसी करने या उत्तत्ते बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाज या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था किया अना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

सतः सब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्रीमती ए. विभता
पति प्रसाद राव, गृट्र और अन्य
तीन गव्हरनपेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्री टी. रन्ताश्रीनिवास पिता टी. व्ही हन् मेत्राव गव्हरनपटे, विजयवाड़ा, क्रीष्णा जीता।

(अन्तरिती)

्रे वह बुचना जारी करके पृत्रावित सम्मिति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरनः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्धों का, को उक्त विभिन्नमुं के बच्चाय 20-कं में परिभाषित हैं, बह्दी वर्ध होगा को उस बच्चाय में विया गया है।

# **म**म्स्ची

घर संपत्ति, घर नं. 27-10-173, गव्हरनपेटन विजय-धाड़ा, विस्तीर्ण 22 चौ. गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4047/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

> एम . जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, हैंदराबाद

तारील : 3-1-1983

# प्रकृष बाह्". दरी. हन्. एव..-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हौदराबाद

हौदराबाद, विनांक 3 जनवरी 1983

निर्देश नं. आर. ये. सी नं. 380/82-83—-यतः मुझे, एम. जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारणुह**िक स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार गरूब 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. है, जो 18/38 बचूपेटा मधीलीपटनम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मछीलीपटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में , 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से काथित नहीं किया क्या हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत सक्छ वृधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिला में कमी करने वा उसते ब्यने में सुविधा के निवे; शीर ∕ स्ट
- (भा) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 की 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

- 1. श्री जे. वेंकटरेवरा राव पिता सांध्या, मछीली-
- (अन्तरक) 2. श्रीमित जे. साइ वरलक्ष्मी कुमारी पति हारनाथ-बाब् , बटाइपेटा , मधीलीपटनम ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना चारी कारके पूर्वों कत संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़े भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिध या तस्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा ;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी 🕏 पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विया पमा है।

#### ननसूची

घर संपत्ती, घर नं. 18/38, बचुपेट ।, मछीलीपेटनम, विस्तीर्ण 2269 चौ. गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1843/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मछीलीपटनम ।

> एम. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन राज, होदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269- म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---14-476 GI/82

तारीब : 3-1-1983

मोहर्

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निवर्षा नं आर ए सी गं 381/82-83---यतः मुक्ते, एम जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- हुट. से अधिक है

और जिसकी सं 148/14 है, जो गंडलावनी पालम बैझाक स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैद्याक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री जी. अप्पालस्वामी पिता पंदय्या, यंद्राडः,
   वैझाक ।
  - (अन्तरक)
- 2. दि अत्यों। ड्राइव को-ओपरटेव्हि हाउत्तस बिल्डिंग सासाइटी, लि. घर नं. 9-19-11, सी. बी. यम. कम्पाउरंड वैद्याक-530003 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सूली अमीन, गूड्लावनीपालम, यंदाडा, वैझाक तालूक, यस. गं. 148/14, विस्तीर्ण 0.37 सेटस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख गं. 5647/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक।

एम . जेगन मोहेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, हैंदेगटाद

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात :---

तारीख : 6-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-**ष** (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हौदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निवर्षा नं. आर. ए. सी. नं. 382/82-83--- यतः मुक्ते, एम. जोगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के दभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 147/11,12 ही, जो गुडलावनीपालम, वैभाक मो स्थित ही (और इससे उपावस्थ अनुसूची मो और पूर्ण रूप में विर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग, वैझाक मो भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मो, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापविकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के. अपन्ना यंदाडा, वैक्षाक

(अन्तरक)

2. दि आसेन ड्राइव को-आपरीटव हाउन्स बिल्डिंग सोसाइटी, लि. घर नं. 9-19-11, सी. बी. यम. कम्पाउर्ड वैझाक-530003।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ध के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए, जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सूली जमीन, गूडलावनीपालम, यंदाञ्च, वैझाय, यस. नं. 147/11, और 147/12, विस्तीर्ण 29, 1/2, सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4596/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम जेगन माहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ह**ैद**राबण्ट

तारीख : 6-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० श्रार० ए० सी० नं० 383/82-83.—यतः, मुझे, म जैनन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० एस० नं ० 147/10 है, जो यंदाडा वैझाक में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उचत अन्तरण चिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .~~ (1) श्री बाई० सन्यासी पिता नरसिम्हाराव, धंदाङा, वैकाक।

(भ्रन्तरक

(2) दि श्रोसेन ड्राइव को-भ्रापरेटिव हाऊस विल्डिंग सोसाइटी लि०, घर नं० 9-19-11, सी० बी० एस० कम्पाऊंड, वैशाक-530 003।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीतत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, गूड्ला व नीपालम, यंदाडा, एस० नं० 147/10, विस्तीर्ण 0.097 चौ० मी०, र्रजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4772/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, वैझाक ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

प्ररूप आहर .टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद , दिनांक 7 जनवरी, 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 435/82-83.—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रार एस ० नं ० 8/2, है, जो गनदला विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिसित में नास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मृत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती एम० जयश्री पति वेंकटसीताराम, मोंगल राजपूरम, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री विदूलता को-प्रापरटिव्ह बिल्डिंग सोसाइटी लि०, विजयवाड़ा, बाई प्रेसीडेंट के० बालास्वामी, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, ग्रार० एस० नं० 8/2, गूनदला, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 1.15 सेंट्रस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3947/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहत सक्षम प्र.धिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 7~1-1983.

प्रकृष बाइ .टी. एन्. एस .-----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैद्यराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० भ्रार ० ये ० सी ० नं० 436/82-83:—यत : एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 27-12-45/2, है जो गष्हरनरपेटा, विजय वाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिग्ते) को बीच एमे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को शक्तियम में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: बरि/या
- (क्ट) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) है। उसत अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के लिए;

स्तः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती के ० मंगातायारम्मा पति लेट सत्यनारायणा भ्रौर तीन विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी ० ही० यस० गुरुनाधाराद पिता सीतारामय्या, विजयवाड़ा- 2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उस्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्वास के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्थापित यों में से किसी स्थापित बुबारा;
- (**ए**) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

घर श्रौर खुली जमीन, घर तंत्र 27-12-45/2, श्रालीबेग् स्ट्रीट, गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 367.33 चौ०् गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5065/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, विजयवाडा।

> एम० जेगन मोहन सञ्जाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद ।

नागीख: 7-1-1983.

मोहर

प्रस्प शाई • टी • एन • एस •--

भावकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन यूवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैबराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० म्नार० ए० सी० नं० 437/82-83:--यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

मायकर प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी को पढ़ विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क्पये से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 27-12-45/2, है, जो गन्हरनरपेटा, विजयवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वीकत समिति के उचिन बाजार मृत्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का खाना जाआर मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए प्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित हहेग्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वाम्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैम्ल्य

- (क) अज़रण में दुई किमी आय को बाबत. उसत अधि-नियम के अधीन कर दर्ग के अस्तरक के दायिक्य में कमी करने या उपयं बचने में मुविजा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों
  ता जिन्हें नारनार पाय-कर अधिनियस 1922
  (1922 का 11) या जन्न श्रीवित्यम, या
  श्रन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
  में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) श्रीमती के० मंगाजयरम्मा पति सत्यनारायणा श्रौर श्रन्य चार, सेंकंड वार्ड, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतौजी० दुर्गा वेंकटा प्रसादाराव पिता सीक्षारामय्या दुर्गा स्राग्रहारम, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवा**हिया गुरू कर**ता हूं।

उन्त सम्मत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास निचित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, घर नं० 27-12-45/2, स्रालीबेग स्ट्रीट, गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा विस्तीर्ण 367. 33 चौ० गज० रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5066/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाव ।

तारीख: 7-1-1983.

प्ररूप आर्द्घ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० म्रार० ए० सी० नं० 438/82-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

शौर जिसकी सं० 6—1—12 है, जो बेल्लापूर्वीधी टूनी में स्थित है (शौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, टूनी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितमारी के कार्यालय, टूनी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तमारी के कार्यालय, टूनी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितमारी विश्व को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) 1. श्रीमती पी० राधाबाई पित तोगारा,
   2. पी० जोगेस्वराराव, पिता जोगाराव, पायाका-राव पेटा, नक्कापल्ली, तालूक।
   (ध्रन्तरक)
- (2) श्री सी० एच० नरसिम्हामूर्ति पिता वेंकटा रत्नम श्रीर ग्रन्य एक, टूनी, वैझाक जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर संपत्ति, घर नं० 6-1-12, बेल्लापूर्वीधी टूनी वैझाक, विस्तीर्ण 413 चौ० मी० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2063/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, टूनी।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : **7**—1—1983.

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० द्यार० ए० सी० नं० 439/82-83:---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी॰ नं० 6 है, जो मछोलीपेटनम, रोड़ यूऊर में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, यूऊर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री ग्रार० व्ही० एस० यकम्बारम, यूऊर, कृष्णा जिला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री साइबाबा फिल्मस्, हिन्दी स्ट्रीट, गांधीनगर, विजयवाडा-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सिनेमा थेटर, साई महल नामक, संपती, घर नं० 6, ध्रसेंसमेंट नं० 1207, मछापलीपेटनम् रोड, युऊद कृष्णा, जिला, विस्तीर्ण 2349 चौ० गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1091/82, रिजस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी, युऊर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् :--476 GI/82

तारीख: 7-1-1983,

प्रस्य बाहै, टी. एत. एस.-----

म्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, **हैदराबा**द हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी<sub>,</sub> 1983

सं० ग्रार० ए० सी० 440/82-83:—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 151/1है, तथा जो यनीकेपाडू, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के स्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त आंध-नियम के श्रधान कर देने के अन्तरक के दाायरव में कमी क'ने या उसने बचन में मुश्रिया के आए। भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरितो द्वारा यह नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

वतः सन्, उत्सतं विधिनियमं की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उत्ततं अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्नतिथितं व्यक्तियाँ, नगौत्:— (1) व्हीं पद्यनाभन्नसाय पिता वेंकटरत्नम, श्रीराग भाषी लेन, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कनकादूर्गा को ०-न्नापरेटिव हाउज विल्डिंग सोसाइटी लि०, नं० जी० 2595, बाई ग्रध्यक्ष के० जनार्धन राव, विजयवाडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की प्रविधि; जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण :—इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घांध-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### भन्सुची

खुली जमीन, ग्रार० एस० नं 151/1, येनीकेपाडु, विजय-वाड़ा, विस्तीर्ण 2.25 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4669/82, रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम**० जेमन मोह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

ता**रीच** : 7**-**1-1983.

### प्रकार वाहर्<sub>-</sub>टी .एव .एस . -----

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्मालम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं धार ए० सी० नं० 441/82-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हो), की धारा 269-च के गणीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 377 है, जो गूनदला, विजय-वाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोंक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावह, उक्त जीवनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वामित्व में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती एन० व्ही० सुब्बाम्मा पति वेंकट सुब्बय्या, पदमाटा, विजयवाडा।

(भ्रन्तरक

(2) दि० संघमीला को-म्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लि०, रिजस्ट्रीटर्ड नं० 2778, बाई श्री पी० बाबूराब, विजयबाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपंतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

खुली जमीन, गूनवाला गांव, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 2.14 सेंट्स, ग्रार० एस० नं० 377, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4845/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैवराबाद

ता**रीख** : 7—1—1983

प्ररूप आहै. टी. एन. एस.-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 442/82-83:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- र. ते जापना है और जिसकी सं र खुली जमीन है, जो वैगाक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वैक्षाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अश्वरिष्ठ की गई है और मुझे यह विश्वाम करने क कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है मौर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितिगां) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य स खकत अन्तरण निक्षित यं वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिचित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री राजा सागी वेंकटानारासिम्हा राजू पिता सेंट श्री राजा सागी सीताराम राजू, टांगेडू गांव, वैझाक। (भ्रन्तरक)
- (2) दि० सीताम्मादारा को-ग्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी, बाई श्री के गोपीचन्द, वैक्साक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अ्र्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मनसची

खुली जमीन, वैझाक, मुनीसीपाल कारपोरेशन, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4706/82, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, वैझाक।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 7—1—1983.

भूकप **भाद**ै. दी. एत. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरौजण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनपरी 1983

सं० झार० ए० सी० नं• 443/82-88---मतः सुन्ने, एन• जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० 49-28-15, है जो भालीपूरम, मधूरनगर वैझाक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिश्वकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 268-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नीसिधित काफितमों, अधीत्ः— (1) कुमारी सी • एव • लींगमुर्ती पिता सी • एव • पृष्टाची -राम, वैज्ञाक ।

(मन्तरक)

(2) श्री डी॰ व्ही॰ श्राप्पलानरसिम्हा, गंबापतीराजू गुप्ता, स्दीट, भीमनीपटनम ।

(बन्ती,रसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वपाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के लंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समय की

भर संपति, घर नं० 49-28-15, म्रालीपूरम, **बाई, मधूर**-नगर, **बैक्सा**क, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4357/82, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी वैक्साक ।

> एम० जेगन मोह्न, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीब : 7-1-1983.

नोइर:

प्ररूप आर्क्ट. टी. एन. एस.------

## भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० म्रार० ए० सी० नं० 444/82-83:- यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सै अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 144/ए 1 है जो श्रागथावारापाडू गुंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई. 1982

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातकत के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरुप, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परदह अक्षिणत से भाष्टिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितीयों) के नीच ऐसे अन्तरम के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रत्तरण ते हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रवि-नियम, के अधीन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे धवमें में सुविधा के लिए और/मा
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, पा धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रिपाने में सुविधा के सिए।

भ्रतः सब, उक्त श्रिष्ठियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीष्ठियम की धारा 289-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नृतिचित व्यक्तियों, अर्थादः—

(1) श्रीमसी टी ॰ वेंगम्मा पति राघवय्या, सेंकड लाइन, श्राचनदलपेटा, गुंटूर ।

(झन्तरक)

(2) श्री एम० ग्रार गंगन्ना पिता श्री रमना, पार्टनर, मैसर्स एम० जी० भ्रदर्स, गुंदूर ।

(म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 🛶

- (क) एस पूर्व गांचे राजरत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 थित को अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत में प्रकाशन की नारी क्र से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्य काकित द्वारा, प्रधोद्शनाक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त णच्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा, जो उन्न अध्यान में दिया गया है।

### जपृत्यी

खुली जमीन, धर नं ० 144/ए 1 श्रागथावरापाडू, गुंदूर, विस्तीर्ण 0.41 सेंट्स, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4869/82, रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी गुंदूर।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारी**थ**: 7-1-1983.

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० न्नार० ए० सी० नं० 445/82-83:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 144/ए 1 है, जो श्रागतावारापाडू गुंटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्री-, करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपह्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीमसी टी॰ केंगम्मा पति राचवय्या, सेंकड लाइन, ग्राक्तदेलपेटा, गुंट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एल० सी० नागप्पा पिता एम० लक्षमन्ना, पार्टनर मैसर्स एम० जी० ब्रदर्स, गुंटूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ममसची

खुली जमीन, धर नं० 144/ए 1, ग्रगातावरपाडु, गुंटूर, विस्तीर्ण 0.41 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4869/82 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), धर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीब: 7-1-1983.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

वामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं श्रार ए० सी 446/82-83:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहुम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूड से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 0 144/ए 1 है, जो भागतावारापाड गुंदूर में स्थित है (भीर इससे उपावस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंदूर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1809 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरण से लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुं इं किसी आयं की बायत , उक्त जीवनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविभा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए।

नतः जन, उनत जीधीनवन की भारा 269-म की, अनुतरण मी, मी, उन्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) के जभीन, निम्नीनीयस न्योक्सकों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी॰ वेंगम्मा पति राष्ट्रया, सेंकड लाक्ष्म, श्रादनवेंसपेटा, गुंट्र ।

(प्रस्तरक)

(2) श्री एम० एल० सी० नागप्पा पिता एम० लक्षमन्नाः, पार्टेनर, मेसर्स एम० जी० झदर्स, गुंटूर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### नगुसूची

खुली जमीन, घर नं० 144/ए 1 ग्रागताथरपाखू, गुंटूर, जिस्तीर्ण 0.41 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4870/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहामक भ्रायकर धांपुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

ता**रीच** : 7-1-19**8**3.

मोद्वर:

शक्त आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरायाद, दिनांक 7 जनवरी 1983 सं अभिर ा े भी े नं 447/82-83:-- यतः मझे, एम े जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 144/ए 1 है तथा जो ग्रागथवारापाड़ गुंटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिष्टीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, गुंटर में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तांरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप सं किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--

मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 16-476 GI/82

(1) श्री टी० वेंगम्मा पनि राघबय्या, संकट लाइन, श्रारुनदलपेटा, गुंटर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० नागदीस पिता एम० एस० सीवन्ना, पार्टनर, मैसर्स एम० जी० बादर्स, गंटर।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, घर नं ०  $144/\sqrt{1}$ , श्रागथावरपाडु, गुंटर, विस्तीर्ण 0.41 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4871/82, रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी, गृंटर ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रार्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंअ हैक्सराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जमवरी 1983

निर्देश सं कार अपर ए अपि नं 448/82-83---यतः मुझे, एम अगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 144/ए 1 है तथा जो ध्रागथतावापाडु गुंटर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुंटर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती टी० वेंगम्मा पति राघवय्या सेंकड लाइन, ग्राह्मदलपेटा, गुंटर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम॰ म्रादी शेशा पिता एम॰ पी॰ गंगाप्पा, पार्टनर मैसर्स एम॰ जी॰ श्रादर्स, गुंटर। (भ्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

खुली जमीन घर नं० 144/ए 1 ध्रागतावारापाडू, गुंटर विस्तीर्ण 0.15 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4872/82 रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी, गुंटर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाच

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

स० आर ० ए ० सी ० नं० 449/82-83-यतः म्झो, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 144/ए 1 है तथा आमथवारापाडु गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/था
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती टी० वेंगम्मा पति राघवय्या, सेंकड लाइन आरुनदलपेटा, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० पी० नारासाप्पा पिता एम०, प्रकीराप्पा, पार्टनर मैसर्स एम० जी० ब्रादर्स गुंटूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, घर नं०, 144/ए 1, आगथावारापाडू, गुंटूर, विस्तीर्ण 0.41 सेंटेंस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4873/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 7-1-1983 :

मोहर

प्ररूप जाई.टी.एन.एस. --

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं अार ० ए० सी ० नं ० 450/82-83-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 144/ए 1 है, जो आगथावरपाडू, गुंटूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती टी० वेंगम्मा पति राघवाय्या, सेंकट लाइन, आरुनदलपेटा, गुंटर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रघुनाथ पिता एम० एस० शीवानन, पार्टनर, मैसर्स एम० जी० ब्रादर्स, गुंटूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोर्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, घर नं०  $144/\sqrt{0}$  1, आगयावरापाडू, गुंदूर, विस्तीणं 0.16 सेंट्स, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4874/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुंदूर ।

एम ० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त , (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1983.

प्रस्तप बाइ ं. टी. एन. एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, स्हायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० आर० ए० सी० नं ० 451/82-83:—यतः मुझे, एम ० जेगन मोहन,

(जिसे इसमें जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र यस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं 0 144/ए 1 है, जो आगथायरपाड़, गुंट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे **दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिज्ञत अधिक है ऋौर** अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय यथा गया प्रतिकत, निम्नींसिखत चट्टेश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तितिक हूप से कथित नहीं किया भया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उकत अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय ना किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियन 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिः ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 289-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीव. निम्निखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्री टी० वेंगम्मा पति राघवाय्या, सेंकड लाइन, आ रुन्दकपटा, गुंट्र ।

Aprillation to delignous theory ages a seaso parts of the season of the later of the season of the s

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एग आर० गंगाधर पिता एम० रामना पार्टनर मैसर्स एस० ज० ब्रदर्स, गुंटर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है!

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वेहस्ताअरी के पात लिपित में किए जा सकेंगे !

ं स्पर्धाकरम १-- एमले प्रमुख्य अबनी घोर यदों का, अं। उस्त विधानियम के अध्याय 20-95 गरिकाचित है, बही सर्व होगा जो उन भ्रष्याय में लिया गया है ।

### ग्रनुसूची

खुली जमीन घर नं० 144/ए 1 आगथावारपाडू, गुंदूर, विस्तीर्ण 0.41 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4875/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-1-1983

### शुक्रप् आहें..टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकरु आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निद्रोश सं.आर.ए.सी.नं. 452/82-83--यतः मुक्ते, एम. जेगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 144/ए। है, जो आगथावरपाडू, गूंट्र के कार्यालय में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यायलय, गूंटर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

का 16) के अधीन, तारीस मही, 1982 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री टी. वेंगम्मा पित राधवाय्या, सेकड लाइन, आरूनदलपेटा, गूंटरूर।

(अन्तरक)

 श्री एम० एस० सावम्मा पिता एम० सोमप्पा पार्टनर, मैंसर्स एम. जी. बृदर्स, गूंटरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

खूली जमीन घर नं 144/v1 आगथावारपाडू, गृटूर, विस्तीर्ण 0.41 सेंटस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4876/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृटूर।

एम जोगन मोहन सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , हौदराबाद,

तारीच : 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983 सं० आर० ए० सीं० नं० 453/82—83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 459 है तथा जो चीन्नाबाजार, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री अब्बुल रहमान अलीयास मोहम्मद अब्दुल रहमान पिता शो बेदू साहेब, रीटायर्ड स्कूल टीचर, लालापेट, गुंटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गेंक सलेहा पिता अब्दुल खादार साहेब, कैटेपल्ली रेपल्ली तालुक, गुंटूर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूस्ची

घर संपति, वार्ड नं० 8, ब्लाक नं० 3, टी० एस० नं० 459, चीन्नाबाजार, गुंटूर, विस्तीर्ण 453 घो० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5237/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 7-1-1983

मोहरः

प्रस्त्य बार्ष'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 454/82-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

श्रायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख श्रिष्टीन गलन श्रीष्टिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 82/2 है तथा जो सोमवारीपाडे यूलूरु में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, यूलूरु में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का आचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदुदृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में रुपिन्या के लिए;

अतः अ्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री वाई० देवा साहायाम विता दनीयालू, बेलूरु । (ग्रन्तरक)
- (2) दि यूलूरु को-स्रापरेटिव विलिंडन सोसाइटी, डब्लू० जी० 5, यूलूरु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेगं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

### श्रनुसूची

भूमि, सोमावारापाडू, यूलूरु, यूलूरु को-आपरेटिव सोसाइटी ने खरीदा है, विस्तीर्ण 1.62 सेंटस्, ग्रार० एस० नं० 82/2, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3310/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी यूलूरु ।

एम० जेगन मोहन

सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 7-1-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 455/82-83:---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 84/1, 2, 4 है तथा जो सोमवारपांडे येलूरु में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, येलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जर्म हैं और मुक्के हि विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त मध्यित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-17—476 GI/82

- (1) वाई : देवा साहायम पिता डानीयलू, येलूरु । (श्रन्तरक)
- (2) दि० यूलूरु को-स्नापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, डब्लू० जी० जी० 5, येलूरु । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बष्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्र**नुसू**षी

खुली जमीन, सोमाबारापाडू, येलूर, श्रार० एस० नं० 84/1, 2, 4, विस्तीर्ण 1.43 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3336/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी येलुरु।

एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 7-1-1983.

### प्रकथ बाह् .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत वरकत

### कार्याजय, सहायक नायकर वायुक्त (निरोक्षण)

**ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद** 

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० भार० ए० सी० नं० 414/82-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त को भीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डी० नं० 16 है, तथा जो तेनीगंडला गुंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), तथा रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री बी० सांबय्या पिता चीना सुब्बय्या, वेनीगंडला, 'गुंटूर, तालुका ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सुद्धामन्यम पिता करटय्या, गूनंडाला, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्वीन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) दर स्थान के राज्यम् में प्रकाशन का तारीत से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हुए। यो
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्थ किसी बन्ध व्यक्ति वृवारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, डी० नं० 16, विस्तीर्ण 1.00 एकड़, वेनीगंड्ला, गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5094/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, गुंटूर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारी**य** : 7-1-1983.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० म्रार० ए० मी० नं० 415/82-83:—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० 37 है तथा जो वेनीगंड्ला गुंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहंग्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) श्री बी. प्रसाद राव पिता गूरवय्या, वेनीगंड्ला, गुंट्र।

(भन्तरक)

(2) श्री के० सुद्धामन्यम पिता करटय्या, गूंनंडाला, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ट्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गुंटूर, डी० नं० 37, विस्तीर्ण 1.00 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5139/28 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारी**ख**: **7--**1--1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० श्रार० ए० सी० नं० 416/82-83:--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य. 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 18 है तथा जो वेनीगंड्ला गुंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हो कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उभक अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी वाय को बावत, उद्व अभिभियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर ब्यून में सूबिधा के तिए; बार/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियं , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियं , ए। धनकर अधिनियं । प्राप्तियों अत्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने में सुविभा के निए।

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बी० देवम्मा पति शैशय्या, वनीगंड्ला, गुंटूर। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री के० सुत्रामनीयम पिता राटय्या, गूनेदाला, विजय-वाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—ं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अथोहस्साक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाधा होती हों, के मीलर पूर्वों का
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;

स्थव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो विया गया है।

### **अन्**स्भी

खुली जमीन वेनी गंड्ला, डी० नं० 18, विस्तीर्ण 0.75 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5147/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 7-1-1983.

प्ररूप आइ'.टी.एन्.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

नितेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 417/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसक परवात् 'उपत स्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पर् से भक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० 18 है, तथा जो वेनी गंड्ला, गंगूर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गृंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हे और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्मिलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कांध्रत नहीं किया गया ही:---

- (क) अक्तरण से हुई फिबी आम की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धृत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह——  श्री बी० मीहन पिता शेशस्या, बेनी गंड्ला, गुटुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० सुन्नामनियम पिता राटय्या, गूंदाला , विजयवाङ्ग ।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

रपष्टिकरण: — इसमी प्रमुक्त सब्बो और पदी का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ है। या जा उस अध्याय मी दिया गया ही।

#### अनुसुची

खुत्री जमीन डी $^{\circ}$ नं  $^{\circ}$  18 गं $_{\stackrel{?}{=}}$ र, बिस्तीर्ग 0.75 सेंट्स रिजस्ट्रीकृत विलंख नं  $^{\circ}$  5165/82, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गंटर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक हुँग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर: प्रकप भाइ . टी . एन् . एस . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन मुखन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 418/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 30/2 है, तथा जो वेनी गंड्ला, गंटूर में स्थित है (श्रौर इस उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक स्मृ से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए का, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभीन, निस्तिविधित व्यक्तियों निस्तिविधः--

 श्रीमती के० श्रन्तम्मा प्रति सुदर्शनम, बेनी, गंडला, गंट्र तालुक।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० सुकामनियम, पिता राटय्या, गूडाला, विजयवाडा, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### श्रनुसूची

खुली जमीन डी० नं० 30/2, वेनी गॅड्ला, गंटूर, विस्तीर्ण 1 एकड़, 03 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5290/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, गंट्र ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ,(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 419/82-83——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित तजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17/ए है, तथा जो बेनीगंड्ला, गंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गंदूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक मई, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण ते इन्हें किसी जाय की बाबत उपत विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; विद्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात्:—  श्री के० वासदेव राव, पिता पांचीरेड्डी, वेनीगंड्ला, गंट्रर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री के० सुक्रामनियम, पिता राटय्या, गूनदला, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

खुर्ली जमीन वेनीगंड्ला, गंटूर, डी० नं० 17/ए, विस्तीर्ण 0.54 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5291/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, गंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं०क्ट स्रार० ए० सी० नं० 420/82-83—यत: मझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25 है तथा जो बेनीगंड्ला, गटूर में स्थित है (श्रीर इस 'उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गंटूर में 'रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री के० कोटानायक्डू, ग्रौर प्रन्य दो, वेनीगंड्ला, गंट्रर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० सुक्रामानयम पिता राटय्या, गूनदला, विजयवाङ्ग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

खुली अमीन घेनीगंड्ला गंट्र, डी० नं० 25, विस्तीणं 1 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं**०** 5292/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गंटर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**य:** 7-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनौंक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 421/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 171/ए है, तथा जो वेनीगंड्ला, गंटूर म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के डश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्रीमतं जे० साम्बनय्यम्मा पति गोपी रेड्डी, वेनीगंड्ला, गंटूर तालुक ।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० सुक्रामिनयम, पिता राटय्या, गूनंदला, विजयवाडा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तू संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओह्स्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्सूची

खुली जमीन, बेनीगंड्ला, गंदूर घर नं० 171/ए, विस्तीणं 1.07 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5296/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गंदुर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रप्धिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

### प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस०⊸---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० आर०ए० सी० नं० 422/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार 2.5,000 ∕- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. घर नं. 38, वेनीगूंड़ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंट्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मृल्य उसके एरयमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **है**ं——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरों दचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने कें सूर्विका के लिए;

जल: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित कैंपिक्तयों, अधीत्:— श्री एन० सुभानी बेगम पिता आदम बेगम,
 बेनीगंड्ला, गंदूर तालुक।

(अन्तरक)

 श्री के० सुक्रनियम, पिता राटस्या, गूनदला, विजयवाडा, तालुक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपश्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितका किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के वाल लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

### ननसर्ची

खुली जमीन वेनीगंडला, घर नं० 38, गंदूर, विस्तीर्ण 0.50 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5297/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गंदूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस..-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 423/82-83—यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- फी. से आपके हुं और जिसकी सं 24 है, जो बेनीगंड्ला, गंटूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्वेष्यों से उक्त अंतरण कियान में कास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उत्तसे वचने में भूविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यिक्तयों, अर्थात् 🖅

 श्री के० साम्बा रेड्डी, पिता पी० ची० रेड्डी, वेनीगंड्ला, गंटूर ।

(अन्तरक)

 श्री के० सुम्मनीयम, पिता राटय्या, गूनदाला, विजयवाडा तालुकः ।

(अन्तरिती)

को वह तूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित मों किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, नहीं अर्थे होगा जो उस अध्याव में विका गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन , वेनीगंड्ला, घर नं० 24, गंदूर, विस्तीणं 1.27 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5299/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृंदूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 7-1-1983

मोहर् 🖫

### प्रस्प आई० टी॰ एत॰ एत॰----

# भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदर:बाव हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 424/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन आयकर मधिनियम, 1961 (1961 年) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त ग्रहिनियम' कहा गया है), की धारा ४७७-ख है प्रजीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उति : बाजार पुरुष 25,000/- एउर्वे ने बाधिक हे और जिसकी सं० 5/2 है, जो वेनीगंडला,गंटूर में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंट्र में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982 को पृत्रोंक्स सम्पत्ति है इचित दाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पई ३ और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीका पमिति के उचित बाजार भूस्य, उदके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का पण्त्रह प्रतिशत से श्रष्टिक है श्रौर भ्रन्तरङ (अन्तरकों) और *अ*न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मस्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देश्य ते उना प्रशारण लिखिन में नास्तविक रूप से कथित नहीं शिया गया है।---

- (क) प्रश्तरण से दूर किरी आप की बावन उनन प्रक्षि-नियम के ध्रयीन कर देने के भगतरक के दाकित्व मैं क्षमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी आप में किसी बन में प्रत्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भुविधा के लिए;

भनः भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के भनु-रण में में उक्त सिधिनियम की धारा 269-च की उन्धारः (1) के अधीन, निम्नसि<u>धि</u>त व्यक्तियों, अर्थात् ॥——  श्री के० संगीवा रेड्डी पिता वेंकटा रेड्डी, वेनीगंड्ला, गंटूर ।

(अन्तरक)

 श्री के० सुक्रमनियम, पिता राटय्या, गूनदाला, विजयवाड़ा तालुक ।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वोक्त प्रम्यक्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे :

स्वकड़ो हरण :-- दर्श प्रपुक्त अध्यो और पर्श का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यात में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वेनीगंड्ला, गंदूर, घर नं० 5/2, विस्सीर्ण 1 एकड़ 25 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5300/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1983

मोहरः

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अर्थन स्कान

### भारत सरकार

क्षायांतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 425/82-83--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं 17/ए हैं, तथा जो वेनीगंडला, गंटूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित हैं) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंटूर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निम्नलिबित उद्देश से उक्त अन्तरण निबित में बास्तिक स्मृ से किश्व नृष्टीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आर्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रातः भव, उक्त प्रधिनियम, की खारा 269-व के समृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्मा, जर्भात् हरू—

- 1. (1) श्री के० साम्बी रेड्डी पिता के० पीची रेड्डी
  - (2) श्री के० दरमा रेड्डी पिता साम्बी रेड्डी वेनीगंड्ला, गंटूर ।

(अन्तरक)

 श्री के० सुज्ञामनीयम, पिता राटथ्या, गंनदला, विजयवाड़ा तालुक ।

(अन्तरिर्तः)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मारित के कर्जन के सम्बन्ध में काहें भी शाकांपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से निती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से निती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से निती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपार में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सर्पाटड में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिक्षणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल विधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ब्ध्याय में विधा गया है।

### न्त्र्या

खुली जमीन वेनीगंडला, गूंटूर घर नं० 17/ए, विस्तीर्ण 0.54 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5381/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, गूंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, **हैद**राबाद

तारी**ख** : 7-1-83

मोहर 👙

प्रसप धाई > टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269न्य (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> भायसिय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 426/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5/2, है, तथा जो वेनीगंड्ला, गंटूर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की भावत; इवस प्रधि-नियम के अधीन कर देने के स्वत्यरक के दासिता में कमी करने वा धससे वचने में सुविधा के फिए; धीए/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या थाय बास्तियों को जिन्हें भारतीय भाषकर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ धन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया ववा या फिया जाना चाहिए गा, कियाने में सजिया के किए;

श्रतः श्रव, उन्द प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 26% के भी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् 🖫  श्री के० संजीवारेड्डी पिता वेंकटरेड्डी वेनीगंडला, गंट्र ।

(अन्तरक)

2. के० सुम्नामनियम पिता राटय्या,

गंनदला, विजयवाङ्ग तालुक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुलो जमोन वनीगंड्ला, गंटूर घर नं० 5/2, विस्तीर्ण 1.25 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 5384/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) ते अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदंश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 427/82-83—यतः मुझे ारा० जेगन मोहन

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा

269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से शिधक ही भीर जिसकी सं० 16 है, जो वेनीगंडला, गंटूर में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 82 को पूर्वोंक्त संपित्न के उचित बाजार मृत्य से कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उस्वेंश्य में, उपन अन्तरण

लिखित में पास्तविक एप से कथित नहीं किया गया ही ---

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवा अधिनियम, साधनकर अधिनियम, साधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री के० रमानायक पिता के० लख्मी नायक वेंनीगंडला, गंटुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० सुभ्रामनियम, पिता राटय्या, गंडला, विजयवाडा, तालुक।

(भ्रन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

खुली जमीन वेनीगंडला, गंटूर घर नं० 16, विस्तीर्ण 1 एकड़ 35 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5385/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 428/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 5-66 श्रौर 67 है, जो कोटीरेड्डी पेटार पामरु में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय पामरु में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :---  श्री के० व्ही० सूबम्मा, पति सेब्बय्या, पामरु, जिला कृष्णा।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती बी० कोंडेस्वरम्मा पित कृष्णा रेड्डी, लेबर श्राफिसर, ए० पी० पेपर मिल्स, राज मंडी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन घर नं० 15-66 श्रौर 67, कोटीरेड्डा पेटा, पामक, विस्तीर्ण 1002, श्रौर 710 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 843/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पामक।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर : प्रकप कार्दः टी. इतः एत<sub>ः</sub>-----

मायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष् (1) के अभीत् सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निर्देश्ण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 429/82-83—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 11/2, है जो मछावरम, विजयभाषा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजवाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त बीभनियम की भारा 269-ग के अन्हरण में, भें, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 19—476 GI/82  श्री एन० नरमीम्ब्राराव पिता सुन्नामनियम, श्रीर श्रन्य [दो । [विजयवाङा ।

(भ्रन्तरक)

2. यदि काकतीया को-श्रापरेटिय बिल्डिंग सोसायटी लि० [नं० जी, 2699, बाईस प्रेसीडेंट, श्री के० ईम्बर राव विजय वाडा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यतिकः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वकाकरण: ----इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पर्यों का, को उक्स जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं कृष होगा जो उक्त अध्याय में विया गवा है।

### अगत जी

खुली जमीन भार० एस० नं० 11/2, जागीर, मछावरम, विजयवाडा, विस्तीर्ण 3287, चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4189/82, रजिस्ट्रीकर्ता, प्रधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त , (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

रीख 7-1-1983 मोहर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 430/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 5 है, जो मत्यालमपाड, विजयवाडा, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय विजवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रम्मान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृह है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृश्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल ते, ए ते द्रम्यमान प्रतिफल का द्रम्य प्रतिक्त के विश्व के विश्व है और जन्तरक (अन्तरकों) जीड कन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ए से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 म्ही० नारायण राजू, मुत्यालुपाडू, जिवयवाडा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स आंध्रा पत्रिका एम्पलाईज को-न्नापरेटिव सो०लि० नं० जी० 2643, विजयवाडा, बाइस प्रेसीडेंट, श्री एम० डी० वीराभद्रम, पिता दोराइस्वामी, विजयवाडा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकासन की सारीच से 45 दिन की जबधिया तस्टम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक किसी मन्य स्थक्ति कारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इतमें प्रमुक्त काओं और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया बुवा हैं।

# अन्स्ची

खुली जमीन मुत्यालू पाडु, धार० एस० नं० 5, विस्तीर्ण 6780 भी० मी० रजिस्ट्रीककृत विलेख नं० 5069/822, रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर:

# प्रकृत नार्वे, की., एन्, एस.,:-----

आमक्द्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 431/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त् अधिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-स के जधीन संस्मृ प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थानर स्थापत, जिसका उचित वाकार मूख 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 11-11-19 है, तथा जो वातूरीवारी स्ट्रीट, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूना कर सम्मित्त के उपमृत् बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गृह है बार मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूना कर संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रसिक्त से, एसे क्यमान प्रसिक्त का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरका) के बीच एसे अन्तरक के लिए सम पामा न्या प्रसिक्त, निम्निसिसित उद्योग्य से उन्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई सिजी आव की वावत उच्छ जिमित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उच्च से अभूभे में सुविधा के सिए; बहुर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किमाने में सुविभा के लिए:

जतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निक्नितिवित स्थितियों, अधीत् :-- श्री पी० श्रीरामूलू,
 कोथापेटा, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

श्री संवावनाथ जैन,
 ग्राराधना समिति, घर नं० 11-55-23,
 तम्मावारी स्ट्रीट, विजयवाडा-1

(मन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वा कर संपरित के अर्जन के सिक् कार्यनाहिसां करता हुं।

उनत संगीरत के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया सस्तम्बन्धी अविधियों पूच सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो जी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मित्त में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बात लिसित में किए जा सकींगे।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के मध्याय 20 क में परिभाषित ही, बहुी जर्थ होंगा, जो उस जन्मान में दिना गना है।

### अगत्त की

धर सम्पत्ति धर नं० 11-11-19, वातूरीवारी स्ट्रीट, विजयवाडा, एन० टी० एस, 192 विस्तीर्ण 386.3 जी० गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4140/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैघराबाद

तारी**ख 7**-1-1983 मो**हर**ः प्रकष बाद्दी हो। एत् एसः -----

नावकर निभागित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 432/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं आरं एस नं 3 है, जो मुत्यालुपाड़ु, विजयवाडा में स्थित है (भीर इसहे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) में अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मूल्य ते कम के क्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्न्तिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिधित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) जन्तरण से हुर्द तिकसी जाव की बावत उक्त अधि-निवन के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उक्के ज्वने में तुविधा के लिए; बीट/वा
- (क) यांबी किसी आम मा किसी अन मा अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में दिन्धा में किह;

जतः अर्था, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्रीमती व्ही० लक्षम्मा पति रंगाराजू, मृत्यालूपाडु, विजयवाडा ।

(ग्रन्सरक)

2. श्रांध्र प्रभा इंडीयन एक्सप्रेस एम्पलाइज कोग्रापरेटिव बिल्डिंग, सोसायटी वाइस प्रेसीडेंट श्री वाई० व्ही० रमानाप्पाराज पिता नागराजू, बिजयवाडा।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुब्यृत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविंध, को भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ब) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रुण: --- इसमें प्रयुक्त झक्दों और पवाँ का, जो उनत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। स्या है।

# जम्सूची

खुली जमीन श्रार० एस० नं० 3, मुत्यालुपाडु, विजयवाडा, विस्तीर्ण 6747 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4462/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

्रितारीख 7-1-1983 मोहर : प्रक्रप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सृष्ना

### **मारत त्रकार**

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 433/82-83--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बानार मूस्य 25,000/- रु. से निधक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 3 है जो मृत्यालुपाडु, विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप है वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरम के लिए तब पाया गया प्रति- भव विश्वितियों इपूर्वेस से उच्च कक्ष्यम विश्वित में वास्तृतिक स्मृत्वे किया नवा है अ——

- (क) ज्यारण से हुई किसी अपन की नानदा, उक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/वा
- (व) ऐसी कियी जाय वा किसी भन् वा बन्ध शास्तियों को चिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर बृद्धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त्रिती ब्नाय प्रकट नृहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में नृतिभा से सिए;

जतः थव, उक्त अधिनियम् की भाग 269-न् के वयुक्रण में, में, उक्त वीयीनयमं की भाग 269-व की उपनात (1) के अकीन, निम्मीमीयत् व्यक्तिसमें, अभीव्:---  ऋति रामकृष्णम राजू पिता रंगाराजू, भ्रौर भन्य.एक मृत्यालूपाडू, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

 श्रांध्र प्रभा इंडीयन एक्सप्रेस एम्पलाइज को-श्रापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी वाइस प्रेसीडेंट श्री वाई० व्ही० रमानाप्पाराज पिता नागराजू, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करेता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में न्होंदें भी आर्थप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्यव्दीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत् अध्याय में दिया गया है।

# व्यक्ति

खुली अभीन धार० एस० नं० 3 मुत्यालुपाडु, विजयवाडा विस्तीर्ण 6093 धौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4464/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी विजयवाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** 7-1-1983 मो**इ**ए:

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 434/82-83—यहः मुझे एम० जेगन मोहन
आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्सि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रक्षिक है और जिसकी सं० आर० एस० नं० 3 है, जो मृत्यालूपाडु विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और जो, पूर्ण कृप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्लामा प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिक्रत से प्रधिक है भौर मन्तर (अग्तरकों) मौर मन्तरिशी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिख; धौर/वा
- (ख) ऐसी किनी भाय या किसी भन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भवः उन्तः भ्रमिनियमं की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं उन्त भ्रमिनियमं की धारा 269-थ की उपमारा (1) के अभीन निकासिक न्यनित्नों, अर्थात् :---  श्री व्ही० नरसाराजू पिता रंगाराजू, श्रौर श्रन्य एक मुत्यालूपाडू, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

2. आंध्र प्रभा इंडीयन एक्सप्रेस एम्पलाइज को-प्रापरेटिव बिल्डिंग सोसायटी बाइ प्रेसीडेंट श्री वाई० व्ही० रमानाप्पाराज पिता नागराजू, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी कड़के पूर्वोंक्त सम्मृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

धकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में शिवबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षे का, जो उत्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अध्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगराची

खुली जमीन, श्रार० एस० नं०े 3, मुत्यालपाडु, विजयवाडा विस्तीर्ण 6093 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4463/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7-1-1983 मोहर ः

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) -अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 401/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने दा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०न० 300 है, तथा जो वेनीझंडला, गुंटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पर्णरूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता के कार्यालय , गुंदूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यहं निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे एइयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उल्का अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी भी० नागेन्ड्रा पिता सी० सुम्बन्या, वेनीगंडला, गुंदूर

(अन्तरक)

(2) ि ० पुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेस्वर राव, चेवतापल्ली, गूडीवाडा तालुक, ऋषणा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्</u>जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुत्वी

खुली जमीन, वेनवगंडला गांव, गृंष्टूर, वस नं० 300 विस्तीर्ण 1:50 सेंटस, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5386/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

> एम॰ जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांशः 6-1-1983

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए ० सी० नं० 400/82-83-अयस: मुझे एम जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 38 है, जो वेनीगंडला, गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्य में कमी कद्भने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त निधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) त्री वीनरक्षमा पिता गल्लामण्डा, नेनीगंडला, गुंटूर

(अन्तरक)

(2) श्री ए॰ पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वकटेस्थर राब, चेंबतापल्ली, गूडीबाडा तालक, जिला कृष्णा (अन्तरिती)

को मह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मिति के नर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यक्दीकर्ण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

बुबी जमीन वेनीमंडला गांव, नृटूर, डी. न. 38, बिस्तीर्ण 0.77 सेंटस, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5888/82 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी गृंटूर।

एम ० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सङ्खाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

**ब्लिंक**: 7-1-1983

मोइर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां क 6 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 399/82-83-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एस० नं० 2 पधुर है, जो मधुरवाडा, वैक्षाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाण त है) , रजिस्ट्रीकर्ता अघिकारी के कार्यालय, वैक्षा क में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे ध्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदुदोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसीआयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मो सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री डी० व्ही० रमनम्म पति वेंकटेस्कं ज्या वरमा 2. पी० ही० नरसिम्हाराजू, बाई श्री पी०ही० एन० रघपतीराज, विजयानगरम (अन्तरक)
- (2) टीचर्स को-आपरेटिव हाऊ स बिल्डिंग सोसाइटी, लि०, नं० बी० 1836, वैक्षाक। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रुण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

खली जमीन यस नं० 2,मधुरवाडा, वैक्षाक, विस्तीर्ण रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 0.809 वौ० 5459/8/ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

मोहर:

दिनांक: 6-1-1983

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

20-476 GI/82

# प्रकृष नाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

<mark>हैदराबाद, दिनां</mark>क 6 जनवरी, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 398/82-83—यतः मुझे, एम ० जेगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

. और जिसकी सं० यस नं० 2, मधूर है, तथा जो मधुरवाडा. वैंक्षाक में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, वैक्षाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) 1. श्रीमती डी० सुजातादेवी पति नरसिम्हाराजू, श्री रामनगर,चीपूरपल्ली, (2) के० कीष्णा जोननावलसा, विजयनगरम

(अन्तरक),

(2) टीचर्स को-आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, नं० बी० 1836, वैक्षाक,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबिध या तत्से अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मृष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उस्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन यस नं० 2, मधूरवाडा, वैक्षाफ, विस्तींण 1.416 हैक्टर्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 5458/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निदेश संव आर ० ए० सी० नं० 397/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या एस० नं० 2 है तथा जो मधुरबाडा, वैक्षाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से विणत है), रिजस्ट्री-

कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैक्षाक में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्युने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

(1) 1. श्रीमती डी० मुजाता देवी पति नरसीम्हा-राजू, श्रीरामनगर, चीपुरपल्ली ताल्लूक (2) के० राम्नायडू, (3) के० सूर्यनारायण, जोन्नावलसा, विजयानगरम।

(अन्तरक)

(2) टीचर्स को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसा**इटी** लि० नं०बी० 1836, वैक्षाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरण : → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन यस नं० 2, विस्तीण, 1.416 हैक्टेरस, मधुरवाडा, गांव वैक्षाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5460/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैक्षाक।

> एम ० जे<mark>गन मोह</mark>न सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

### MISSE OF THE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 396/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस नं० 2 है तथा जो मधूरवाड़ा वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई 1982 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च हेय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी कडने या अससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूविधा के हैं स्थ;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् ः—- (1) श्रीमती डी॰ वी॰ रमनम्मा, और अन्य दो जोन्नाबलसा विजयनागरम

(अन्तरक)

(2) टीचर्स की-आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० नं० बी० 1836, वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य । बाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, थी उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थो उस अध्याम में दिया गया है।

#### Tara di

खुली जमीन एस० नं० 2, मधूरवाड़ा गांव, वैश्वाक, विस्तीर्ण 3.50 एकड, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5447/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैश्वाक ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

प्रकप् नाइ . टी. एन. एस्. - - - - --

भागकर अधितियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 413/82-83-यतः भुन्ने, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 25/बी है, तथा जो वेनीगंड्ला गूटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अभिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिक्ति स्यक्तियों, अभौत् ः— (1) श्री आर० हेमानायक पिता आर० जलका नामक, और अन्य एक वेनीगंड्ला, गृंटूर।

(अन्तरक)

(2) के० सुन्नामन्यम पिता करटय्या, गूनडाला, विजय-वाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, डी० नं० 25/बी विस्तीर्ण 1.22 एकड, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4987/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 7-1-1983

प्रकल नाइ. टी. एन. एव. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक ब्रायकर झायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 412/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं ० 30/2 है. तथा जो वेनीगंड्ला गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उक्केर्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उक्केर्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुक् किसी बाब की बाबत , उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के सिए; बैर्ड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री बी॰ प्रकाण राय पिता बी॰ पापय्या, अलीयास योहान, और अन्य दो, बेनीगंड्ला, गूंटूर तालूक (अन्तरक)
- (2) श्री ए॰ पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेकटेश्वर राव, चवतापल्ली, गूंडीवाड़ा तालुक, क्रुप्णा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

# अनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, डी० नं० 30/2, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 4964/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गूंटूर, विस्तीर्ण 0.50 सेंटस् ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 411/82-83-अयतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहुए से अधिक है

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये बीर/या
- (क) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—-

- (1) श्री एम० विजयपालू पिता मारक, वेंनीगंड्सा, गृंटूर । (अन्तरक)
- (2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेम्बर राव, चवतापल्ली, गूडीवाडा तालूक, कृष्णा जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन सची

जखुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, डी० नं० 46, विस्तीर्ण 1.48, सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5086/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराआद

हैसराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निर्षेश सं० आर० ए० सी०नं० 410/82—83—अयत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 46 है, तथा जो वेनीगंड्ला गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार शूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः कवः, उन्स् अधिनियमं की भाष 269-ग को, अनुसरण भों, भीं, उन्स् अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखितः व्यक्तियों, नुभतिः :-- (1) भी एस • मारीवम्मा पति वीरास्वामी, वेंनीगंड्ला, गूट्र ।

√(अन्तरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेश्वर राव, चवता-पल्ली, गूंडीवाडा तालूक, कृष्णा जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, डी ० नं० 46, रिजस्ट्रीकृत नं० 5087/82, रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, स**हाब क आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद

विनोक: 7-1-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 409/82—83—अयतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 है, तथा जो वेनीगंड्ला गूटूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---21 -476 GI/82 (1) श्री बी॰ भाटिया पिता नागय्या, और अन्य एक वेनीगंड्ला, गूंटुर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेण्वर राष, चेवतापल्ली, गुडीवाड़ा तालूक, कृष्णा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उश्रक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुन्नी जमीन, बनीगंड्ला, डी० नं० 37, गूटूर, विस्तीर्ण 1.26 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5088/82 रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोह्न, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

मोहरः

प्रारूप भाइ.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 408/82-83-यतः मुझे, एम० अगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269 का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रूट. से अभिक है

भौर जिसकी सं० 30.2 है, तथा जो वेनगंड्ला गूंटूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रिज-द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,अर्थात् :-- (1) श्री बी॰ सीतस्या पिता चीना वेंकस्या, वनीगंड्ला, गृंदूर

(अन्सरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेश्वर राव, भेवता-पल्ली, गूंडीवाडा तालूक, कृष्णा जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत संपरित के गर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

खुली जमीन वनीगंड्ला, गूंटूर, डी० नं० 30.2, विस्तीर्ण 0.70 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5091/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनकि: 7-1-1983

भोहर:

प्रकृष बाहुँ, टी. एन. एस्.-----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 407/82-83-अयतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 3 है, तथा जो वेनीगंड्ला गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को प्यांक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवजान प्रतिकल को तिए जन्तीरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (बन्करितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-क्ला, निम्नतितित उद्वोध्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; आहर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सधीन, निम्नुलिकित व्यक्तियों, अर्थात अर्थन

- (1) रामकूरी कोटय्या पिता हानूमया, वेनीगंड्ला, गूंटूर (अन्तरक)
- (2) ए० परोषत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेश्वर राव, चवता-पस्ली, गंडीबाड़ा नालूक, कृष्णा जिला । (अन्तरिती)

को मह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकृश्यन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा तकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त कब्दों भीर वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>ें, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

# वन्त्रुची

खुली जमीन वेनीगंड्ला, गूटूर, डी० न० 31, विस्तीर्ण 1.05 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5092/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गूटूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 40 /82-83--यंतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 542 है, तथा जो वेनीगंड्ला गूंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 190के (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, मई, 1982।

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दासित्य मों कभी करने या उससे बचने के सुद्धित के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) श्री पीं नरसय्या पिता यह्नामंडा, वेनीगंड्ला, गूंटूर (अन्तरक)
- (2) ए० पुरुषोत्तम प्रसाद पिता वेंकटेश्वर राव, चेवपा-पल्ली, गूडीवाड़ा तालूक, कृष्णा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, एस० नं० 342, विस्तीर्ण 0.09 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5138/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर ।

एम० जगन मोहनः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाब

विनांक: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 405/82-83; अयत: मुझे, एम० जगन मोहन,

नावकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त नीधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 30.2 हैं, तथा जो वेनीगंड्ला गूटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार ब्धिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के लिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;----

- (1) श्री बी॰ पापय्या पिता अंकमब्या, वेनीगंड्ला गूंटूर (अन्तरक)
- (2) श्री ए० पुरुषोत्तम प्रसाद पिता वेंकटेण्वर राव चेवता-पल्ली, गंडीवाडा तालूक, कृष्णा जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रुबिंग, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, वेनीगंड्ला, गूंटूर, डी० नं० 30.2, विस्तीर्ण 0.95 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5146/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.-----

**भायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद
हैंदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 404/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 31 है, तथा जो वेनीगंड्ला गृटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिप्त नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्ति तित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तिरित्मों) के भीज एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उज्वेष्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अभं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री बी ॰ नागेंड्रम पिता चौना सतय्या, वेनीगंड्ला. गृंट्र ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेस्वर राव, यवतापल्ली, गंडीवाडा तालुक श्रिष्णा जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधाया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा जो भी अविधा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शृध्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुस्ची

खुली जमीन वेनीगंड्ला गाँब गृट्र डी नं० 31, विस्तीणं 0.54 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5166/82, रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी गृंदूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराजाद

तारीख: 7-1-1983

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं श्रार ए० सी० नं ० 403/82-83-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का **कारण है कि स्थावर** संपति, जिसका उचितवाजारम्ल्य 25,000 / - रुः से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 31 है, तथा जो वेनीगड्ला गूट्र में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारमें का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उपचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उच्चे स्य से उक्त अन्तरण लिबिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी अंग्य या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न-

(1) श्री बी० मुसलय्या पिता वेंकय्या, वेनीगंड्ला, गृंदूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमा प्रसाद पिता वेंकटेस्वर राब, भवतापल्ली, गंडीवाड़ा तालुक, कृष्णा जिला ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, **अरेभी** अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितयबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुल जमीन, वेनीगडुला गाव, गुटूर, डी०नं० 31, विस्तीण 0.90 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5377/82, रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकार गूंटूर।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

# मक्ष बाई• टी॰ एन• एस॰----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 402/82—83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० डी० नं० 38 हैं. तथा जो वेनीगंडूला गूटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्ंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिवक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की अए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त स्थितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त स्थितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निस्तिबिक्त स्थितायों, स्थितः— (1) कु॰ पी॰ नरसव्या पिता यल्लामङ्ङी, वेनीगंड्ला, गूंटूर तालुक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० पुरुषोत्तमः प्रसाद पिता वेंकेटेण्वर राव, चेवतापल्ली, गूडीवाडा तालूक, जिला छुष्णा । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कर तस्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

खुली जमीन, वनीगंड्ला गांव, गूंदूर, डी० नं० 38, विस्तोर्ण 1.00 एकर, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 5382/82, रजिस्द्रीकर्सा अधिकारी गूंदूर ।

> एम० जेगन मोहन; सक्षम श्रधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, हैक्साबाद

दिनांक: 7~1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

हैंदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 384/82-83-ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उचित बाजार राज्य 25,000/-रा. से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० 147/12, 148/21 है, तथा जो गूडलायनी-पालम, वैझाक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1983।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिक्षित व्यक्तियों, जर्मात् :— 22—476 GI/82 (1) श्री के० रामस्वामी, यंदाडा, वैझाक।

(ग्रन्तरक)

(2) दि स्रोमन द्रा इव्ह को-श्रापरेटिव हाउम बिल्डिंग सोप्ताइटी लि० घर न० 9-19-11, सी० बी० एम० कम्पाडा, वैझाक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

खुली जमीन गृङ्लावनीपालम, यदाङा, बैझाक, एस० न० 147/12 और 148/21, विस्तीण 0.35 1/2 सेंटस्, रजिस्ट्री कृत विलेख न० 4597/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी वैद्याक ।

एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप आह . टी. एन. एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### शारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंसराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देण सं० न्नार० ए० सी० न० 385/82/83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात (उक्त अधिनियम कहा गया है) कि भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 146/2 है, तथा जो गुडलावनी पालम वैमाक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैमाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मध्र, 1982

क्ये पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त् अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों फो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उन्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री की० पेक्षा नूकल्ना, यंदाका, वैझाकः।

(म्रन्तरक)

(2) दि स्रोसेन ड्राइब्ह कौ-स्रोपरेटिब्ह हाऊज बिल्डिंग सोसाइटी लि० डी० नं० 9-19-11, सी० बी० एम० कम्पाउंड, बैझाक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्मृत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निचित में किए था सकोंगे।

स्मक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसुची

खुर्ली जमीन गूडलाबनीपालम, मंदाडा, एस० नं० 146/2, बिस्सीर्भ 0.14 सेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4601/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वैझाक ।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, हैदराबाद

·दिनांक: 6-1-1983

मोडर:

# प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

भायकर **बांबाचियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-थ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 386/82-83-अयतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सम्मान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व्यये मे अधिक है

और जिसकी सं० 147/बी है, तथा जो गुडलावनी पालम वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह बिग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स्रोधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (मन्तरित्रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) चन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत छक्त पश्चित्यम के भ्रधीन कर देव के भ्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बजबे में सुविधा के शिए और/या
- (ख) रेतं। किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा को निए;

ग्रतः अब, चक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसस्य में, में, चक्त धर्षिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के भवीन, निश्वसिक्षित व्यक्तियों, अध्यत्या--- (1) श्री जी० पेदा नूकन्ना, यंदाजा, वैझाक ।

(अन्तरक)

(2) दि ओसेन ड्राइव्ह को-आपरेटिय हाऊज बिलिंडग सोसाइटी लि० डी० नं० 9-19-11, सी० बी० एम०, कम्पाऊंड, वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्रेप :---

- (क) इस नृजना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविद्य या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रूपण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का; बो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, गूंडलावनीपालम, यंवाडा, एस० नं ० 147/बी; विस्तीर्ण 0.29 सेंटस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4602/82, रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी वैक्षाक ।

> एम० जगन मोहन; सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

मो**इ**र :

मारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 387/82-83—यत: मुझ, एम० जगन मोहन,

म्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रसर्ने इसके परवास् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की जारा 269-व के अजीन नकाम प्राधिकारी हो, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से मिकिक है

और जिसकी मं० 148/15 है, तथा जो गुड्लावनीपालम वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में. रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (ख) ऐश्री किसी आय या किसी घम या अध्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पत उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्री जी अप्पालास्वामी पिता पेदय्या, यंदाडा, वैश्लाक (अन्तरक)
- (2) दि ओसेन ड्राइव्ह को-ओपरेटिव्ह हाऊज बिल्डिंग, सोसाइटी, लि० घर नं० 9-19-11, सी० बी० एम०, कम्पाऊंड, वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के । लए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यास्टीक रणः --इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राध्वाय में विमागय। है।

### अनुसूची

खुली जमीन,गूंडलावानी पालम,यंदाङा,एस० नं० 148/15 विस्तीर्ण 36 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4603/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी वैद्याक ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुसिचित अधिनतमें, अधीन ३——

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस..------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 388/82-83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 148/19 है, तथा जो गूड्लावानी पालम वैझाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वितत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अधीतः :——

- (1) श्री के० साधूरेड्डी फ्ता सन्यासी, यंदाडा, वैझाक। (अन्तरक)
- (2) दि आंसेन ड्राइव्ह को-आपरेटिय हाऊज बिर्लेडग सोसाइटी, लि० घर नं० 9-19-11, सी० बी० एम०, कम्पाऊंड, वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

खुली जमीन, गूंड्नावानीपालम, यंदाडा, एस० नं० 148/19, विस्तीर्ण 0.14 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5646/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 6-1-1983

# प्रारूप भारती हो हो हो एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**च**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 389/82-83-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 148/10, 21 और 147/13 है, तथा जो गूड्लावनीपालम वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निमन्तित्वत् व्यक्तित्वां, व्यक्ति :---

- (1) श्री टी० अप्पालास्वामी, यंदाडा, वैझाक ।
  - (अन्तरक)
- (2) दि ओसेन ट्राइब्ह को-आपरेटिब्ह हाऊज बिर्ले**डग,** सोसाइटी, लि०घर नं० 9-19-11, सी०बी० एम०, कम्पाऊंड वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अमुसुची

खुली जमीन, गूडलावानी पालम, यंदाडा, एस० न० 148/ 10, 21, और 147/13, विस्तीर्ण 0.43 सेंटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4773/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी वैझाक।

> एम० जगन मो हन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6 जनवरी 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ज्युकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबा द
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 390/82—83—अतः मुझी, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 148/25 और 22 है, तथा जो गूंड्लावानी पालम वैझाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री जी • मुत्यालू, मंदादा, मैझाक ।

(अन्तरक)

(2) दि ओसेन ड्राइव्ह को-आपरेटीव्ह हाऊज बिल्डिंग सोसाइटी, लिव्घर नंव्य 9-19-11, सीव्यीव्यस्त्र, कम्पाऊंड, वैसाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### जगत की

खुनी जमीन, गूंडलावनीपालम, वैझाक, एस० नं ० 148/25, और 22 विस्तीर्ण 0.30 सेंट्स, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4600/82, रिजस्ट्रीकृत्ती विश्वकारी वैझाक ।

एम० जगन मोहन, सक्ष्मम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

दिनांक: 6-1-1983

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 391/82—83—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1931 (1941 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुवये से धिक है और जिसकी संव्यवनी-पालम, वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी कार्यालय, वैझाक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, विनांक मई, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिसित मे वास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लियं: और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

स्तः अत्र, उक्तु अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसर्क्

बत: बंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिस व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री के० रामस्थामी, यंदाडा, वैझाक

(अन्तरक)

(2) दि ओसेन ड्राइव्ह को-आपरेटिव्ह हाऊज बिलींडग मोसाइटी लि० घर नं० 9-19-11, सी० बी० ऐम० कम्पाऊंड, वैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को मर्जन लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इन स्वना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामीन से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उकत यिधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस सहयाय में दिया गया है।

# नन्स्ची

खुली जमीन, गूडलावनी पालम, ग्रंदाडा, वैझाग, एस० नं० 148/22, विस्तीर्ण 0.0567 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4599/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्वेश सं० आर० सी० नं० 392/82-83-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं एस नं 2 है, तथा जो मधूरवाडा, वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियंग की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

23-476 GI/82

(1) श्री डी० सीतादेवी पित नर्रासम्हाराजू, श्रीरामनगर के० कृष्णा (3) पोलय्या, दोनो भी पेंटय्या के पुत्र हैं, जनवलसा, विजयनगरम जिला ।

(अन्तरक)

(2) टीचर्स को-ओपरेटिव्ह हाऊज बिर्लेडग सोसाइटी, लि० नं० बी० 1836, बैझाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, एस० नं० 2 मधूरवाड़ा, वैझाक, विस्तीण 3.50 और 1.416, हेक्टर्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5461/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-1-1983

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निदेश सं० श्रार. ये० सी० नं० 393/82-83--यतः, मझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ं एस० नं ० 2है, जो मयूरवाड़ा वैझाल स्थित है (और इससे उपाबंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वैझाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मह, 1982 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, मिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्री 1. डी० व्यी० रमनम्मा पति व्वी० फुष्णावरमा, ग्रीर भ्रन्य दो, जोन्नावलसा, विजयानगरम जिला

(भ्रन्तरक)

(2) टीचर्स को-श्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाईटी लि० नं० बी० 1836 वैझाक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

बूली जमीन एस० नं० 2, मधूरवाड़ा , वैशाक, विस्तीण 3.50 ए कर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5444/82, रजिस्कर्ता अधिकारी वैद्याक

(एम० जेगन मोहन) सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-1-1983

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

मायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 394/82-83-यत: मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000 ∕- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० नं० 2 है, जो मधुरवाड़ा वैझाक, स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैज्ञाक में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे धरयमान प्रतिफल का प्रंब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् इ---

(1) श्री 1. डी० वेंकटरमनम्मा पति डी० बी० कृष्णावरमा, श्रौर श्रन्य दो, जोश्नावलसा, विजयानगरम

(भ्रन्तरक)

(2) टीचर्स को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाईटी, लि० नं० बी-1836, वैंघक

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख सै** 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर समनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

**स्पष्टीकरण:---इस**में प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन एस० नं० 2, मधुरवाड़ा गांव, वैघाक, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5445/82, र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वैद्याक

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 6—1—1983

मोहरः

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 395/82-83---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 2 है. जो मधूरवाड़ा वैहाक, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्णेरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विवशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :----

- (1) श्री 1. डी० वी० रमनश्ना पति डी० वी० वरमा, विजयानगरम,
- (2) रामाइंद्राराजू, पूसापती, गजपती राजू, जी० पी० ए०, श्री० पीक्क्ही एन०राजू, विजयानगरम

(भ्रन्तरक)

(2) टीचर्स को-श्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाईटी लि० नं० बी० 1836, वैझाक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

खुली जमीन एस० नं० 2, मधूरवाड़ा, वैद्याक, विस्तीर्ण 3.50 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5446/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी वैजाक।

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 6-1-1983

प्रक्प बाइ". टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**भ्र**र्जन रेंज, **हैदराबाद** 

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 399/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 24 है, जो कृष्मा कोम्पलक्स ि कन्दरा-बाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूक्ते यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्वमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिशित उस्वेंच्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की रिश् 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, स्थात् :— (1) मैसर्स कृष्णा कोम्पलैक्स, श्रौर को० बाई एस० प्रभाकर रेड्डी 2-2-132, से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर धीनराज सूराना ग्रौर श्रन्य, 7-1-80/3/1, श्रमीरेपट, हैवराबाद-16

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षण के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पार्रे का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

# वनुस्ची

णाप नं० 24, कृष्ना काम्पलैक्स, एम० जी० रोड, सिकन्दरा-बाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 424/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सिकन्दराबाद

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 4-1-1983

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश स० म्रार० ए० सो० न० 400/82-83--यतः मुझे एस० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 407, 408, 409 ग्रौर 410 है, जो मसर्स स्वास्तोक कस्ट्रक्शन स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में भारतोय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मसर्स स्वस्ति। कस्ट्रकणन को० 111 एस० डा० रोड, सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० डी० लक्ष्मी देवी पति श्री जो० सुधाक रेड्डी, फ्लैट न० 302, मोघल डेक्कन टायरस, बसोरबाग, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफिस नं० 407, 408, 409, श्रीर 416, 4 था मजला, चन्द्रलोक श्रापर्टमटस, सिकदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3692/82, रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी एम० मार्केट

्एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज हैदराबाद

ता**रीख**: 4—1—1983

प्रकप आहाँ .टी . एन . एश . ------

# आयकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रथीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 401/82-83--- पत मुझे एम० जेगन मोहन

नुसार्कर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभा प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रू∙ से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 417 से 420 श्रीर 421 है जो चन्द्रलोक काम्पलैक्स सिकन्वराक्षाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मई 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, दक्त प्रधितियत के प्रीत कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए और/या:
- (च) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अस्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया थाया किया जामा चाहिए था, कियाने में स्थिधा के लिए;

अतः अव, उर्द प्रधिनिवन की बारा 269-म के धनुसरण में, में, धरत प्रधिनियम की बारा 269-म की खपबारा (1) को भुषीन निम्नसिद्धित व्यक्तियों, नुष्ति:-- (1) मैसस स्वस्तीक कस्कशन को० 111 एस०डी० रोड सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सुबोदा रेड्डी
पित श्री एस० विजयारेड्डी
 16-8-240/5/1 न्यु मलकपेट
हैवराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रावंन के लिए कार्यवाहियां क्रस्ता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रार्वत है सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :~

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास विश्वास में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रष्टिनियम के श्रष्टयाय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

माफिस नं ० 417 से 421 4 था मंजला चन्द्रलोक काम्प-लैक्स सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3961/82 रजिस्ट्रीकृत प्रधिकारी माजमजाही मार्केट

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज् हैदराबाद

तारीख: 4-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस , ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश मं० धार० ए० सी० नं० 402/82-83---यत मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिगम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- र 0 से अधिक है

ग्रौर जिसकी स्० 3/16थ शेर ग्राफ प्रभात टाकीज खम्मम स्थित है (ग्रौर इससे उपाब ग्रमुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खम्मम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था पा किया जाना चाहिये था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एच० पुरषोत्तम राव पिता रामाराव प्ररेकोड गांव तीरामलयापालम तालुक खम्मम जिला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० कोटब्या पिता लवय्या वाटर टेंक रोड खम्मम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविभि जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

3/16 थ शेर प्रभात खम्मम रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 191 82 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खम्मम

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप. आह. टी. एन. एस. ----

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961, का 43) की घारा 269-व (1) के श्रंषीत सूर्वना

#### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

े निर्देश संब्धारिक एवं सीव नंव 403/82-83---यतः मुझे एमव जेगन मोहन

धायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विक्वात् 'उकते प्रवित्यम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 1227/13 सी० है, जो नैलीर स्थित है (ग्रीर क्सिसे उपाधक प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कायलिय नैलीरणमें भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कि का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कि क्षेत्र वृश्यमान प्रतिश्वल का पन्तह प्रतिकित अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति- एल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भे भंक्षरण से हुदै किंदी भाष की वाक्य उक्त सकि-नियम के प्रधीन कर देने क श्रेम्लर्रक के वायक में कमी करने या उससे बचने में भृतिषा के लिए। बीर/वा
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, खियाने में सुविधा के लिए;

भनः श्रम, उन्त भविनियम की घारा 269-ग के जनुसरण म, म, क्ष्म भविनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 24—476 GI/82 (1) श्री सुब्बारामय्या पिता सुबय्या सोधन नगर, नैस्रोर टाऊन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० रामधेनू, जेगन मोहन राव पिता सूर्याराव, पोगाथोटा, नैलोर टाऊन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इन मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहकताकरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्वेड्डोक्सरण--इसमें प्रगुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो, उक्त. श्रीवितयम के श्रव्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रयं होगा, जो उन श्रव्याय में दियां नवां है।

## वपुत्रची

चर सम्पत्ति, घर नं 1227/13-सी फतेखानपेट, नैलौर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2420/82, रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी नेलौर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 4-1-1983

मोहरः

त्ररूप् बाहै. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाव, दिमांक 6 जनवरी, 1983

निदेश सं० 404/82-83--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 6-3-3/1, है, जो न्यू जेल रोड, सिकन्दराबाद स्थित है (भौर इससे उपाबस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से केम के अस्वपान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेश्यों से सक्त जन्तरण लिखित के बास्तरिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्त्रहरून वे हुन्द किसी नाम की बाव्तु, उपल विधिनिष्म के बचीन कह देने के बन्तुहरू के ब्रायित्व् में कमी कहने या उसले बचने में सुविधा के लिए; अहर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुधीन निम्मुलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स जेठ लाल नंजी श्रवर्स, टिम्बर मर्जेंट, नं० 9, म्यू मोईगुंडा, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रतनजी पत्रेल, पार्टनर, मैसर्स पटेल टिम्बर, डीपोट, 6, 3/2, न्यु जेल रोड, सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तु सुन्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सभ्यन्थ में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकालन की तारी वा से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवाय अधोहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्यों बीर पर्यों का, वो उक्त निभनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिक्त गुवा हैं।

## अन्त्वी

धर नं० 6, 3-3/2, भीलकपुर, सिकन्वराबाद का भाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 435/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सिकन्वराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम घधिकारी सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-1-1983

प्राक्ष्य बाइ . टी. एन . एस . -----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैषराबाद, दिनांक 6 अनवरी 1983

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 405/82-83-यत: भुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 6-3-3/1, है, जो गोलकपुर सिकन्यराबाद स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल् विम्निलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्तविक कृष्य से क्षिण नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी जाय की बाबत, उत्तरत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी कड़ने या उत्तरसे ब्यने में सुविधा के जिए; जीड़/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नतिचित व्यक्तियों वर्षात् ः— (1) मैसर्स जेठलाल नंजी बदर्स, टिम्बर मचेंट, नं० 9, न्यू मोईगुंडा, सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शीवमान पटेल, पार्टनर, मैसर्स पटेल टिम्बर डीपोट, 6-3-3/2, न्यू जेल रोड, सिकन्दराबाद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीख वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  वविध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्यों का, जो उक्त जिमित्रमा, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में विया यस हैं।

# वपुरुवी

सम्पत्ति घर नं० 6-3-3/2, प्लाट नं० 2, गगो कर्ता सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 486/82 गोकलपुर, भिकारी सिकन्दराबाद।

एमं० जेगन मोहन सक्षम मधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 6-1-1983

# प्रकृष् नाई. टी. एन्. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के नभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 406/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 214 है, जो काबाकाम्पलेक्स, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल को, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेषों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की अवत, छक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, जियाने में सुविधा के निए;

कतः वन उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा : (†) के अधीन निम्मतिश्वित व्यक्तियों , जर्मात् :—  मैसर्स कान्नाकाम्पलैक्स, को० वाई० एस० प्रभाकर रेड्डी, 2-2-132, से 139 एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैंप्टन एल० डी० वर्मा,
 (रिटायर्ड) 6-1-277/4,
 पद्माराव नगर, सिकन्दराबाद

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थम् के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्क्स भी कार्काव :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो भी अव्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्त्रीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में द्वितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पहल निर्धित में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो: उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभावितः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

## नगुजुकी

माफिस नं० 214, काका काम्पलैक्स, 2-2-132 से 139 दूसरा मंजला, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, राजिस्ट्रीकृत लेख नं० 438/82, राजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी सिकन्दराबाद ।

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्रधिकारी (सहायक प्रायकर प्रायुक्त) निरीक्षण धर्जन रेंज, हैवराबाव

तारीख : 6-1-1983

# प्रकृष बाह .टी. एनं .एनं . ------

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्देशका)

धर्जन रेज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनांक 6 जनवरी 1983

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 407/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवातः 'उवकः अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 191 हैं, जो भालवाल स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, वल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कप्रयो की कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूज्य, इसके दरममान प्रतिकाल से, एसे दरममान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; वौर/मीं
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, पिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्यी थि या किया जाना शाहिए था कियाने में सुनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसूरण को, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पनितयों, जनति :---

(1) श्री एमें भारे हर्णी, एक्स एमें पी भासवास,

(मन्तरक)

(2) श्री जह जोहबननगर को-प्रापरेटिव हाऊस बिस्डिंग सोसाइटी लि०, बाई मछेदा, सेन्नेटरी, 69/ई, त्यू मोई मूडा, सिकत्यराबाद

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बॉकीय :--

- (क) इस स्वना के राष्म्रज्ञ मा प्रकाशन का बाराब स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में विका गवा है।

# नन्सची

भूमि, एस० न० 191, विस्तीर्ण 6 एकड़, प्राणुवास, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 387/82, रिजस्ट्रीकृती प्रधिकारी वस्लभनगर

(एम० जेगन मोहन) संक्षेम संधिकारी (सहायक सायकर) श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेज, हैयराबाव

तारीखं : 6-1-1983

मोहर ः

प्ररूपः आई. टी. एक. एस. -----नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निहम सं० घार० ए० सी० नं० 408/82-83---यतः मुझे एस० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 404 से 406 है, जो चन्द्रलोक काम्पलैक्स सिकन्चराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण तिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उपत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

सतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स स्वस्तीक कंस्ट्रक्शन कं०,
 111, एस० डी० रोड,
 सिकन्यराबाद

(भन्तरक)

(2) श्री सुधाकर रेड्डी (कर्ता) एच० यू० एफ० पिता श्री राम रेड्डी, फ्लेट नं० 302, मोधल डक्कन टावर्स, बसीरवाग, हैवराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के विष कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संप्रति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाध्येप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पन्नीकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्बी और पर्यो का, औ उक्त विभिन्निम, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा, जो उस वध्याय में विया गमा है।

# मन्द्रदी

श्राफिस नं० 404, 405 श्रीर 406, 4था मंजला, चन्त्रलोंक काम्पलक्स, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3963/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोक्समजाही मार्केट,

> (एम० जेनन मोहन) सक्षम श्रधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1983

प्ररूपः बाह्रः टी. एनः एसः -----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 409/82-83:--यतः मझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 कम 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं 1983/1, 2, 1984/1, और 1984/2 का विश्व कावली कावली स्थित हैं (भौर इससे उपावक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विश्व हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कावली में रिजस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ह्यमान प्रतिफल से, एसे ब्ह्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिसत से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे बंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिवित में बास्तिक रूप से कथित नृद्धों किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के जलारक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; जौर/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री मोहस्मद ग्रामजब साहेब पिता सालार ग्रालूरपटा, कोऊर तालुक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० नरसय्या . पिता रोसय्या और 39 श्रन्य, मैकुनापूरम, कनीगरी

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

जनक सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वासः अधोहस्ताक्षरी के वास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों शौद्र पदों का, जो उनता व अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### मगत्त्र ची

भूमि विस्तीर्ण 12.50 एकड़, भार० एस० नं० 1983/  $1,2,\ 1984/1,\ भीर\ 1984/2,\ कावली गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 597/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी कावली।$ 

् (एम० जेगन मोहन) सक्षम मधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) निरीक्षण मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1983

# भृ<del>क्ष्यु आहें.</del> टी. एत्. एस.-----

नायक द मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अभीन सुमृत

## भारत् स्रकारु

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्वालक)

धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 410/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर मिलियुन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/- द० से संसिक्ष है.

कौर जिसकी सं० नं० 715 है, जो पीलाहस्ती में भारतीय रजिस्ट्र-करेण प्रधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यताल प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि विव्यास करने का कारण है कि विव्यास करने का कारण है कि विव्यास प्रतिकल से उसके बृथ्यमान प्रतिकल का प्रमाह प्रतिकल का प्रमाह प्रतिकल का प्रमाह प्रतिकल का प्रमाह प्रतिकल के प्रविद्या से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय प्राथा गयन प्रतिकल का निक्लिक विव्यास से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का से से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिश्र-नियम के भ्रष्ठीत कर देने के भन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्किया के लिए; भीर/या
- (क), ऐसी किसी काय या किसी अन या अग्य वास्तियों को, जिन्हें आरसीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त धिक्षियम, वा तककर धिक्षियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संवाका या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के शिए।

बतः ज्व, उक्त विभिनियम् की भारा 269-म के वनुसरण को, को, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपवास (१) को बभीन, निस्नसिवित व्यक्तियों, वर्भात्:---- (1) श्री सी० कातम्भा पति श्री सी० गोपाल, 715, नेहरू स्ट्रीट, श्रीकलाहास्त्री

(बन्तरक)

(2) श्री बन् भानन्दराव पिता लेट सूनमंतीयम चेट्टी पार्टनर, मैसर्स धर्मलक्ष्मी क्लाथ हाल, श्रीकलाहस्सी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपर्टित के वृजन के निए कार्यवृत्तिहर्माः करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी मार्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रकृति या तस्त्रम्थकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवृत्ति, वो भी प्रवृत्ति वास में समाप्त होती हो, के भीत्र पूच्यक व्यक्तियों में से विक्र क्वांति कारा।
  - (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दित के भीतार जनत स्थानर सम्प्रीत में हिस्त नक्ष किसी जन्म व्यक्ति युवारा जभाष्ट्रस्ताक्षरी जैं। पास सिविद्य में किए जा सकींगे।

# **बुबुद्धीं**

इमारत, नेहरुस्ट्रीट, घर नं० 715, श्रीकलाह्यस्ती, राजिस्ट्री-इत विलेख नं० 856/82, राजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी श्रीकलाहस्ती

> (एम० जेगक मोहन) सक्षम श्रीक्षकारी (सहायक मायकर श्रायुक्त) निरीक्षण श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**च**ः 4–1–1983 <sub>:</sub> मीहर**ः** 

# प्रकप बाई • टी • एत • एस •---

माय्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-घ (1) के अधीन स्मृत

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 411/82-83--यतः भुक्षे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं • नं • 715 हैं, जो श्रीकलाहस्ती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीकलाहस्ती में भारतीय राजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

कर्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृषेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनें को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; को लिए;
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री सीं० कातम्मा पति श्री सी० गोपाल, 715, नेहर स्ट्रीट, श्रीकलाहस्ती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खबू मोहन राव पिता गोपाल चेंद्दी, मैसर्स धनलक्ष्मी क्लाथ हाल, श्रीकलाहस्ती

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचन के राज्यक में प्रकाशन की तारी करें 4% दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अस में समाप्त झूरती हो, के भीतम पूर्वों कर स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्य
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में विहत-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति वृक्षत्र स्थाहरूराकारी के पास निध्नत में किए जा सकती।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्चों का, जो उपल अधिनियम के अध्यान 20 का में परिकारिकर हैं, वहीं कर्यहांगा जो उस अध्याम में विष्ण गुमा हैं।

# मनसर्ची

ऊपर की इमारस, नेहरु स्ट्रीट, घर नं० 715, श्रीकलाहास्ती रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 855/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्रीकलहास्ती

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैचराबाद

तारीखा: 4-1-1983

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 412/82-83- यतः मुझे, एम० जे गन मोहन,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3/262, है, जो सत्यगुन्टा रोड, नेलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नेलीर में भारतीय रिजस्ट्र-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन मई-

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल को, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीम, निस्नितिबत व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री एन० वी० राजगोपालन, पिता लेट एन० वेंकटरंगाचारी येलु रंगानायकुलूपेटा, श्रनकट्ट रोष्ठ, नेलीर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीनिवासा ग्राउन्ड नट, इन्डस्ट्रीज, बाई श्री पी०पी० वेंगय्या भौर भन्य, घर नं० 3/262, सत्यगुंटा रोड, नेलौर-2

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिस्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## **अ**त्सची

धर सम्पत्ति, धर नं० 3/262, सत्यगुंटा <mark>रोड, नेलौर,</mark> रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1855/82 रजिस्ट्रीकर्ता **मधिकारी** नेलौर

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1983

प्ररूप नार्दं दी. एन. एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 413/82-83—यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० 3/262, है, जो सत्यगुंटा रोड, नेलौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नेलौर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई,

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृतका, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मंं, मंं., उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ः--- (1) श्री एन० पी० बालाजी, नलर्क, स्टेट बैंक ग्राफ हैदराबाद नेलौर

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीनिवासा ग्राउन्ड नट, इन्डस्ट्रीज, बाई श्री पी० पी० वेंगय्या ग्रीर ग्रन्य, घर नं० 3/262, सत्यगुंडा रोड, नेलीर-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

घर सम्पत्ति, शेड के साथ, ए० नं० 1576/219, घर नं० 3/262, सत्यगुंटा रोड, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 1849/82, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी नेलौर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्रक्रम अक्ष्युं, टी. एत. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सृकता

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद
हैदराबाद, विनांक 4 जनवरी 1983

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 414/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1576/439 है, जो सोमभेखरापुरम नेलौर में दिखत है (श्रौर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्परित के छित्रित काकार मूल्य से का के दरमान प्रतिक्षण के लिए जन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिक्रों) को बीक एसे अक्तरण के लिए तम पाम गमा क्रिक्कल, निम्निजिक्ति उद्योकों से उक्त अंतरण विचित में कास्तिक रूप से किश्व नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सक, उक्त भरिधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, नर्भात्:— (1) श्री वाई० बालकृष्णा रेड्डी पिता वेंकटारेड्डी, कोटक, नेलौर

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ सोमाशेखरा रेड्डी श्रौर श्रन्य दो पैडल, इन्दूकरपेट, नेलौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जिस्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिअग्नी खत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## वन्स्ची

बाहर का घर और भूमि, सोमशेखरापुरम, नेलौर, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1901/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी नेलौर ।

> एम० जेगन मोहन सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्नायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जावकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च् (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 415/82-83--यतः मुद्दो, एम० जेगन मोहन,

कायकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो भीमराम वरंगल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्जा श्रीक्षकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रस्यमान प्रतिफल को एसे रस्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस उद्देष्य से उक्त अंतरण निसिस में वास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुई किसी अाय की बामत, उपक अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जी क्रमलम्मा पति नरिसम्हा राव जीपीए० एम० नरिसम्हाराव, अड० व्हॅकिट, बालासमुद्रम, हानमकोंडा, वरंगल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रादर्श हाऊसीग को-श्रापरेटिय मोसाइटी, बाई श्री मधूसूदन रेष्ट्डी, बालासमुद्रम, वरंगल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरण:---इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया ही।

# जन्सूची

भूमि, भीमाराम गांत्र, वरंगल, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2660/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वरंगल,।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

**तारीख**: 15-1-1983

मोहर 😘

प्ररूप बाह् . टी . एन . एस . -----

भारत क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 416/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जासकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूस्य 25,000/- फ. से अधिक है

भीर जिसक सं० भूमि है, जो तारनाका हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण सिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद प्रतिकृति से बिधक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिफल निम्नलिकित उद्योग्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किसी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सृषिधा के लिए;

वरः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्य स्थीनत्यों, अर्थात्ः (1) श्रीमती ताहेरा बेगम6-3-565,सीमागूडा, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० धनसुयम्मा, 183, न्यू एम० एल० ए० क्वाटर्स बसीरबाग, हैदराबाद

(भन्तरिती)

को मह सूचना कारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जगिध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्ष्यित्तयों में से किसी व्यक्ति प्रवास प्रवास
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होपा, जो उस अध्याय में दिवा क्या ही।

#### मनसर्वा

भूमि विस्तीर्ण 878 चौ० मी० स्ट्रीट नं० 1, तारनाका, सिकन्यराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1296/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी सिकन्दराबाद

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीजण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-1-1983

प्रकृत कार्यः, टी. एग. एक्.-----

भागकर विभिनित्रय, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नुभीय सूच्ना

## भारत सूरकार

कार्याज्य, सञ्जयक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० प्रारं ए० सी० नं० 417/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नानकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के वधीन सक्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रा. से विधिक है

भौर जिस सं० प्लाट नं० 3 है, जो इसाक कोलानी स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 काा 16) के श्रीधन, मई, 1982

को पूर्षोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्षण के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तस्थ प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नीलीवत उद्वोद्य से उक्त ज्नतरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुन्दें किसी जाय की वावल, उक्स अभिनियस के अभीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के बिए; बार्टिश
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

क्तः क्षा, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, कर्नात् :--- (1) श्रीमती लतीफ बेगम, जर नं० 136, पेंडरघास्ट रोड, सिकन्दराबाद

(भन्तरक)

(2) श्री एल० नागेक्वर राष,
 3-4-514/7,
 बरकतपुरा, हैवराबाव

(भन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त संपरित के वर्षन के जिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम् मं प्रकाशन की तारी व से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यां से
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा मकोंगे।

स्थाकीकरण — इसमॅप्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसृची

क्लट नं० 3, इसाक कालोनी काकामुखा गांव, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 141/92, रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी सिकन्दराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

त्ररूप भाषां. की .एन .एस्. ------

भागकर अ<u>पि</u>भिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 2**89-म (1) के घडीत सुच**ता

भारत बरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 418/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा यया है, की घारा 269-ख के अधीन उक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिंचत बाजार मृस्य 25,000/- ए० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 15-1-408 से 407 है, जो फीलबानी हैदराबाद स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुदबावली में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिकत उद्देश्य से उद्या अन्तरण जिल्लित में श्रम्तिक क्य में की यन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर भिर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमौजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः, अ्व, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण् भं, मं, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तिय््ां, अभित् ः— (1) श्री एस० एच० मोहीउद्दीन
 15-1-406 से 407,
 फीलखाना, हैदराबाद

(भन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीनारायण दोडीया, 15~2-338, मुक्तीयारगंज, हैदराबाद

(मन्तरिती)

को यह सुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेवित व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकती।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पण्टि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

#### पन सची

घर नं० 15-1-406 से 407, पुराना फिल्म्थाना, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 772/82 रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी वृद्धवावली

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निश्वीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 419/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15-4-47, 48 है, जो गवलीगूंडी हैदराबाद स्थित है (ग्रैंर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दूदबावली में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1मैं8 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को पूर्षिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26---476 GI/82

(1) श्री बहबूद ग्रांसी खान1-8-322, बेगमपेट, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कांता बहन, (श्रीमती कांता बेन पटेल) घर नं० 4-1-10/बी 5 प्रभती को-शापरेटिय हाऊसिंग सोसाईटी, तिलक रोड, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति यो तो से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

गल्मी नं० 15-4-47, 48 श्रौर 15-4-219/3, गवली-मूडा, चमन, श्रफजलगंज, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 607/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी दूदावावली

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्ररूप बार्वं .टी .एम् .एस . ------

नायुकर विधि[नयम्,: 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन सुधना

## भारत ब्रकार

कार्यात्तय, सहायक बावकर बायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० म्नार० ए० सी० न . 437/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परचात उदत निर्मानयम कहा गया हैं) की भारा 269-च के निर्मात कम प्राधिकारी को, वह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका जीवत वाबार मून्य 25,000/- क. से सिधक हैं

श्रौर जिसकी सं भूमि है, जो कल्लूर गांव करनूल स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) बन्तरण ते हुई किती बाय की वादत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्षणे में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय था किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रीमती कासिम बी० पति फकीर ग्रहमद श्रीर ग्रन्म 11/116, पेटा, करनूल

(मन्तरक)

(2) श्री विनाया ट्रेडर्स, करनूल फर्म मैनेजिंग पार्टनर, श्री एस० जी० ग्रामरनाथ, 67/40, कोटा करनूल

(धन्तरिती)

को यह भूचना जारी क<u>र</u>के पृथोंक्त संपत्ति के वर्षन के सिम्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उनत बज्यसि के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी जविध, बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

स्वक्दीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वृषे होंगा, जो इस अध्याय में विवा वृषा ही।

# मनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 0.80 सेंटस, कल्लूर गांव, करनूल रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1930/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी करनूल

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

मोष्टर:

बतः अव, उत्तत निधीनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त, अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीन :---

# प्रक्ष बाह् ,टी ,एन ,एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन सूचना

## नारत सरकार

कार्वालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका) धर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० झार० ए० सी० नं० 438/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

25,000/- रु. सं नायक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो करनूल गांव करनूल में स्थित है

(ग्रीर इससे उपावथद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित)

रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय करनूल में रिजस्ट्रीकरण

ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचाद मून्य, से कम के सम्मान

प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुमें वह विकास
करने का कारण है कि वणायुवाँक्त संपत्ति का उचित वाचार
मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफ स से, एसे व्यवमान प्रतिफ स का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकार) और वंतरिती
(अन्तरित्यों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तब पाना नवा प्रतिक कस निम्मसिचित उद्वर्धय से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप है करियत नहीं किया गया है?---

- (क) ब्रम्बद्धक से हुइ किसी बाग की बाबत, उक्त बाद्यियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बादिस्य में कभी करने ना उससे वजने में सुनिया के सिष्; बाद्धि/या

बतः अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग को, जनूतरण मों, मों, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग को उपभीरा (1) के अभीग, निस्तिविधित व्यक्तिवाँ, वयात् ∷--- 1. श्रीमती कासाम बी० पति फकीर झहमद श्रीर झन्य 11/116 पेटा, करनूल।

(भ्रन्तरक)

 श्री विनायक ट्रेडर्स, फर्म मैनेजिंग पार्टनर: श्री एस० जी० ग्रामरनाथ 67/90, कोटा, करनूल ।

(भन्तरिती)

को यह जुलना चारी करके पूर्वोक्त तम्पृतित् की वृद्धन के जिए कार्यवादिकों करता हो ।

# चनद बन्दरिय के बर्जन के बन्दन्य में कोई भी आसोप्र==

- (क) इस सूचना के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि वाद में दनाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुनाराई
- (क) इद्ध बुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितजब्ध किसी बन्ध अवित द्वारा नुभोहस्ताक्षदी के नास किदित में किए वा सकोंगे।

क्ष्यक्रिक्त:--इसमें प्रयुक्त सुन्यों और पर्यों क्या, जो स्थल क्षितियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# जनसूची

खुली जमीन कल्लूरु गांव विस्तीर्ण 0.80 सेंट्स रजिस्ट्री-कृत विशेख नं० 1821/82 रजिस्ट्रीकर्ता भाषिकारी करमूल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रामिकारी सहायक भायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख 15-1-1983 मोहर: प्ररूप भार्ते, दी., एन., एस्.,------

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ज्धीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1983

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० 439/82—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन. जो कल्लूर गांव, करनूल में स्थिनहै (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनूल में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से गुड़ा किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

नतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के निर्मरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एन० सीवय्या पिन एन० स्वामी रेड्डी,
 46/347, बुधवारपेट, करनूल, करनूल।

(ग्रन्तरक)

श्री इंदिरा ट्रेडर्स फर्म मैनेजिंग पार्टनर
 श्री टी० वीरा शेखरम पिना सोमशेखरम,
 27/114, करनूल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 0.70 सेंट्स, कल्लूर गांव, करनूल रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 422/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी करनूल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 15-1-1983 मोहर: **प्रकृत कार्य**ुद्धी सुप्ता पु**र्य**ा सुद्धान सम

काज्यकः सृष्तिसम्, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक भावकर (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1982

निदेश सं० झार० ए० सी० नं० 440/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन स्क्षेत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 647/1 है, तथा जो अम्बरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय हैदराबाद में राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कब् के स्वयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नीनिवत उद्ववेद्यों से उक्त अन्तरण कि विष्कृ मे वास्तरिक रूप से कि वृत्त नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किती आव की वाचता, जक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कती करने वा उसके बचने में जुनिशा के तिन्द्र; वीह/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या धन- कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए १)

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पी० सरोजिनी,
 प्लाट नं० 27, भवानीनगर, दिलसुखनगर,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० रामश, प्लाट नं० 2, भ्रांश्रा बैंक कालोनी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्वशाहियां गुरू करता हुई।

उक्त तब्द्रित के वर्षन् के तस्यन्थ में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकातन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राष्ट्र में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्प्रीत में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्साक्षरी के पात निवित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दिकरण है— इसमें प्रयुक्त करतें और पदों का, थी उन्त अधिनिवन के स्थाय 20-क में प्रिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिका गवा है।

भनुतू वी

खुली जमीन, विस्तीर्ण  $38 \ 1/2$ , गूंटा, ग्राम्बरपेट, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3491/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख 15-1-1983 मोहर:

# भ्रम् आर्ड. दी. प्राः प्राः न्यान्य माय्कर जीभीन्यमः, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निर्देशिश)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार०ए० सी० पं० 441/82-83-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6471 है, तथा जो श्राम्बरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को प्थेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्यू पाया गया विकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बलहरण ते हुए किसी भाव की वाबस्त, उपस बहैपरिन्युम् के अपीत् कह वाने के अन्द्रक के बाहिएक में कती कहने वा उससे बुझने में बहैगान से लिए; बहि/का
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बाहिसवां को, जिन्हें भारतीय बाय-कर सिंभनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत वृधिनियम, या भनकर विधिनियम, या भनकर विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्दरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाता जाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

मतः जन्, उनल अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मो, जो उनल अधिनियम की धारा 269-न को उन्धारा (1) को अधीन् ा निम्नलि⊈चल व्यक्तियों अधीत् ध—

- श्रीमती व्ही० सुजाना घर नं० पलाट, नं० 27, भवानीनगर, दिलसुखनगर हैदराबाद ।
  - (भ्रन्तरक)
- श्री व्ही० सत्यंदर,
   घर नं० 16-2-145/5/3,
   मलकपेट, हैंबराबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाइ हित्वित में किए का तकोंगे।

स्पत्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को 'उनद वर्षितियम', को न्याब 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्भ होगा, हो उस न्याब में दिवा नवा है।

# नपृष्यी

खुली जमीन विस्तीर्ण 38 1/2, गूंटा, एस० नं० 6471; श्राम्बरपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3490/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम**ं जेगन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख 15-1-1983 को**ड**ड ध प्ररूपः नार्चः दी. एम . एस . -------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन तूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए०सी० नं० 442/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० 22-7-714, पोर्शनस् है, जो मंडी मीरालम, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रातमपूरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल जिम्मलिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बादरिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सिक्था के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखिक स्पन्तियों, अर्थादः --- श्री इक्ष्वाल धौर धन्य,
 21-1-104, मोती मस्जिद,
 विरुली दरबाजा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 डा० मोहम्मद इद्रीस , घर नं० 11-5-43, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां कद्वता हुं [8]

जबत संपरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गमा है।

# मन्सूची

पूर्व श्रौर पश्चिम भाग, गोडाऊन, नं० 22-7-714, मंडी मीर श्रालम, हैदराबाद, विस्तीर्ण 119.20 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1786/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राप्त मपूरा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-1-1983

प्रारूप भाइ . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 443/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हर से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10/3/291/1/के० हैं, जो विजयनगर, कालोनी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खैंरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्योग्य से उसत अन्तरण लिशित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री सी० एच० मोहन राव, घर नं० 2-2-1105, तिलक नगर, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती के० राज्यलक्ष्मी, घर नं० 10-3-291/1/के०, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के नर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षप --

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त विधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के सिक्; बॉर/बा
- (ख) इस सूचना के , राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वस्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुधी-

जमीन का भाग, श्रौर पहली मंजिल, घर नं० 10-3-291/ 1/के०, विजयनगर कालोनी, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 939/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी खैरताबाद,।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

श्रुरूष् आर्षे. टी. एन्., एस<sub>. व</sub>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदगाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेण सं० प्रार० ए० मी० नं० 444/82-83—श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन नक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क में निधक है

श्रीर जिसकी सं० 10-3-776 है, जो विजयनगर कालोनी, हैदराबाद में स्थित है (चीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणय है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्स संपरिश का उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उचके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत अधिक ही बार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्वित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आमृकी बाबस्, उक्त अधिनयम के कधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एंसी किसी नाय या फिसी पून या अत्य आस्तियाँ कर्ते, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था मा जिल्हा जाना नाम का भारती है। किया जिल्हा के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :—— 27—476 G1/82

मोहम्मद श्रब्दुल करीम
 11-1-933, मलेपल्ली,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्री सबोरूल हुगैन श्रीर श्रन्य,
 केग्रर श्राफ : मीसाक पेन जनरल स्टोर्स,
 नामपल्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी -के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## यनस्यो

घर स० 10-3-776, विजयनगर, कालोनी, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं० 1032/82, रिजस्ट्रीकर्ती स्रिधकारी खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

अ्र्ष्य आहे. टी. एन. एस.-----

शायकर ज्धितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्ग्यक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 445/82-83—भत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बाब्जर बिधिनियमा, 1961 (1961 का 43) जिसे इस्में इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उषित् बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो गड्डीमलकापूर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिनहै) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खैरतादबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निल्खित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्यक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबसू, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती एस० लक्ष्मी पित श्री ग्रार०लक्ष्मन, घर नं० 12-2-709, करोल बाग, वीरबन, गड्डीमलकापूर, ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स गनेश कंस्ट्रक्शन्स वाई श्री एच०म्रार० नरसिंहामूर्ती घर नं० 161, टी 14था मेन रोड, 4थ ब्लाक, जयनगर, बंगलौर-560011।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्तु सी

खुली प्लाट नं० 21, 22, 23 एम० एस० नं० 291/1/2/3, बिरबन, गुड्डीमलकापूर, हैयराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1018/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई ुटी. पुनः, पुसः,-----

बाम्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 446/82 83--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है।, की धारा 269-क् को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-9-12, फ्लेट है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम० मार्केट, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनिमय 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स धनंतजय होटल्स, प्रा० लि० बाइ श्री ए० जीतेन्द्रा नाथ पिसा ए० एस० राजू, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद ।
   (अन्तरक)
- श्री सी० एच० कृष्णा बापी, राजू पिता श्री सी० एच० ऊमा महेवर राव,
   16 बी, मधुवेन, फारेस्टोन रोड, बाम्बे-21।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त हाट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ० इ. पहिला संजिल, सङ्फाबाद, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3690/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 447/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मीहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण  $\xi^2$  कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5-9-12, फ्लेट है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम० मार्केट, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वो एत सम्पत्ति के उचित आंजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विव्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाइ श्री ए० जीतन्द्रां नाथ पिता ए० एस० राजू, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. खा० नीरमला पित डा० डो० एन० राव, श्रीर श्रन्य एक 8-2-681/5, श्रमनीका, हैंदराबाद-34 ।

(धन्दरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ता संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्त्रांयधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ल्यों जत त्यारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत्र स्थानर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याश अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तिं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गवा है।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं० सी० सङ्फाबाद, हैदराधार रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3689/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी एम० मार्केट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक आयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 15-1-198**3** 

्रका नाइ .टी . एन . एन ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 15 जनवरी 1983

निदेश स० श्रार० ए० सी० न० 448/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 5-9-12 है, फ्लेट है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्याजय एम० मार्केट में भारताय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनयम के अधीन करदेन के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बजने प सुविधा के लिए. और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 मसर्स, धननजय होटल्स, प्रा० लि० बाइ श्री ए० जीतेन्द्रानाथ पिता ए० एस० राजृ, 5-9-12, सइफाबाद, हेदरावाद ।

(ग्रन्तरक)

2. डा० एन० सत्यम पिता लेट एन० रमना, 6-3-609/114, श्रानन्द नगर, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लि। खत में किए जा सकेंगे।

सिष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्लेट नं० सी०, पहिला मजिला, सइफावाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3688/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायर्कर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

तारीख: 15-1-1983

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 449/82-83---यतः मुझे, एम. जेगन मोहन,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-9-12 है, जो सइफाबाद, हैदराबाध में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिग्रम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 मैंसर्स धनंनजय होटल्स प्रा० लि० बाइ ए० जितेन्द्रानाथ नाजी, हैदराबाद, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री एस० व्ही० एस० शास्त्री, 1-10-197, श्राशोक नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अभूस्ची

फ्लैट नं० बी 4था मंजिला, एम० नं० 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1158 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3687/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोजमजाही, मार्केट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अयाः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी., मी., उद्या अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्।—

तारीख: 15-1-1983

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 450/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद (उन्हें प्रिक्ति कहा गया है), की घारा 269-ख के अबीन समन प्राधिकारी की, यह निष्यात करने का कारण है कि स्थादर संग्रीत, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- ४० में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट जी० 5-9-12, है जो सङ्काधाद, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उचित बातार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्रत संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यनात प्रतिकत ते. एने दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निविद्या उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, न्याति हिन्स

 मैसर्स धनंनजय होटलस प्रा० लि०, बाइ ए० जीतेन्द्रा नाजी, हैदराबाद, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री व्ही० कृष्णा पिता ए० बल्लीयपन, क्यार्ट्स नं० 4, संजीवा रेड्डी नगर, कालोनी, हैदरांबाद-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, क्षत्रोहस्ताक्षरी के पास
  निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यद्धोक्तरण :-इसमे प्रयुक्त जब्दों श्रीर पदों का, जा उक्त ग्रिधिनियम के प्रक्रमार 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्ष होगा, जो उस प्रक्रमाय में दिया गरा है।

## जनसमी

फ्लैंट जी ० 8 वां मंजिला, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3686/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोजमजाही, मार्केट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्रस्प बाई० टी० एन० एत०----

भ्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 451/82-83—यत्: मुझे, एम० जेगन मोहन,

म्रायकर सिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एउके पश्चात् 'उकत म्रविनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित ताजार मूल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट 5-9-12 है, जो सइफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय एम मार्केट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वीका नम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति में) के जिल ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरम ते हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त श्राध-नियम के अधीन कर हैने मे अन्तरक के दायित्व में कमा करने था उसन बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गराया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने चे सर्विया के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मैसर्स धननजय होटल्स प्रा० लि० बाइ० ए० जीतेन्द्रा नाजी, हैदरावाद, 5-9-12, सइफाबाद, हैदरावाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महीलता रेड्डी, पित व्ही० एस० रेड्डी, प्लैट नं० 'बी', 6थ फ्लोर, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

अनत सम्पत्ति हे जाजैन के पम्बन्य है कोई की ग्रा**क्षेप !--**

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्मावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

फ्लेट नं० बी, 6वा मंजिला, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3685/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

## प्ररूप श्राई० टी० एन• एस०

भाषतर **भवि**निथम, 1961 (1961 क) 43) को भारा 269-**म** (1) के भ्रधीन सूचना

भारत मुख्यार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेण मं० आर० ए० सी० नं० 452/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तप्रांत जिसका उवित प्राजार मूख्य 25,000/- क्षण के प्रक्रिक है

और जिसकी सं० फ्लेट तं० 5-9-12, है, जो सद्दफाबाद,हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोकः सम्पन्ति अ अचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने फा लाग्य है कि समापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उनके कृश्यमान अनिफन ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पत्रह प्रांत्यत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, निम्दितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सक्तिक एस के हिंग के किया गया है:—

- (क्लं) जन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के ज़न्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिला जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के शभीन, निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28-476 GI/82

 मैससं धननजय होटल्स प्रा० लि० बाइ ए० जीतेन्द्रनाथ,
 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० एम० बालजी पिता एन० एम० रेड्डी, प्लैंट न० एच० 5थ फ्लोर सहफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह रूचना ताले करके पूर्णका सम्पत्ति है। प्रशंद के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि व्यक्तियों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के
  पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अम्**स्**ची**

फ्लेट नं० एच० 5 वा मंजिला, 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3684/82, रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंजिमजीवी मार्केट ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-1-1983

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 453/82-83——अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-9-12 है, जो सङ्फाबाद, हैदराबात्त्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तर्ण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत उक्त शिध-नियम के अधीन कर यो के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बजन मा सृविधा के लिये; और/गा
- (क) एसी किसी आब दह किसे पर यह अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्कर सिधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नहिंग् था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, का धारः 269-ग के अनुसरण, में, मैं, डक्त अधिनियम की धारः 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मीनिधित व्यवितयों, अर्थात् :--  मैसर्स धनंजय होटल्स प्रा० लि० बाइ० ए० जीतेन्द्र नाथ .
 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

2. श्री एम० डी० बेंम्ब्, चीफ ट्रंस्पोर्टेशन, मेनेजर, दि फर्टीलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया, रामगूंडम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनारा,
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी व पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० डी तीसरा मजला, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3174/82,रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोजमजाही मार्केट।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रःधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 452/82-83—यतः मुसे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट, 5-9-12, है, जो श्रह्माबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सूविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितिखित व्यक्तियों, अर्थात .---  मैसर्स धनंजप होटलस् प्रा० लि० बाइ ए० जीतेन्द्रनाथ,
 5-9-12, सइफाबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 के० राजमराजू पिताज व्हीं० सुब्बाराजू, ऊनूडू६, पी० ओ० भीभावरम तालुक, वेस्ट गोदावरी, जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में करोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या सत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की टार्यास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सुची

फ्लैट 'बी' सङ्फाबाद. रिजर्रीधृत विलेख नं० 3428/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, माजसभाई। सार्केट ।

एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख 15-1-1983 मोहर:

## प्रस्थ बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलाक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 455/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लैट नं० 1 है, जो राजभवन रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाब द अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एसे रश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम क अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :——

- मैसर्स बादाम अपार्टमॅन्ट्स , बाइ श्री बादाम रामस्वामी,
   8-2-402, रांड नं० 5, बंधाराहील्स, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी अनूपमा सागर, 6-3-534, रोड नं० 1 बंजा तहिन्छ, हेदराबःद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षरेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों मा में किन्ती का प्रविक्त प्रविक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस ग्रव्याय में दिया मया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 1 व सम श्रामार्टमेटप राजभागन रोड. हैदराबाद, रिनम्ट्रंकृत किनेच नं 35 17/82, रिजर्ट्रास्था श्रिधिकारी एम० मार्केट।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज, डेदराजा**द**

दिनांक: 15-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचनां

धारत सरवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 456/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 है, जो राजभवन रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्विधाने या स्विधा के लिए:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अधीत्:—  मैसर्स वादाम आपार्टमेन्ट्स वाइ श्री वादाम रामस्वामी 8-2-402, रोड, नं० 5, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्री विद्यासागर,
 घर नं० 6-3-354, रोड, नं० 1, बांजरा हिल्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह नुबना जारी करके प्वाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 2, बादाम आपार्टमेंन्ट्स. राजभवन रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3548/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी एम० मार्केट ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 15-1-1983 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 457/82-83 — यतः मूझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० है तथा जो राजभवन रोड़ हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस मार्केट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  मैसर्स बादाम आपार्टमेन्ट्स बाइ श्री बादाम रामस्वामी 8-2-402, रोड, नं० 5, बंजाराहिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मुकेश कियोर, पित श्री श्री एस० पी० माथुर 7-1-621/113, एस० आर० नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जफ्सट नं० 2, दूसरा मंजिला, एम० नं० 6-3-905/v, राजभवन रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3549/82, जरजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी एम० मार्केकट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्रक्षण) स्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्रकृप बाइं.टी. एन. एस. ------

भ्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269 म(1) के भ्रधीन श्रुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्राम<mark>ुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 420/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'पश्चात् 'जक्त अधितियम' कहा गरा है), की घारा 269-ज के अक्षीत नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर संगीत, जिसका उपनित्त बाजार मूक्ष्य 25,000/-कन से अधिक है

और जिसकी सं 1-7-154 और 155 है जो बाकाराम हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विकास परितास में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कन के स्वयमान प्रतिफल को लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्ब, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्क जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों भी, जिन्हें भारतीर भायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए:

कतः कन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन विकास विवास व्यक्तियों, लर्थात् किस

- श्री सैयद मीरा,
- 1. 3-6-382/ए, हीमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री जे० जेगवेस्वरय्या और अन्य दो 72/6, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपका में प्रकाशन की वारीख से 45 किन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि, ओ भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ते से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित बंद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षर के पास निवित्न में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इक्क्सॅ प्रमुक्त शृब्दों आहर पदों का, जो उक्त् भिक्षितयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयें होगा जो उस भड़काय में विधा गया है।

## अन<u>ुस</u>ची

धर नं० 1-7-154 ओर 155 बाकाराम, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 599/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपरूरी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्रकृत माई॰ टी॰ त्न० एस॰---

ग्रायकर ग्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अप्रीत मुचना

मारत यरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 421/82-83—अत: मुझे एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इमके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है, और जिसकी सं० 1-7-154 और 155 है जो बाकाराम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रुप से

र्वाणत है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्भित के उति। वाजार मूल्य से कत के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्योक्त तम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, हिने दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और सम्बर्ध (सन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीों) के बीच ऐसे अन्तरक के नित्त तम्पति गया प्रतिफल निम्नितिक उत्तर के नित्त तम्पति वित्त । नाम्तविक रूप में क्रिबान नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किया शाय की बाबत उपत कि कि विद्यास के अधील कर देने के व्यक्तरह के टाध्यस्य में कमी करत या असम वाचने में सुविधा के लिए; श्रीराया
- (ख) ऐसं क्रिंस ग्राय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम; या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशं द्वारा प्रकट नहीं कि स्वार्थ अन्तरिशं द्वारा प्रकट नहीं कि स्वार्थ का क्रिय जाना वाहिए था, ठिपानें में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

सैयद मीरा,
 3-6-382/ए, हीमायत नगर, हैदराबाद।
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जे० विजयलक्ष्मी, 72/6, इस्ट मारेडपल्ली, सिकदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उनत सम्पति के धर्जन के मम्बन्त में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधो व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त म्यात्रर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य स्थिति द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसमें प्रमुक्त णब्दों और पदों का, जो सक्त अजितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तिही अर्थ तीमा, जो उन अध्याय में दिया स्था है ।

## अनुसुची

पहीला, दूसरा और तीसरा मंजला, 1-7-154 और 155, बाकाराम, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 600/82, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-1-1983

प्रस्था आह<sup>4</sup>.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 422/82-83---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय करन्ल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के क्लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मिसिस व्यक्तियों, अर्थातः — 29—476GI/82

1. संद बसीरुद्दीन पिता सैयद सरीब बाग्रा, घर नं० 9/139, बी पेटा, करनूल ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स पद्मा ट्रेडर्स, मैनेजिंग पार्टनर : एन० शंकर पिता नरसीम्ह्लू, 66/21, कोटा करनूल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2027/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी करनूल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज. हैदराबाद

दिनांक: 15-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 423/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनूल में जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित आजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित आजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या चिन्नती धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, गैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--- बाइ बोजन्ना,
 46/738, बुधवारपेटा, करनूल ।

(भन्तरक)

श्री जी० चीन्ना मोनम्मा पिता बुद्धन्ना,
 48/53, बूधवारपेटा, करनूल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1.78 एकर कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 1832/82, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी करनूल।

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

प्रकृष भाई० डी• एग• एस०----

मायकर समिषियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1983

निदेश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 424/82-83—यतः मुझे, एम० जीगन मोहन,

प्रायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मुझम श्रीक्षकारी को, यह विम्बान करने का कारण है, कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल. 25,000-द• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि हैं जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनूल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1983

को पृथांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् आजार मृत्यः उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे पुष्यमान पारिक का पन्दह प्रतिगत से पश्चिक है और प्रस्तरक के जिल्ला उग्या मन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरक के जिल्ला उग्या गया प्रतिकत नेन्नालिंक उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कांबत नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आम को बाबत उनत ब्रिधिनियम के भ्रश्नीन कर देने के श्रन्थरक के दायित्व में कमी करने वा स्रसंते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रीविनयम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के निए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकत स्पिकतमों, अधीत् :---

 श्री जै० शिवय्या पिता वीरन्ना 46/679 ए, बुधवारपेटः करनुरु ।

(अन्तरक)

 मसर्स आरविष ट्रेडर्स, मैनेजिंग पार्टनर एस० वेंकटरामय्या 67/21, कोता करनूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मूचना के एका। में जबनान की तारीख ।
  45 दिन की अवधि मा तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील में 30 जिन की धविम, जो भी
  प्रविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी अवक्ति हारा:
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पर्शत में हितबढ़ किमी अन्य स्थावत द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अम्**स्ची

भूमि कल्लूर, गांव रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2055/82, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी करनुखा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** ध्रजैंन रेन्ज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

मोहर 🛭

## प्रकृप बाईं.टी.एन.एस.-----

## श्रीयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आश 269न (1) के अधीन सुचरा

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 425/82-83—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-9-219/1 है, जो चीराग श्राली लेन, हैक्राबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एम० मार्केंट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकात का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बदः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निष्नितिबत व्यक्तियों, अर्थातः——

 श्री म्रार० तलवार,
 5-9-219 1, चीरागम्राली लेन हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्री रमेश चंदर वाहदी,
 4-1-938/31-35,
 तिलक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फलैंट नं० 3, दूसरा मजूला नं० 5-9-219/1, चीराग आली लेन, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3580/82, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भोजमजाहीमार्केट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

इस्पिकाड, भी क्या, लगु वाकावावा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 426/82-83---यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं 1-2-410/1/6, है, जो गगन महत्त रोड. हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीक्त सम्पर्ति का उन्चत बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और गंतरक (अंतर्यों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्बर्ध्य से उन्नत अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किआ गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने प्रें सुविधा के लिए;

 इ० मुरलीधर पिता इ० तीरुमला राव, 8-2-120/86/9, बंजारा हीस्स, हैदराबाद ।

(मन्तरक)

2. मैंसर्स के० ब्रार० विल्डर्स, बाइ के० राजा मौली, 1-2-410/10/ए, गगन माहूल रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चवरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारी व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्थल्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, वा बक्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

खुनी जमीन पलाट नं० 1-2-410/1/6/, गगन महल रोड, हैसराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3157/82, रिजस्ट्रीकृती ग्रिधकारी मोजमजाही मार्केट।

एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधित:—

तारीख: 5-1-1983

प्रकृप बाइ . टा . एन . एस . -----

नावकर निधनिनम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 427/82-83—श्रत: मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

भीर जिसकी सं० 4-1-938 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में हिस्यत है (भीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक मई, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का ज़ारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया , प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित , में अस्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा में सिए; बीर/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिज्ञित व्यक्तियों, अर्थात ः— भीमती कमीझा, ग्रमीन पति एम० सहबूद्दीन,
 4-1-938/गार 19 भीर ग्रार 20,
 तिलक रोड, हैदराबाद ।

(झन्तरक)

2. श्रीमृती बी० रामसुर्यम पति राम चन्द्राराव, पतिट नं० 4-1-938/ग्रार श्रीर श्रार 20, तिलक रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभूना जारी करके भूवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जात सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करण: ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त जिम्मिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया इं।

#### नग्रुपी

फ्लैट एम० न० 4-1-938/मार० 19 श्रीर 20, कृष्णा मापार्टमेन्ट्स, तिलक रोड, हैवराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3331/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोजमजाही मार्केट।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**व**: 15-1-1983

प्ररूप बोर्ड टी. एने. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 428/82-83--यतः मुझै, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं खुली जमीन है, जो सद्दाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम॰ मार्केट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 को 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंचै किसी भाव की बॉबरेंस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन जन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को, अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्निवित व्योक्सकों, अर्थास् :—-  श्री कमरान मीझां और श्रन्य तीन घर नं० 6-3-577, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री विश्वरा को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, रिजस्टर्ड नं० टी० ए० 486 बी-6, न्यू सइदाबाद, कालोनी, हैदराबाद, श्रध्यक्ष श्री के० विद्वान रेड्डी। (श्रेन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पूर्व सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितुबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तोक री के पासे लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ममुस्पी

भूमि विस्तीर्ण 8 एकड़, 27 सेंट्स सइवाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3400/82, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

> एमें० जैंगन मोहर संसमें प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 15-1-1983

भूरूप कार्ड. टी. एन. एस.-------

**वाक्कर विभिन्दिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्**चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1983

निवेश सं० धार० ए० सी० नं० 429/82-83— ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं खुली जमीन है जो सहदाबाद , हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय एम मार्किट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई, 1982

- (क) अन्तरण से हार किती बाब की वावस उकस अधि-मिग्रम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आद्र/वा
- (प) एंबी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद्ध:

कर: जब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

भी एए० मल्ला रेड्डी, पिता बूची रेड्डी, और श्रन्थ जी० पी० ए०, श्री एस० प्रताप रेड्डी, चंपापेट गांव, श्रार० श्रार० जिला।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स भवानी को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० जी० कृष्णा रेड्डी, 3-6-111/5, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्रिक्टयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस मृष्या के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 115, सइदाबाद, विस्तीर्ण 11 एकड, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3164, 3248, 3246, 3270, 3298, 3370, 3404, 3429, 3482, 3532, 3564/82-83 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मोजमजाही मार्केट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ् (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 430/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5-4-435 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की पावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1.922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
30—476 GI/82

 मैसर्स काकतीया कंस्ट्रवशन प्रा० लि० मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री एम० सीवय्या, 6-2-44/1, ए० सी० गार्डन, हैदराबाद -4 (प्रन्तरक)

 श्री किशोर श्रौर ग्रन्य
 प्लाट नं० 19, पद्दगाह इस्टेट कम्पाउन्ड, एस० पी० रोड, सिंकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

एक फ्लैंट एम० नं० 5-4-435/20, और 21, दूसरा मंजला, नामपल्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3241/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी एम० मार्केंट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-83

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 431/82-83—यत: मुझे एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- ए. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-1-79 है, जो ग्रार० टी० सी० रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एम० मार्केट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या विद्या जाना बाहिए था कियाने में ज़िया के विए;

 मैसर्स भाग्यनगर, बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री बी० रामस्वामी, नं० 1-1-79, ग्रार० टी० सी० रोड, मुसीराबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 मास्टर जे० बी० एच० वम्सी कृष्णा पिता जे० व्ही० रमना राव, (माइनर) बाइ पिता ग्रौर नैचुरल पालक, श्री जे० व्ही० रमना राव, 8-2-701/ए, रोड नं० 12, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी
  अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इतमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्लैंट 1-1-79, म्रार० टी० सी० रोड, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3296/82, रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी मोजमजाही मार्केट।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख 15-1-1983 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्**म**ना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी, 1983

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 432/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-1-79 है, जो श्रार० टी० सी० रोड, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एम० मार्केट, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक मई, 1982

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिसी की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बरि अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कशिस नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वृक्ते में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नुनिधित अधिकत्यों, न्थांक क्र—  मैसर्स भाग्यनगर, बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री बी० रामस्त्रामी, नं० 1-1-79, ग्रार. टी० सी० रोड, मुसीराबाद, हैदराबदा।

(ग्रन्तरक)

 श्री जें० ग्रार० एम० श्रवंती, पिता जे. व्ही० रमनाराव (माइनर) बाइ पिता जे० व्ही० रमना राव, रोड, नं० 12, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ज भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अमृश्ची

एक पलट नर्ः 1–1–79, श्रार०टी० सी० रोड, हैदराबाद ूर्राजस्ट्रीकृत ुविलेख ुन्। नर्ः 3297/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

मोह्यर:

## प्र**कर बाई**• टी० एत• ए**र्स•**-----

भायकर अधिनि<u>स्म</u>, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व(1)** के **मधीन स्वना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 433/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के श्रधीन मंत्रन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से श्रीधक है

भौर जिसकी सं० 5-4-435 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद म स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम के श्रधीत कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कसी करन या उसने बचने में मृत्रिक्षा के लिए भौर/बा
- (स) ऐसी किसी आप या फिर्गी धन या अन्य अधितयों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की झारा 269-म की उपधारा(1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तिमें, स्रमीत :--

- मैसर्स काकतीया कंस्ट्रक्शन, प्रा० लि०
   5-4-435, नामपल्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्री एम० सीवय्या पिता कंटूंबय्या,
   5-4-435, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद।
   (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई मो ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्मक्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टी करण: --- इसमें प्रयुगत गडदों श्रीर वहीं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लट नं० 5-4-435, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3330/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी एम० मार्केट ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० श्वार० ए० सी० नं० 434/82-83---- प्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है ।

श्रीर जिसकी सं० 5-4-435 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधित्:--

- मैसर्स काकतीया कस्ट्रक्शन, प्रा० लि०
   5-4-435, नामपल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद।
   (भ्रन्तरक)
- श्री एम० मंजूला पति गुरु प्रसाद राव, लकड़ी का पुल, सइफाबाद, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, फो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 5-4-435, नामपल्ली स्टेशन रोष्ठ, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3334/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हीयगबाद

तारीख: 15-1-1983

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के अभीन सुम्हा

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 435/82-83—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 5-4-435 है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मृत्य सं काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निभ्निलिखित उत्दृश्य से अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निभ्निलिखित उत्दृश्य से अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निभ्निलिखित उत्दृश्य से अन्तरण कि सित में वास्ति कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के निष्

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैंसर्स काकतीया कंस्ट्रक्शन, प्रा० लि० मैंनेजिंग डायरेक्टर: श्री एम० सीवय्या, -6-2-44/1, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद-4,

(अन्सरक)

2 कुमारी स्जाता एम० पिता सीवय्या, 6-2-44/1, ए. सी. गार्डेस्, हैदराबाद-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृषाँक्त सम्यह्ति के वर्णन के दिवस कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को शितर प्रवेंक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबस्थ किसी अन्य स्वनित द्वारा अभोइस्ताक्षद्वी के बाब जिल्ला में किए या सकत्ये।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अम्स्ची

एक फ्लैंट 5-4-435, नामपल्ली, स्टेशन रोड, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3156/82 ; रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मोजमजाही मार्केट ।

एम० जेगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राह्मयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जनवरी 1983

निदेश सं. श्रारं० ए० सी० नं० 436/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'जक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-छ. मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-1-79 है, जो श्रार० टी० सी०  $\times$  रोड, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपावह श्रनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,  $1908 (1908 \, \text{m} \, 16)$  के श्रधीन दिनांक मुई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए समारित की एई हैं। और स्कें यह विद्वार करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्प्रोत का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यकान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था लियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानु :--

 मैसर्स भाग्यनगर, बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर ृश्री के० व्ही० रांगा रेड्डी, 1-1-79, ग्रार०टी० सी० × |रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के० व्ही० कनकावली, पति के० रंगानाथाचारी 1-2-593/24, गगन महल कालोनी, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसराएं
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फ्लैंट 1-1-79, ग्रार० टी० सी०  $\times$  रोड, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृप्त विलेख नं० 3351/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मोजमजाही मार्केट ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 15-1-1983

## प्रकृप नाइ. टी. एन., एस.

आयकर श्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 485/82-83—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 377/1 है, जो गनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दत्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री एम० रामाराव वत्तकपुत्त, एन० व्ही० सुब्बया, पटमाटा, विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

 दि संघमित्रा को-श्रापरेटिय बिल्डिंग सोसायटी लि॰ रिजस्टर्ड नं० 2778, बाइ श्री पी० बाबू राव, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन भे प्रकाशन की तारील से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची ।

खुली जमीन गुनदला, विजयवाडा, विस्तीर्ण 1 एकड़, .07 सेंट्स रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4844/82, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

`दिनांक': 7-1-1983

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 2nd February 1983

No. F. 6/83-SCA(I).—S/Shri B. S. Dhawan and A. D. Malhotta officiating Registrar and officiating Assistant Registrar, respectively, have retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of January 31, 1983.

> H. S. MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn.)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS.

#### LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

#### Mussoorie, the 1st Feburary 1983

No. 2/7/81-EST.—In continuation of this office notification of even number dated 19th July 1982, the ad-hoc appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Pro-fessor of Hindi in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is hereby extended for a fur-ther period of six months with effect from 4th February 1983 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlicr.

> ALOK SINHA, Dy Director

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 31st January 1983

No. O.II-77/77-Estt.—Consequent on expiry of terms of reemployment in the CRPF, Col. G. S. Sodhi relinquished charge to the post of Commandant I Sig. Bn. CRPF, New Delhi in the afternoon of 20-1-83.

#### The 3rd February 1983

No. O.II-1764/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical Officer Grade-II in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 27th October, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carried. on regular basis, whichever is earlier.

> A. K. SURI, Assistant Director (Estt)

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th January 1983

No. E.-16014(1)/2/76-Pers.—On retirement, on attaining the age of superannuation, Shri Vijaya Sinha relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit, H. F. C. Barauni, with effect from the afternoon of 31st December, 1982.

> SURENDRA NATH, Director General

### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st February 1983

No. 8 FC 2(15)-A/82.—Shri R. L. Ghambir, a Stenographer Grade 'C' (Selection Grade) of the Department of Expenditure and on deputation as Senior personal Assistant in the Eighth Finance Commission retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st January, 1983, on attaining the age of superannuation.

> S. L. MATHUR, Under Secretary

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVÊNUES

#### New Delhi, the 1st February 1983

No. Admn. I/O.O. No. 560.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the date shown against each until further orders :

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri Narinjan Singh	31-1-1983(FN)
	Shri M. K. Rastogi	31-1-1983(FN)
3.	Shri Moksh Sagar	31-1-1983(FN)

SMT. PRAVIN TRIPATHI, Jt. Director of Audit (Admn.)

#### DEPARTMENT OF LABOUR

## DIRECTORATE GENERAL FACTORY AD' VICE AND LABOUR INSTITUTES ADVICE SER-

Bombay-400022, the 31st January 1983

No. 15/30/82-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri Tarun Kumar Ghosh as Assistant Director (Artist and Layout Expert) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, in a temporary capa-city with effect from the forenoon of 7th January, 1983, until further orders.

A. K. CHAKRABARTY, Director General

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 4th February 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/83-ADMN(G)/867.—The President is pleased to appoint Shri Niroti Lal, a Grade I officer of CSS to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 1st September, 1982 until further orders.

V. SESHAN

Joint Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 3rd February 1983

No. CLB  $\Pi/10(2)/83/1$ .—In exercise of the powers conferred on me by Clause 14A and other relevant provisions of the Cotton Control Order, 1955, I hereby resclud the Textile Commissioner's Notification No. CLB II/10(1)/73-76 dated the 11th October, 1976.

> SURESH KUMAR, Additional Textile Commissioner

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 7th February 1983

No. A-6/247(415)/63.—Shri R. N. Das Gupta, Permanent Assistant Inspecting Officer (Met/Chem) and officiating Assistant Director of Inspection (Met/Chem) in Met/

Chem Branch of Grade III of I.I.S., Group 'A' in the office of Deputy Director of Inspection (Met), Durgapur retired from Government Service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st December, 1982.

Shri Das Gupta relinquished the charge of the post of A.D.I. (Met/Chem) on the afternoon of 31-12-1982.

S.L. KAPOOR,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 31st January 1983

No. A-1/1(889).—Shri Behari Lall, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Gr. II) in this Directorate General retired from Government Service with effect from 31-1-1983 (AN) on attaining the age of superannuation.

#### The 3rd February 1983

No. A-1/1(757).—The President is pleased to appoint Shri Mam Chand, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') and who was officiating as CSS (Trg), to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25-1-1983 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad- hoc appointment of Shri Mam Chand as Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

No. A-1/2(353)VII.—The President is pleased to appoint the following officers who have been officiating as Dy. Directors (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') in the offices mentioned against their names, on ad-hoc basis, to officiate as Deputy Directors (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis with effect from 2-11-1982 and till further orders:—

- 1. Shri I. S. Garg, DGS&D, Hqrs. office, New Delhi.
- 2. Shri K. S. Rangasai, DGS&D, Madras.
- 3. Shri S. P. S. Bhatia, voluntarily retired w.e.f. 31-12-82
- 4. Shri J. N. Joshi—DGS&D, Hqrs. office, New Delhi.
- 2. The above mentioned officers on promotion as Deputy Directors of Supplies on regular basis, are placed on probation for two years from 2-11-1982 (FN).

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Director (Admn.)

#### MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 31st January 1983

No. EI-3(1)/74(.).—The Iron & Steel Controller hereby extends the appointment of Shri Nirmal Chakraborty Asstt. to officiate in the post Sr. P. A. on deputation basis for a further period of one year w.e.f. 18-1-1983 (F.N.).

S. C. MAZUMDER, Jt. Iron & Steel Controller

# (DEPARTEMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st January 1983

No. A-19012(163)/82-Estt.A.Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. S.

Kulkarni, Permanent Store-Keeper (Tech.) Grade-II, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Stores Officer in the Judian Bureau of Mines with effect from the 20th December, 1982, forenoon.

B. C. MISHRA, Head of Office Indian Bureau of Mines

# ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 31st January 1983

No. 4-187/82/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India. is pleased to appoint Dr. R. K. Saha to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Central Region, Nagpur, on a temporary basis with effect from the forenoon of 17th January, 1983, until further orders.

N. R. AICH, Administrative Officer

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehradun, the 4th February 1983

No. C-9005/579-A.—The undermentioned officers are appointed as Establishment and Accounts Officers (GCS Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from the date as stated against each:—

va u	5021151 00041 1	
1.	Shri L. P. Kundalia	17-1-1982
2.	Shri O. N. Kapoor	17-1-1982
	Shri K. V. Krishnamurthy	17-1-1982
4.	Shri P. C. Jain	17-1-1982
	Shri J. P. Sharma	7-1-1982
	Shri J. P. Chopra	1-4-1982
	Shri Salig Ram	1-4-1982
	Shri S. N. Subba Rao	6-12-1982

G. C. AGARWAL, Major General Surveyor General of India

## PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 3rd February 1983

No. A-12026/1/80-Estt.—The Principal Information Officer hereby appoints the following officers as Administrative Officers of Press Information Bureau at Bombay, Calcutta and Madras with effect from the forenoon of January 1, 1983:—

- 1. Shri D. R. Dawra, A.O., PIB, Bombay.
- 2. Shri N. N. Sinha, A.O. PIB, Calcutta.
- 3. Shri P. N. Kutty, A.O., PIB, Madras.

T. S. SUNDARESWARAN, Asstt. Principal Information Officer For Principal Information Officer

# AGRICULTURAL PRICES COMMISSION (DEPTT. OF AGRI & COOPN.)

New Delhi, the 2nd February 1983

No. 2-9/82-Admn.—Shri A. L. Shorey, a permanent Stenographer Grade I has been appointed to officiate as Senior P.A. to Chairman, Agricultural Prices Commission w.e.f. the forenoon of the 1st February, 1983.

R. S. HANSRA, Administrative Officer

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 25th January 1983

No. A-31014/4/78-A.I.—Shri M. D. John is hereby appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific

Officer in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 22-6-1981.

#### The 3rd February 1983

No. A-19023/52/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer in this Directorate at Abohar, Shri H. P. Singh hunded over charge of the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at New Delhi in the afternoon of 1-1-1983.

No. A-19023/9/81-A.HI.—The ad hoc appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group 1) in this Directorate have been extended upto 31-3-1983 or, till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier

- 1. Shri N. J. Pillai, Marketing Officer, Bombay.
- 2. Shri N. Gamarudheen, Marketing Officer, Bangalore.
- 3. Shri E. S. Paulose, Marketing Officer, Faridabad.

No. A-19023/5/82-A.III.—Shri S. S. Bimbra, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group III) under this Directorate at Nagpur w.e.f. 29-11-1982 (AN) on purely ad hoc basis for a period of 4 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Consequent to his promotion as Marketing Officer Shri Bimbra relinquished the charge of the post of A.M.O. at Bangalore in the afternoon of 27-11-1982.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

#### Faridabad, the 1st February 1983

No. A-19024/1/82-A.III.—In continuation of the Directorate's Notification of even number dated 23-12-1982, the appointment of Shri G. C. Singh, Senior Chemist, to the post of Chief Chemist at Regional Agmark Laboratory, Cochin, on purely ad hoc basis, has been extended further for a period of 3 months upto 31-3-1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

G. R. BHATIA
Jt. Agricultural Marketing Adviser
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

-- 400 005 d 3 1 D 1 10

Bombay-400 085, the 3rd February 1983

No. D/556/CED/Estt.II/54.—Shri Janardhan Narahar Deodhar relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SB on 1-9-1982 FN consequent on Voluntary retirement.

P. N. KRISHNAMOORTHY Controller

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 4th February 1983

No. RAPP/Rect/7(6)/79/S/86.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri S. C. Bhagashra, a permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Station and officiating Security Officer of Narora Atomic Power Project transferred to this Project to officiate as Security Officer in a temporary capacity in this Project with effect from the afternoon of 31st December, 1982 until further orders.

A. N. KATTI, Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

## DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

#### ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695 022, the 18th January 1983

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller-VSSC hereby promote Shri T. I. Abraham Accounts Assistant 'A' as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officiating capacity with effect from January 7, 1983 in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space.

K.P.R. MENON
Admn. Officer-II (EST)
for Controller-VSSC

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL. AVIATION

New Delhi, the 18th January 1983

No. Λ-32013/18/82-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. N. Bhatnagar, Deputy Director, Madras Airport as Regional Controller of Aerodromes, Madras Airport with effect from 1-1-1983 and until further orders.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 18th January 1983

No. A-32013/1/81-EA.—The President is pleased to sanction the continuance of Ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Senior Aerodrome Officer for the period mentioned against each:—

SI. No.	Name	Station -	Period			
		Sunon -	From	To		
1.	Shri A. K. Basu	DGCA Hqr	1-6-1982	20-9-1982		
2.	Shri R, L. Chopra	Bombay	8-4-1982	20-9-1982		
			C	CIIDTA		

S. GUPTA

Dy. Director (Admn.)

## New Delhi, the 3rd February 1983

No. A-32013/3/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued adhoc appointment of Shri A. N. Mukerjee as Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection for the period upto 31-12-1982.

J. C. GARG Asstt. Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th January 1983

No. 1/459/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. Chandra, Technical Assistant, Calcutta Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 20-9-82 to 22-1-83 against short term vacancy, on ad-hoc basis and focal arrangement.

No. 1/464/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. R. Sen, Technical Assistant, Calcutta Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch for the period from 15-12-82 to 2-1-83 against short term vacancy, on ad-hoc basis and local arrangement.

11. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

#### Bombay, the 29th January 1983

No. 1/91/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Kothandaraman, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 9-11-82 to 11-12-82 (both days inclusive), against a short-term vacancy on ad-hoc basis, and as a local arrangement.

No. 1/514/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Madhok, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 16th September, 1982 and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

#### Bombay, the February, 1983

No. St. 2/80-81.—In exercise of the power conferred by Sub-rule (1) of Rule 232A of Central Excise Rules, 1944 the names and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:

#### I-COURT, CASES

Statement for the quarter ending 31st Dec., 1982

Sr. No.	Name of the persons	Address		The provisions of the Act contravened			The amount of penalty imposed			
1.	2	3		4		·	5			
1.	Shri Dahyabhai Kashibhai Patel.	2/1 Shri Ram Bhavan, King's Circle T.T., Matunga, Bombay-400019.		(a) Under Se (i)	ction 9(1)	(bb)		one day's a of Rs. 200 to one mo	00 /- i.d.	
2.	Shri Arvind alias Raju Dahyabhai Patel	-do-		(b) Under Se (i)	•		(b) (	one day's S of Rs. 7500/ six months	I and fine - i.d. to	
				(c) Under Se	ection 9(1)(	(bbb)(i)	(c)	-do-	<del></del>	
		II—DEPARTMENTAL ADJ	JUDIC	ATURE CA	SES	<del>-</del> -,	<u> </u>			
Sl. No.	Name of the Addi persons	Provisions of the Act or Rules made thereunder contra- vened	,	Amount of penalty imposed	able goo ged by under S	-	ud- cer 33 to	Amount in lieu o cation un tion 34 o	f confis- der Sec-	
<del>'</del>		N I L								
			·			Col	lector	Sd/- ILL of Central Bo		
	DIRECTORATE GENERAL		1	2			3		·	
GENERAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  New Delhi, the 1st February 1983  No. 27-EE/B(3)/69-EC.II—The following officers of the Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government Service with effect from 31st December, 1982 (AN):—  SI. Name of officer Designation & Name of office			2.	V.D. Gupta		Executi Central Luckno	Ele	gincer (Electect. Divn.	Lucknow CPWD.,	
			3,	P.A. Chawla		Safdarj	ung	Engineer Electrical Delhi.	(Elect.) Divison.	
No.	<del>-</del>	e the officer has retired	4.	O.P Sharma	• •	Execut	ive uction	Engineer n Division ew Delhi.	(Civil) No. V,	
	.D. Bhatia Executive Airconditi	Engineer (Elect.) oning Division No. II, New Delhi.				_		NEEN or of Admi		

#### New Delhi, the 31st January 1983

No. 24/25/68:MS.II/ECIX.—Shri R. K. Duggal, Deputy Director of Horticulture of this Department retired from Government Sevice on attaining the age of superannuation with effect from 31-1-1983 (A.N.).

A. K. NARANG Dy. Director of Administration

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Pritam Estate Private Limited

Jullundur City, the 1st February 1983

No. G/Stat/560/9517.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pritam Estate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Khaljar Finance & Chit Fund Company Private Limited

Jullundur City, the 2nd February 1983

No. G/State/560/9359.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Khajjar Finance & Chit Fund Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companics Punjab, H. P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Bawra Finance (Raipur) Pvt. Ltd.,

Gwalior, the 2nd February 1983

No. 1205/S.P./4043.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s Bawra Finance (Raipur) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Jyotsana Vasant Steels Private Limited

Gwalior, the 2nd February 1983

No. 1239/C.P./4046.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Jyotsana Vasant Steels Private Limited has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Bhopal Printers and Publishers Private Limited
Gwalior, the 2nd February 1983

No. 964/C.P./4047.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Bhopal Printers and Publishers Private Limited has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Prominent Agencies Private Limited

#### Patna, the 5th February 1983

No. (771) PS/560/6344.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Prominent Agencies Private Limited; unless cause is shown to the contrary, will be struck of from the Register and the said Company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001,

Bangalore-560001, the 9th December 1982

Notice No. 488/82-83.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imno as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. HDMC No. 42/1 out of City Survey No. 504A/1 situated at Lamington Road, Hubli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Pacietering Officer at

of 1980) in the office of the Registering Officer at Hubli on 28-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Sumitibai, W/o Ramakrishna Bhat,
 Shri Nagaraj, S/o Ramakrishan Bhat,
 Kumari Sudha d/o Ramakrishna Bhat,
 All R/o Annigeri Bldg,
 J.D. Nagar, Hubli.

(Transferor)

(2) Messrs. Rajesh Enterprises, (Regd. Firm) Hubli--by its partner Shri G. K. Sha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 517/82-83 Dated 28-5-1982] R. C. C. building in Ward No. I—Lamington Road Hubli bearing H.D.M.C. No. 42/1 out of C. S. No. 504A/1 including site measuring  $74' \times 90' \times 32' \times 38'$ 

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1982

Scal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3rd January 1983

Notice No. 486/82-83.—Whereas, I. SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 15. Plot No. 64, Ward No. XVIII situated at Gandhi Nagar, Bellary

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bellary on 19-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) (a) Sri C. R. Krishnamurthy & brothers.
   (b) Sri C. R. Srinivasamurthy and C. R. Brahmamurthy, PAH by Sri C.R.K. Murthy in respect of Sri C. R. S. Murthy, Residents of D. No. 15, Ward No. XVIII, III Cross, Gandhinagar,
  - Bellary. (Transfercr)

(2) Smt. II. Padma, W/o Rajasimha, 111, Margosa Rd., 13th Cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 773/82-83 Dated 19-5-1982). Property in Ward XVIII Gandhi Nagar, Bellary i.e., House measuring 40-6' × 43-6' bearing D. No. 15 and open space of 50 cents.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-1-1983

Scal:

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONTR OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1983

Ref. No. AR-III/2179/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 51 and Hissa No. 1 (pt) situated at Village Mohili Andheri Kurla Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 26-5-1982

Document No. S-2322/81

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) 1. Joseph Philip Gonsalves 2. John Philip Gonsalves.

(2) Sam-Hita Industrial Enterprises

(3) Sam Wite Industrial Enterprises

(Transferee)

(3) Sam-Hita Industrial Enterprises
(Person in occupation of the property)

(4) Anna Marry Diago Gonsalves and Another.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. \$-2322/81 and registered with the sub-Registrar, Bombay, on 26-5-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-1-1983

Seal;

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 15th January 1983

Ref. No. AR-III/2189/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 7 Hissa No. 5, S. No. 8 H. No. 3 pt. S. No. 51 H. No. 13 pt, situated at Village Mohill, Andheri Kurla Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 26-5-1982 Document No. S-2321/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- 32—476 QI/82

(1) 1. Joseph Philip Gonsalves 2. John Philip Gonsalves.

(Transferor)

(2) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Transferce)

(3) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Person in occupation of the property) (4) Anna Mary Diago Gonsalves and Another (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2321/ 81 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 26-5-1982.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-1-1983

Scal .

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 15th January 1983

Ref. No. AR-JII/2180/82-83.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 51, Hissa No. 1 (pt) situated at Village Mohili, Kurla Andheri Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 26-5-1982 Document No. S-2323/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Joseph Philip Gonsalves
 John Philip Gonsalves

(Transferor) (2) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Transferce)

(3) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Person in occupation of the proper a (4) Anna Mary Diago Gonsalves and Another

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2323/ 81 and registered on 26-5-1982 with the Sub-Registrar. Bombay.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1983

Ref. No. AR-III/2188/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 51, Hissa No. 13 (pt) situated at Village Mohili, Kurla Andheri Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 26-5-1982 Document No. S-2320/81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) 1. Joseph Philip Gonsalves 2. John Philip Gonsalves.

(Transferor)

(2) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Transferee)

(3) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Person in occupation of the property)

(4) Anna Mary Diago Gonsalves and Another (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. \$-2320/81 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 26-5-1982.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-1-1983

Seal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th January 1983

Ref. No. AR-III/22190/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 51 & Hissa No. 1 (pt) situated at Village Mohili, Andheri Kurla Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Bombay on 26-5-1982 Document No. S-2324/81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Joseph Philip Gonsalves 2. John Philip Gonsalves.

(2) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Transferor)

(3) Sam-Hita Industrial Enterprises

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Anna Mary Diago Gonsalves and Another

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-2324/81 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 26-5-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 15-1-1983

Seal:

(1) Shri Manubhai A. Shete

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jethalal G. Shah

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 17th January 1983

Ref. No. AR-III/2169/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1, Survey Nos. 1 & 2 situated at Village Chandivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 10-5-1982 Document No. R-5259/71

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-5259/71 and registered on 10-5-1982 with the Sub-registrar Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 17-1-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

### G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1983

Ref. No. 1AC/Acq-11, SP-1/5-82/9186,—Whereas, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. H, situated at South Patel Nagar, New Delhi.

No. Flat No. H, situated at South Patel Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property by the issue of this notice under tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri. Rajeshwar Kumar Malik S/o late Sh. Arjun Dass Malik R/o 22/100, West Patel, Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash Kapur S o Sh. Pyara Lal Kapur R/o 11/1, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Govt. built Flat No. H South Patel Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 11-1-83. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

### G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1983

Ref. No. IAC/-II/SR-Π/5-82/9289.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and harting

No. 7/20, situated at East Patel Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- 6b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ranjit S/o Sh. Gurbachan Singh R/o 7/20, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Kumar Khanna, Sh. Dalio Kumar Khanna Ss/o Sh. Arjan Dass Khanna R/o H. No. 171 Guii Mesjid Tehwar Khan, Naya Bans, Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 7/20, East Patel Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 11-1-83.

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

### G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-1 '5-82/9299.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XIII/77092, situated at Beri Wala Bagh, Azad Market, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagdish Lal Gulati S/o Sh. Shadi Lal Gulati R/o 39, Hathi Khana, Bahadurgath Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi W/o Sh. Ghasi Ram & Shri Ghasi Ram S/o Shri Chandu Lal R/o 7092, Beriwala Bagh, Azad Market, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One house No. XXI/7092, Beriwala Bagh, Azad Market, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 11-1-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9206.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2104/169 situated at Tri N

No. 2194/168 situated at Tri Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---476 GI/82

(1) Sh. Ram Kumar Sikka R/o 298-Housing Board Colony, Rohtak (Haryana) G.A. of S/Shri Charanjit Lal Nayar, Ram Lal Nayar, Subhash Chander Nayar, Amarjit Lal Nayar & Inderjit Lal Nayar S/o late Sh. Vaishno Dass Nayar.

(Transferor)

(2) Sh. Kapur Singh R/o 3424, Tri Nagar, Delhi. Smt. Omwati W/o Sh. Ved Singh R/o 2194/168, Tri Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 2194 168, Tri Nagar, Delhi-35, mg. 378 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9205,---Whereas J, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2533, situated at Prem Narain Road, Mohalla Churiwalan, Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shiv Om Narain S/o late Sh. Gobind Pam as Karta & Manager of HUF, Gobind Ram & Sons.

/Transferor

(2) M/s Seema Builder (P) Ltd., through its Managing Director J. P. Gupta S 'o Kishan Lal R/o 45/6B, Mall Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 2533, at Prem Narain Road, Mohalla Churiwalan, Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi.

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-1/5-82/9275.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15/7, situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Shri B. Narain Singh S/o B. Ranjit Singh R/o 15/7, East Patel Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Malik Vinod Kumar Malhotra S/o Malik Ishwar Das Malhotra, Malik Sanjay Kumar Malhotra adopted son of Malik Ram Lal Malhotra R/o 945, Gali Chahshirin Sewa Samiti Marg (Frash Khana), Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 15/7, East Patel Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982.

FORM I.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9283.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2728, situated at Gali Arya Samaj, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ns agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1) M/s Seema Builders (P) Ltd., 1/18B, Asaf Ali Road, Delhi through its M. D. Shri J. P. Gupta. (Transferor)
- (2) Ramesh Kumar, Ncelam Kumar, Manak Kumar, Narender Kumar, Raj Kumar and Rajesh Kumar ss/o Sh. Champa Lal and Smt. Chando Devi W/o Champa Lal R/o 1961, Katra Khushal Rai, Kinari Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2728, Gali Arya Samaj, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-1/5-82/9286.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to octive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Satish Chand Seth S/o late Sh. Har Narain Seth R/o 15, Satya Wati Memorial Marg, S/Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Parkash Chadha w/d Sh. H. K. Chadha r/o H-10, Phase-1, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th undivided share of property bearing No. 2 UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi, Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-82/9302.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Sh. Suresh Chand Seth S/o late Sh. Amar Chand Seth R/o 24, Dara Ganj, Delhi.
- (2) Smt. Shanti Parkash Chadha wd/o Sh. H. K. Chadha R/o H-10, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th undivided share of property bearing No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-12-1982.

### FQRM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-82/9308.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Naresh Chand Seth S/o late Shri Amar Chand Seth R/o 24, Darya Ganj, Deihi.
- (2) Smt. Shanti Parkash Chadha Wd/o Shri H. K. Chadha R/o R-10, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th undivided share of property No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi, Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982.

2al :

### FORM ITNS-----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9312.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

3922

No. 1/9th undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tara Chand Seth S/o Sh. Lai Chand Seth R/o 24-F, Kolhapur Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Parkash Chadha Wd/o Shri H. K. Chadha R/o R-10, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/9th undivided share of property bearing M.C. No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi, Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 28-12-1982.

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. Devi Chand Seth S/o late Sh. Lal Chand Seth R/o 24-F, Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shanti Parkash Chadha Wd/o Shri H. K. Chadha R/o H-10, Phase-1, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9260.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 25,000/-and bearing

No. 1/9th undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—476GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/9tn undivided share of property bearing Mpl. No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi, Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9270.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

No. 1/6 undivided share prop. No. 2-UB, situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kanwar Chand Seth S/o late Shri Har Narain Seth R/o 26-F, Kamla Nagar, Kohlapur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Parkash Chadha Wd/o Shri H. K. Chadha R/o H-10, Phase-1, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th undivided share of property 3rd storeyed bearing No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi, Mg. 295.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-82/9311.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D/44, situated at Bali Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Radha Krishan Malik S/o Sukh Dayal Malik R/o II-M/43, Lajpat Nagar, New Delhi through his Gen. Attorney Sh. Ram Dhari Jain S/o Rati Ram Jain R/o D/44, Bali Nagar, N. Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Mohan Piari W/o late Sh. Channan Lal Wasson R/o H. No. 8312, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. D/44, Mg. 111 sq. yds. situated at Bali Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1982.

### FORM I.T.N.S .-- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1982

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-I/5-82/9230.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6231 situated at Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bihari Lal Jhunjhunwala, Charitable Trust, Subhash Road, Nagpur through Sh. Bihari Lal Jhunjhunwala r/o Varandavan, Bairiya, Sh. Hari Ram Prahladka s/o Sh. Kedar Nath Prahladka, r/o 801, Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Khanna w/o Sh. Satish Kumar Khanna r/o 14/12, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One basement and mezzanine floor constructed on basement Mpl. No. 6231, Northern City Extension Scheme, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1982

No. JAC/Acq. II/SR-1/5-82/9188.—Whereas, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 848, situated at Chandni Mahal, Delhi-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Mohd. Ismail s/o Nanch Khan
 Mst. Sarwari Begum w/o Mohd Sabir r/o 3975, Gali Khankhanan, Urdu Bazar, Jama Masjid, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Syed Mohd. Saeed s/o Syed Mohd. Hidayat, r/o 690, Chandni Mahal, Kamra Bangash, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 848, Chandni Mahal, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1982

Ref. No. IAC/Λcq. II/SR-I/5-82/9195.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3947 situated at Gali Satte Wali, Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sh. Mahender Kumar s/o Late Sh. Shiam Narain r/o 1680, Kucha Jat Mal, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Mohan Sharma s/o Late Shri Hans Raj r/o 3403, Gali Hakim Baqa, Hauz Qaji, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3947, Gali Satte Wali, Nai Sarak, Delhi in 75 sq. yds. only. ground floor only.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-!I,
Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1982

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9220.—-Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 20 Road No. /2, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nand Lal Sachdev, Vinod Kumar Sachdev & Mohinder Kumar Sachdev r/o 20/72, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander, Sh. Pushpinder Kumar & Sh. Ashok Kumar r/o Vill. Mohna, Teh. Kaithal, Distt. Kurushetra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House on plot No. 20, Road No. 72, Punjabi Bagh, area of vill. Bassai Darapur, Delhi, mg. 572 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOK, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 27th December 1982

IAC/Acq. II/SR-1/5-82/9209.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 26/106, situated at Shakti Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on May, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Khushi Ram s/o Shri Dhan Singh r/o 25/103, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satya Narain s/o Shri Om Parkash Mittal r/o 26/18, Shakti Nagar, Delhi and Mohan Parkash a 'o Sh. Om Parkash Gupta r/o 25 B. D. Estate, Timarpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 106, Block No. 26, Shakti Nagar, Delhi mg. 200 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following parameter. ing persons, namely:-

Date: 27-12-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhupinder Singh r/o A-4/4, Rana Partap Bugh, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri J. K. Jain r/o D-4, Rajouri Garden. New Delhi-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9222.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 2691 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5, D-Block situated at Mansrover Garden, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 5, D-Block, Mansrover Garden, New Delhi-15 area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

35-476 GI/82

Date: 28-12-1982

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9203.---Wherens, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot No. 7, Block No. 66A, situated at New Rohtak Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at,

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

- (1) Shri Charanjiv Lal Mehra and Man Mohan Lal Mehra
  t/o 7/66A, New Rohtak Road, New Delhi.
- (2) Shri Om Prakash Seth, Smt. Kamla Seth, Shri Vinay Seth, Smt. Monica Seth r/o 65/67, Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

House built on plot No. 7, Block No. 66A, New Rohtak Road, New Delhi, measuring 536 sq. yds. (448.99 sq. mtrs.).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9263.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3947 situated at Gali Satte Wali, Nai Sarak, Delhi (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mahender Kumar s/o Late Shri Shiam Narain r/o 1680, Kucha Jat Mal, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferce)

(2) Sh. Krishan Mohan s/o late Shri Hans Raj r/o 3403, Gali Hakim Baqa, Hauz Qaji, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3947, Gali Satte Wali, Nai Sarak, Delhi in 75 sq. vds. only 1st floor only.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1982

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-U, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9202.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2599, Ward No. III situated at Nai Basti, Naya Bazar, Delhi-6

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidya Wati wd/o late Shri B, M. Gupta r/o 2599, Ward No. III, Nai Basti, Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Gupta s/o late B. M. Gupta r/o 2599, Ward No. III Naya Bazar, Nal Basti, Delhi-110006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 2599, Ward No. III, Nai Basti, Naya Bazar, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### (1) Smt. Chander Kanta Kapur w/o Sh. M. L. Kapur r/o 20/51, Shakti Nagur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. D. Malik s/o Shri Karam Chand r/o 33/5, Shakti Nagar, Delhi

(Transferece)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9207.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule B-561 situated at Majlis Park, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property built on plot of land No. B-561, Majlis Park, Delhi mg. 200 sq. yds, bearing khasra No. 63 of Vill. Azad-pur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Date: 30-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9212.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. K/5 situated at Kirti Magar, New Delhi

Plot No. K/5 situated at Kirti Magar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Baldev Raj Kohli
 Sh. Dina Nath Kohli,
 r/o K/5, Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

### THE SCHEDULE

1½ storeyed house, built on plot No. K/5, mg. 150 sq. yds. colony known as Kirti Nagar, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 \$h. Attar Chand Seth s/o late Sh. Lat Chand Seth, r/o 42, Bunglow Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Parkash Chadha wd/o Sh. H. K. Chadha, 1/o H-10, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Rcf. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9219.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/9th undivided share prop. No. 2-UB situated at Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/9th undivided share of property (3 storeyed) bearing Mpl. No. 2-UB, Bunglow Road, Jawahar Nagar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi, New Delhi.

Date: 28-12-1982

### FORM ITNS (1) Sh A

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9221.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6B-68 situated at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ajay Kumar s/o Sh. Ashok Kumar, Sh. Ashok Kumar s/o late Sh. Devi Singh, Dharamvir s/o late Sh. Devi Singh, r/o 170Λ, Ashok Vihar Phase-I, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sham Narain, Shri Laxmi Narain, Shri Raj Narain, Shri Anand Parkash and Shri Vijay Kumar, ss/o Sh. Mohan Lal, r/o 2674, Naya Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. UB 68 at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/5-82/9226.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 situated at Ata-ur-Rehman Lane, Civil Line, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

36-476 GI/82

- Mst. Sultana Bi wd/o Sheikh Haji Mohd. Moes d/o Sheikh Ataur Rehman, r/o E-265, Greater Kailash, New Delhi.
- (2) Sheikh Mohd. Zaki,
  Sheikh Mohd Naqi,
  Sheikh Ikhlas Ahmed,
  Sheikh Shahid Ahmed,
  Sheikh Mohd. Tahir,
  ss/o Haji Mohd. Shafi,
  r/o 2084, Ahata Kaley Sahab, Gali Qasimjan,
  Ballimaran, Delhi-5.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Property No. 6, Ata-ur-Rehman Lane, Civil Line, Delhi measuring 393 sq. yds.

SUDITIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-82/9256.—Whereas, I, SUDIHR CHANDRA,

being the Competent, Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2735-45 old No. 794-795 situated at Ward No. 1, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Shankar Lal, Ram Nath for himself and as father and natural guardian of his minor son Girish Kumar Shankar I al, Daga, and as karta and Manager of the Joint and Undivided family and others.

(Transferor)

 Shri Prehlad Singh s/o Shri lit Singh, r/o No. D-10, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mpl. No. 2735-45 its old No. 794-795, ward No. 1. situated in the abadi of Kahsemere Gate, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 28-12-1982

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7433.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding vRs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Bahaj Singh
 S/o Sh. Shiv Pershad & Ram Vir
 S/o Sh. Shiv Pershad
 R/o Vill. Haidarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Kumar Goyal S/o Iswar Pershad Goyal R/o A-2/23, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 2 bighas out of K. No. 19/26, Vill. Burari, Delhi:

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Baltaj Singh S/o Sh. Shiv Pershad & Sh. Ram Vir S/o Sh. Shiv Pershad R/o Vill. Haidarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Naresh Kumar Goyal S/o Sh. Om Parkash R/o A-2/23, Model Town, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7390.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 2 bighas K. No. 19/26, vill. Burari, Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7415.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 undivided share in Prop. No. H-28, situated at Shivaji Park, New Delhi-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Manohar Singh, Paramjeet Singh Amarjeet Singh, Jaspal Singh, Jitender Singh Ss/o S. Surmukh Singh R/o S-21, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Baij Nath Aggarwal S/o Badri Pershad Aggarwal R/o 2398, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 univided share in property No. H-28, Shivaji Park, New Delhi-26.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 S/Sh. Manohar Singh, Paramjit Singh, Amarjeet Singh, Jaspal Singh, Jitender Singh, all Ss/o Surmukh Singh R/o S-21, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jayan Nath S/o Sh. Chandru Mal R/o 2398, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7419.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 undivided share Prop. No. H-28, situated at Shivaji Park,

New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said intmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

### THE SCHEDULE

1/2 undivided share in property No. H-28, Shivaji Park, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

------

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7432.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Sh. Balraj Singh
 S/o Sh. Shiv Pershad & Sh. Ram Vir
 S/o Sh. Shiv Pershad
 R/o Vill. Haiderpur, Delhi

(Transferor)

 Sh. Ravinder Kumar So Sh. Sat Narain R/o Λ-2/23, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 2 bighas out of k. No. 19/26, situated at vill. Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7333.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delbi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prem Kaur W/o Abhey Ram R/o Vill, Nangli Poona, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Padia S/o Kesar Chand Padia R/o Kacheheri Road Rourkela.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas and 16 biswas, k. No. 21/13 at village Nangli Poona, Delhi State.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7425.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Sultanpur Dabas, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—37—476 GI/82

 Smt. Dhanpati W/o late Sh. Ram Bhaj R/o Sultanpur Dabas, Delhi Administration, Delhi through Sh. Ram Narain S/o Sh. Chandan R/o Sultanpur Dabas, Delhi Administration, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Kumar (minor) S/o Sh. Rom Narain, guardian (mother) Smt. Sushma Devi W/o Sh. Ram Narain R/o Bawana Delhi Admn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land 31 bighas 7½ biswas e.i. 1/2 undivided share min jumle salim agr. land 62 bighas 17 biswas Mundranj Khata Khatauni No. 51/53 min. Mustatil No. 9, Kila No. 14 (4-16), 15 (4-16), 16 (4-16), 17 (4-16), 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (6-2), 23 (4-16), 24 (4-16), 25 (4-16), Mustatil No. 93, Kila No. 3 (3-10), 4 (5-12), 5 (4-9) Vill. Sultanpur Dabas, Delhi Administration, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

Sen1;

### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7334.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been really stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Mithan Kaur W/o Raj Singh R/o Vill. Nangloi Jat, Delhi State.

(Transferor)

(2) Sh. Anand Padia S/o Sanwar Mal Padia R/o Kacheheri Road, Rourkela.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 16 biswas at vill, Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-1-1983

Commence of the commence of th

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-11/SR-11/5-82/7304.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Chandgi Ram
 S/o Sh. Tali as attorney of Shri Siri Chand
 S/o Sh. Sunder Lal
 R/o Vill. Nangli Poona, Delhi,

(2) S/Sh. S. K. Malik, V. K. Malik, A. K. Malik SS/o Sh. J. D. Malik R/o 33/5, Shakti Nagar Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 12 biswas out of khasra No. 4/13(1-3, 40/14(2-13) and 40/15(2-16), situated in the area of vill. Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

 Sh. Gopi Nath and Sh. Harish Kumar (real brothers) both SS/o Sh. Chaman Lal R/o House No. H-120A, Shivaji Park, New Delhi-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Krishan Gopal Mittal, Sh. Shri Ram Mittal and Sh. Raj Kuamr Mittal SS/o Sh. Jot Ram Mittal R/o 34, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7335.—Wherens, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 25, Block-C, situated at New Multan Nagar, Rohtak Road Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One Plot of land No. 25, in Block-C (Plot No. C-25) admeasuring 206-2/3 sq. yds. equal to 172.8 sq. metres (Size 30 fect x 62 feet), and situated in a free-hold and approved residential colony known as New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi-110056 and comprising of khasra No. 2/21 to 24 in the area of village Jawala Heri, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-1-1983

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7302.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Saroop Singh S/o Sh. Nand Ram as attorney of Sh. Siri Chand S/o Sh. Sunder Lal R/o Vill. Nangli Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Kishan S/o Sh. Paras Ram R/o B-2/30, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 15 biswas out of khasra No. 40/16(2-17), 40/18(0-5) and 40/17(3-13), situated in the area of village Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7303.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mangal S/o Sh. Nand Ram, Sh. Deep Chond S/o Sh. Nand Ram R/o Vill. Nangli Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Naiesh Kumar S/o Sh. Daya Ram R/o 9657, Islam Ganj, Library Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sale immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 15 biswas out of Khasra Nos. 40/8(2-10), 40/13(0-10), 14(1-3), 40/15(1-11) and 40/7(1-1), situated in the area of vill. Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7301.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Poona, Delhi (and more fully described in the schedule nnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hari Chand and Sh. Mir Singh both SS/o Sh. Mam Chand R/o vill. Nangli Poona, Delhi.

(2) Smt. Dropti Devi W/o Sh. Hari Ram Garera R/o C-4/1, Main Road, Wazirpur, Industrial Area, Delhi-52.

(Transferce)

3953

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 14 biswas out of khasra No. 40/13(0-10), 40/14(1-0), 40/15(0-9), 40/16(2-3), 40/17 (2-0) and 40/18(0-12), situated in the area of vill. Nangli Poona, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7300,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Nangli Poona. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the property and I have fair market value of the aforesaid reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'snid Act' to the following persons, namely :---

(1) Sh. Veer Ban S/o Sh. Charanjit, Sh. Mangey S/o Sh. Saroop Singh both R/o Vill. Nangli Poona, Delhi as attorneys of Sh. Siri Chand S/o Sh. Sunder Lal R/o Vill. Nangli Poona, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Radha Mal S/o Sh. Wadhu Mal R/o 1216 Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr, land mg. 6 bighas and 14 biswas out of khasra No. 40/6(1-16), 40/7(3-15) and 40/8(1-3), situated in the area of Vill. Nangli Poona, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI.HI

New Delhi, the 4th January 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7341.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jharoda, Majra Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—476 GI/82

 Sh. S. Inderjit Singh S/o S. Tarlochan Singh Qr. No. A-9, Type "C" Old Police Lines, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Master Rohit P. Goyal Minor son of Sh. Ved Prakash Goyal R/o 45/2, The-Mall, Delhi 110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 9 bighas and 12 biswas bearing khasra Nos. 5/19(4-16) and 5/22(4-16), situated in village Jharoda, Majra Burari, Delhi State,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1983 Seal:

(1) Shri Nafa Singh S/o Sh. Rattan r/o vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hazari Lal Sharma S/o Sh. Ram Chander Sharma r/o R. 273/S Dharampura Colony, Najafgarh, New Delhi-43.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1983

IAC/Acq.II/SR-II/5-82/7350.—Whereas, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 1/5th share of 26 bighas 13 biswas situated at village Nangli Sakrawati, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 4-1-83

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-11/5-82|7351.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing No. Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomis or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Sube Singh S/o Sh. Rattan r/o vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hazari Lal Sharma S/o Sh. Ram Chander Sharma r/o R-273/S, Dharampura Colony, Najafgarh New Delhi-43.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/5th share of total land mg. 26 bighas 13 biswas situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-82|7403.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Tikarl Kalan, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Phal S/o Sh. Ram Sarup r/o vill. Tikti Kalan, Delhi.

(2) Smt. Chander Kanta Rajpal W/o Sh. K. M. Rajpal r/o 27, North West Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas 8 biswas, bearing kh. No. 31/2 (4 bighs 2 biswas) & Kh. No. 3/2 (2 bighas 6 biswas), situated in Tikari Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 4-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-82/7423.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. A35A, situated at New Multan Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) The Multan Co-op. House Bldg. Society, New Multan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Gupta S/o Shri Laxmi Narain Gupta v/o B-3/10, Paschim Vihar, New Delbi-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A35A, New Multan Nagar, Delhi out of Khasra No. 1/16, Village Jwala Heri, Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.Π/SR-II/5-82/7440.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Agr. land situated at Vill. Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at on May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shejan Singh S/o Mam Chand r/o Vill. & P.O. Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Baflani, Kishori Lal Baflani, Shayam Lal Baflani, Subash Ch. Baflani and Ved Prakash ss/o late Sh. Ishwar Dass, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas, kh. No. 56/7/3(2-2), 13/(2-4), 14/1 (3-14) situated at Vill. Ghewra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-83. Seäl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-82/7442.—Whereas, ISUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 31, on Road No. 43, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Chalti Devi Wd/o Sh. Randhir Singh Dabus r/o Vill. & P.O. Kultana, Teh. Jhajhar, Distt. Rohtak for self & as guardian of her two minor sons.
   (Transferor)
- (2) Sh. Ramesh Kumar Bansal & Sunil Kumar Bansal ss/o Sh. Siri Ram Bansal r/o 19/43, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 31, on Road No. 43, mg. 277.8 sq. yds. in Class C. Punjabi Bigh, area of vill. Madipur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 30-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE-II, G13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 24th December 1982

Ref No. IAC /Acq-II/SR-II/5-82/7437.—Whereas SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J9/37, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Navin Kumar Sawhney S/o Dewan Baldev Raj Sawhney R/o 19/37, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. R. A. Nagpal S/o Sh. Gain Chand Nagpal, Smt. Ranjna Nagpal W/o Sh. R. A. Nagpal both R/o 37-A, DDA Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 19/37, mg. 484.4/10 sq. yds., at Rajouri Garden, area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 24-12-1982

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

2. Smt. Ranjana Nagpal W/o Shri Ram Avtar Nagpal both R/o 37-A(MIG) Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(1) Sh. Ram Avter Nagpal S/o Sh. Gian Chand Nagpal

(2) Sh. K. Lal S/o Shri Ram Lal R/o 3918 Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 24th December 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7431.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 248, Block-V, situated at Rajouri Garden. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—476 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 248 in Block V(V/248), mg. 239 sq yds. at Residential Colony known as Rajouri Garden area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 24-12-1982

Seal;

FORM INTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II. G13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1982

IAC/Acq-II/SR-II/5-82/7349.--Whereas I, No. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

21/43 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Sh. Narinder Singh Chadha S/o Sh. Beant Singh R/o 21/43, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dev Karan Garg S/o late Sh. Panna Lal Garg, R/o 250, Model Town, Hissar (Haryana) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 21/43, mg. 277.08 sq yds. situated at Punjabi Bagh, area of vill. Madipur, Delhi State. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-12-82 Seal:

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-11, ROHTAK

Rohtak, the 19th January 1983

Ref. No. PNP/56/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 29 kanals 5 marla Situated at Village Banihola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pirya Vart S/o Shri Munshi S/o Sohlu R/o Vill. Binjola Teh. Panipat.

(2) 1. Shri Manak Chand S/o Raijada,

 Sh. Siri Chand Jain S/o Rai Bahadur Laxmi Chand Jain, H. No. 747 Ward No. 11, Panipat.
 Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Shital Dass Jain S/o

 Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Shital Dass Jain S/o Shrl Jiya Jain R/o H. No. 90 Ward No. 4 Paninat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 kanals 5 marla situated at Village Binjhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1332 dated 28-5-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-1-1983.

Scat:

(Transferor)

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 19th January 1983

Ref. No. PNP/38/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 Bigha 19 bishwa situated at Taref Insar, Panipat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri 1. Harbhajan Singh S/o Rajwant Singh S/o Harnam Singh,
  2. Smt. Balbir Kaur mother of Surat Singh \$/o Rajwant Singh 3. Balvinder Singh S/o Rajwati Singh Shri Rajwant Singh S/o Harnam Singh through
- (2) M/s Naveen Bharat Woolen & Cotton Industries, Panipat through Sh. Mukesh Kumar S/o Sh. Padam Sain R/o Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 19 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 852 dated 5-5-82 with the S.R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-1-1983.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOISITION RANGE-II. G13 Ground Floor CR Building J.P. Estate, New Delhi.

> > New Delhi, the 19 January 1983

Ref No. PNP/146/82-83.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land measuring 1 bigha 10 bishwa Situated at Taraf Insar, Panipat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering

Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Sh. Balvinder Singh S/o Rajwant Singh S/o Harnam Singh through Shri Rajwant Singh, Panipat. (Transferor)
- (2) M/s Naveen Bharat Woolen & Cotton Industries, Panipat through Sh. Mukesh Kumar S/o h. Fadam Sain R/o Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 10 bishwa situated at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered No. 801 dated 4-5-82 with S. R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 19-1-1983.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II,
G13 Ground Floor CR Building I.P. Estate,
New Delhi.

New Delhi, the 19 January 1983

Ref. No. PNP/47/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 2 bigha 8 bishwa 9 biswani Sisuated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagdish Parshad W/o Sh. Rati Ram, S/o Shri Tirkha Ram R/o Ward No. 11, Panipat. (Transferor)
- (2) M/s Kewal Krishan Mehra Textile Mill 1/5 Ghee Mandi Gate, Amritsar through Shri Kewal Krishan Mehra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 8 bishwas 9 biswani situated at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1203 dated 4-5-82 with S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 19-1-1983.

### FORM ITNS ----

- (1) Shri Devi Ram S/o Sh. Chiranji Lal S/o Shri Makhal alias Hita Lal Ward No. 11, Panipat.
- (Transferee)
  (2) M/s Kowal Laishan Mohra Textile Mill
  1/5 Ghee Mandi Gate, Amritsar through
  Shri Kewal Kabhan Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II,
G13 Ground Floor CR. Building I.P. Estate,
New Delhi.

New Delhi, the 19 January 1983

Ref. No. PNP/48/82-83.—Whereas, I, R. K, BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Land measuring 2 bigha 8 bishwa 9 bishwani Situated at Taraf Insar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House (portion) situated in Dada Colony, IA, Property being load measuring 2 bigha 8 bishwa 9 bishwani situated at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1205 dated 24-5-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi 'New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 19-1-1983.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQISITION RANGE-II,
G13 Ground Floor CR Building I.P. Estate,
New Delhi,

New Delhi, the 19 January 1983

Ref No. PNP/49/82-83.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Land measuring 2 bigha 8 bishwa 9 biswani situated at Taraf Insaf, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash S/o Shri Rati Ram S/o Tirkha Ram, Ward No. 11, Panipat.

(Transferce)

(2) M/s Kewal Krishan Mehra Textile Mill 1/5 Ghee Mandi Gate, Amritsar through

... Ghee Mandi Gate, Amritsar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being measuring 2 beigha 8 biswas 9 biswhani sitauted at Patti Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1206 dated 24-5-1982 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi /New Delhi

Date: 19-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th January 1983

Ref. No. KNL/13/82-83/476/190-91.—Whreeas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 490 situated at Model Town Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Harbans Kaur Wd/o Sh. Mukand Singh H. No. 40, Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Zile Singh s/o Sh. Sardar Singh, Sh. Prem Singh s/o Sh. Bhola Ram, Smt. Parmeshwari Devi W/o Angrez Singh Sh. Prithvi Raj Nagpal s/o Leeladhan Sh. Om Parkash s/o Amar Nath R/o 196, Prem Nagar, Karnal. Sh. Nathu Ram s/o Kaura Ram H. No. 33, Kachhwa Road, Ram Nagar. Sh. Bhupind Singh s/o Dalbir Singh, Prem Nagar, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being kothi No. 490 Mode! Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 995 dated 31-5-1982 with the S. R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—476GI/82

Date: 18-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th January 1983

Ref. No. PNP/131/82-83/476/192-93.—Whereas, I, R. K. BHAYANÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial plot measuring 1.171 acre with shed situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Panipat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mathura Dass Ahuja S/o Sh. Tikan Lal Ahuja, Shri Jitendre Kumar Ahuja S/o Mathura Dase R/o 207 Block D-Multi Sotrey Apartment Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Raghbar Dayal S/o Lakhi Ram,

Vinod Kumar S/o Shri Lakhi Ram
 Smt. Darshna Devi W/o Shri Lakhi Ram

4. Shri Kashmiri Lal S/o Shri Neki Ram 5. S/Sh. Subhash Chand, Naresh Kumar, Mohan Lal Ss/o Shri Kashmiri Lal.

6. S/Sh. Ishwar Chand, Ram Niwas, Radhe Sham Sa/o Shri Kali Ram all Rs/o C/o M/S Musadi Lal Neki Ram, Adati, Safidon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLENATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. E/10 measuring 1.171 acre with shed situated in Industrial area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1072 dated 14th May 1982 with the Sub-Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-1-1983

### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1983

Ref. No. HSR/25/82-83/476/194-95.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 139 situated at Model Town, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act.
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

S/o Sh. Faqir Chand
Faqir Chand S/o Sh. Lal Chand Tandon,
R/o 3029, Kajiwara, Duryaganj, New Delhi.
(Transferor)

(2) S/Sh. Mural Lal, Gopal Rai
Ss/o Sh. Parme Nand.

(1) S/Sh. Harish Chander Tandon

(2) S/Sh. Mural Lal, Gopal Rai Ss/o Sh. Parma Nand, Inside Ratia Gate, Fatehabad Distt. Hissar (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. 139 situated at Model Town, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 730 dated 25th May 1982 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dato: 20-1-1983

### FORM ITNS----

 Shri Partap Singh S/o Shri Shadi Smt. Lodi Devi D/o Shri Shadi R/o Mahiyar.

(Transferor)

(2) Sh. Hukam Chand S/o Sh. Hotu Ram, C/o Vishnu Devi Zanana Hospital Mori Gate, Hissar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. HSR/27/82-83/476/196-97.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 7 kanals 1 marla situated at Mayar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanals 7 marla situated at Mayar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 765 dated 26-5-1982 with the Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-1-1983

### 3975

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PWL/3/82-83/476/198-99.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land 1/4 share in 10 Kanals 16 marlas with sheds situated at Alampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palwal in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Usha Chopra Wd/o Shri Rajinder Nath H. No. 53, Sector-16, Chandigarh.

  (Transferor)
- (2) Smt. Mahmuna Begam W/o Sh. Moh. Husan R/o B-8, Nizamuddin West, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being 1/4th share of 10 kanals 16 marlas with sheds situated at Village Alampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 335 dated 20-5-1982 with the Sub-Registrar, Palwal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-1-1983

 Smt. Sita Devi S/o Gurditta Ram S/o Shri Rijhol Ram R/o C/ii/C/12/74, Janakpuri, New Delhi.

(2) Smt. Mehmuna Begam W/o Sh. Mohamad Husan

R/o B-8, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PWL/4/82-83/476/200-201.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/4th share in land measuring 10 K. 16 M. with sheds situated at Alampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palwal in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being 1/4th share in land measuring 10 kanals 16 Marlas with sheds situated at Alampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 336 dated 20-5-1982 with the Sub-Registrar, Palwal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1983

(1) Sh. Tulsa Ram S/o Rijhu Ram R/o 112-A, New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Mahmuna Begam W/o Shri Mohamad Hussain S/o Ali R/o B-8, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PWL/11/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in land 10 K. 16 M. with sheds situated at Alampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palwal in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of land 10 kanals 16 marlas with sheds situated at Alampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 365 dated 20-5-1982 with the S. R. Palwal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 21-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PNP/147/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 2 bighu 8 bishva 9 biswani situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arihant Kumar S/o Jyoti Parshad, R/o Ward No. 4, Panipat,
- (2) Shri Vinod Kumar S/o Sh. Surat Ram. S/o Shri Jagan Nath,

r/o H. No. 393, Ward No. 11, Panipat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land at Taraf insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1152 dated 22-5-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-1-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PNP/148/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 2 bigha 8 bishwas 9 biswani situated situated at Taraf Inser. Panings.

Insar. Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

41-476GI/82

(1) Shij Arhint Kumar S/o Shri Jvoti Parshad Jain S/o Shri Mangal Jain, R/o Ward No. 4, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi W/o Sh. Surat Singh S/o Shri Jagan Nath, R/o 393, Ward No. 6, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Taraf Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 115 dated 22-5-82 with the Sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st January 1983

Ref. No. PNP/149/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Arihant Kumar S/o
 Shri Jyoti Parshad Jain S/o
 Shri Mongal Jain,
 R/o Ward No. 4, Panipat,

(Transferor)

(2) Smt. Heera Devi W/o Sh. Satish Kumar S/o Shri Surat Ram, R/o H. No. 393, Ward No. 6, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Taraf Insar Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1153 dated 22-5-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-1-1983 Seal ;

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th November 1982

Ref. No. 362/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

S. No. 26 situated at Mudusarleva Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Gandraju Satyanarayanaraju,
 S/o Sri G. Narayanaraju,
 R/o Seethammapeta Bazar, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd. Regd., No. B. 1541, R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring 0-64.25 Cents at Mudasaralova Village near Vizag, in R. S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5353/62.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 9-11-1982

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECITNG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. 363/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

12-17-21 situated at Aryapuram, Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. A. Sithamahalaxmi W/o Seshachalam,
 Kum. A. Karuna being minor by guardian and mother Smt. Sithamahalaxmi, Aryapuram, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shri J. Venkateswara Rao S/o Seshavataram, Bandaruvari Street, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property D. No. 12-17-21 Aryapuram, Rajahmundry, house site of 285 sq. yds. registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document No. 3898/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. 364 82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. G. Kamaladevi W/o Sri G. Satyanarayanaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao. Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, Taluk, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5354/82, S. No. 26.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-12-1982

### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. 365/82-83.—Whereas. 1, M. JEGAN MOHAN, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Visakhapatnam on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. V. Raviraju, S/o Sri G. Satyanarayanaraju, Secthammapeta Bazar, Vizag-16,
  - (Transferor)
- (2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registerd with S.R.O., Vizag, vide document No. 5349/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 366/82-83.—Whereas, J, M. JEGAN MOHAN

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Visakhapatnam on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati G. Butchi Venkayamma W/o Sri G. Gopalaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5348/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 367/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. Ramakrishnamraju S/o Sri G. Satyanarayanaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Scoretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5347/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 368/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—42—476GI/82

(1) Kumari K. Kusumakumari D/o Sri M. Satyanarayanaraju, Prakasaraopeta, Vizag.

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5346/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-82.

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 369/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on May '82

3988

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Shri G. Muralikrishnamraju S/o G. Satyanarayanaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag,

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5345/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-82,

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 370 82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 26 situated at Mudasarlova, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Ramaraju S/o G. Narayanaraju, Vizag-16.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village of Vizag, in S. No. 26 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5344/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-82.

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 31st December 1982

Ref. No. RAC. No. 371/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforekald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Ramadevi w/o Late Sri K. Venkataramana Raju, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64.25 Cents at Mudasariova village, Vizag, in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 5343/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 31-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. 372/82-83.—Whoreas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Narayanaraju, a/o Shri Satyanarayanaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag-16.
- (Transferor)

  (2) The Doctors Co-op, House Building Society Ltd.,
  Regd. No. 1541
  R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao,
  Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64.25 Cents at Mudasarlova village, Vizag, in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 5342/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 373/82-83.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Suryanarayanaraju, s/o Appalanarasimharaju, Seethammapeta Bazar, Vizag-16.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64,25 Cents at Mudasarlova village, Vizag, in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 5350/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax - Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3rd January, 1983

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 374/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. Ramakrishnamraju, s/o Late Naravanaraju, Seethamwapeta Bazar, Vizag,

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64.25 Cents at Mudasarlova village, of Vizag. in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 5352/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC No. 375/82-83.—Whereas I, M. JEGAN, MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing-

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. V. Surayanarayanaraju s/o Shri Saryanarayanaraju, Seethammapeta Buzar, Vizag-16.

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. 1541 R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac. 0-64-25 Cents at Mudasarlova village, Vizag, in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 5351/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 376/82-83.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 26, situated at Mudasarlova Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said isatrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

43-476GI/82

(1) G. Annapurna d/o Shri G. Satyanarayanaraju, Seethammapeta Bazar, Vizag-16.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. B1541. R/p. by its Secretary Sri P. Ramarao, Vizar.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring Ac.-0-64.25 Cents at Mudasarlova Village, near Vizag, in S. No. 26, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5341/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1983

and the second section of the second section is a second section of the second section of the second section is

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 377/82-83.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27.10.173, situated at Governorpet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Jayaprada w/o Balakrishna, Plot No. 18, Indira Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri T. V. Hanumantharao, s/o Shri China Ramayya, Governorpet, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property at D. No. 27-10-173, at Governorpet, Vijayawada, Municipal Ward No. 27, Revenue ward No. 9, Block No. 3, T.S. No. 226/assessment No. 20132-A, area of 44 Sq. yds registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 4058/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-83

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 31d January 1983

Ref. No. RAC. No. 378/82-83,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-10-173, situated at Governorpeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Savithri w/o Shri Ramachandra Rao, Plot No. 66, Lalithanagar, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Shri T. V. Hanumantharao, s/o China Rammayya, Governorpet, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property D. No. 27-10-173 at Governorpet, Vijayawada area of 50 sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 4059/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 379/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-10-173, situated at Governorpeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. A. Vimala w/o Prasada Rao. Guntur.
  - 2. B. Sarada w/o Narasimha Rao,
  - 3. S. Jayaprada, w/o Balakrishna, 4. K. Savithri w/o K. Ramachandra Rao, S. No. 2 resident of Vijayawada,
    - S. No. 1, 3, 4, residents of Vijayawada, (Governorpeta.).

(Transferor)

(2) Shri T. Ratnasrinivas s/o Shri T. V. Hanumantha Rao, Governorpeta, Vijayawada, Krishna Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House Property at D. No. 27-10-174, Vijayawada area of 22 Sq. yds, registered Vijayawada, vide document No. 4047/82. Governorpeta, with S.R.O.,

> M. JEGAN MOHAN Compeatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P)

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd January 1983

Ref. No. RAC. No. 380/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18/38, situated at Batchupeta Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Machilipatnam on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri J. Venkateswara Rao
 Sambayya,
 Machilipatnam.

(Transferor)

 Smt. I. Sai Varalakshmi Kumari w/o Haranadhababu, Buttalahpeta Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing door No. 18/38 Bachupeta, Machilipatnam area of 2269 sq. yds, registered with S.R.O., Machilipatnam vide document No. 1843/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 381/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

148/14, situated at Gudlavani Palem, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. Appalaswami s/o Shri Pydayya Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society, D. No. 9-19-11 CBM Compound, Vizag 53003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, Vizag-Tq S. No. 148/14, Ac. 0-37 Cents registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 5647/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 382/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

147/11, 12, situated at Gudlavani Palem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri K. Appanna Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society, D. No. 9-19-11 CBM Compound, Ltd., Vizag.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, Vizag S. No. 147/11, & 147/12, area 29-1/2 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4596/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 383/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 147/10, situated at Yendada, Vizag. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Y. Sanyasi S/o Narasimharao, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society, Ltd., D. No. 9-19-11, CBM, Compound, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, in S. No. 147/10, 0-0972 Sq. Mtrs. registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4772/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

FORM I.T.N.S.-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN' OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 435/82-83,-Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bilieve that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25 000% and bearing RS. No. 8/2, situated at Ganadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

44-476G1/82

(1) Smt. M. Jayasri w/o Shri Venkataseetharam Mogalrajapwam, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vidyulatha Co-op. Building Society 1 td., Vijayawada, represented by president K. Balaswami, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- ~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov able property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 8/2, at Gunadala of Vijayawada. area of 1-15 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 3947/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 436/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

27-12-45/2, situated at Governorpeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object •f · --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

from, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. K. Mangatayaramma w/o

Late Satyanarayana,
2. K. Ramakrishna s/o Satyanarayana,

K. Satyanarayana,
 K. Vysanarayana,

(3 & 4 sons of Ramakrishna Vijaya Babu, resident of Vijayawada.

(Transferor)

(2) G.V.S. Gurunadha Rao, s/o Seetharamayya, Vijayawada-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House and open site at D. No. 27-12-45/2, Alibeig Street, Governorpeta, Vijayawada, area of 367.33 sq. yrds, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 5065/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 437/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-1245/2 situated at Governorpet Vijayaweda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which liave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. K. Mangatyaramma W/o

Satyanarayana, 2. K. Ramakrishna

K. Vijayababu
 K. Satyanarayana,

5. Vyas a Narayanahari,

3 to 5 minors by father No. 2 residents of 2nd Ward, Vijayawada.

(Transferor)

(2) G. Durga Venkata Prasada Rao, s/o Sitaramayya, Durga Agraharam Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open site & House No. 27-12-45/2, Alibeig Street, Governor peta, Vijayawada, area of 367.33 sq. yads, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 5066/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No. RAC. No. 438/82-83.—Whereas 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-1-12, situated at Bellapuveedhi, Tuni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tuni on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. Radhabai w/o Jogara,
 P. Jogaswara Rao,
 s/o Joga Rao,
 Payakaraopeta,
 Nakkapalli Tq.

(Transferor)

1. Ch. Narasimhamurty 5/0 Venkata Ratnam,
 2. Ch. Srinivasu s/0 Narasimhamurthy,
 Tuni Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property Door No. 6-1-12, Bellapuveedhi, Tuni Vizag Dt., area of 413 sq. mtrs, (Built of Area) registered with S.R.O., Tuni vide document No. 20673/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) R. V. S. Ekambaram, Vuyyuru, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Sri Saibaba Films, Hindi Street, Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE.

HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No. RAC. No. 439/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. No. 6, situated at Machilipatnam Road, Vuyyuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Yuyyuru on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 'Cinema Theatre,' Named 'Sai Mahal' D. No. 6, Assessment No. 1207, Machilipatnam Road, Vuyyuru, Krishna Dt. 2349 Sq. yds. registered with S.R.O., Vuyyuru, vide document No. 1091/82,

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-1-1983

### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No. RAC No. 440/82-83.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS No. 151/1, situated at Yenikepadu Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the spansier;
- (b) facilitating the consentment of any insente or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. Padmanabhaprasad, s/o Venktta Ratnam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kanakadurga Co.op. House Building Society, Lt., No. G. 2595, represented by president Shri K. Janardhana Rao, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 151/1, at Yenikepadu, Vijayawada, area of 2.25 Cents, registered with S.I Vijayawada, vide document No. 4669/82. with S.R.O.,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:-

Date : 7-1-1988

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No. RAC. No. 441/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS. No. 377, situated at Gunadala, Vljayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incorrector any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. V. Subbamma w/o Shri Venkata Subbayya, Padamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Sanghamitra, Co-op. Building Society Ltd., Regd., No. 2778, Represented by Sri P. Baburao, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gunadala Village, near Vijayawada, area of 2.24 Cents, in R.S. No. 377, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 4845/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

FORM ITNS-- --

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Raja Sagi Venkatanatasimba Raju, s/o Late S.) Raja Sogi Seetaramraju, Tangedu Village, Vizag.

(2) The Scuthenniadara Co-op. House building Society Represented by Sri K. Gopichaud, Vizag.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1982

Rcf. No. RAC No. 442/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Vacant sito, situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property tony be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site at Vizng Municipal Corporation registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4706/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

### 4011

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ch. Lingamurthy, 5/o Ch. Pattabhiram, Vizag.

(Transferor)

(2) D.V. Appalanarasimha Gajapathiraja, Gupta Street, Bhinamipatnam.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 443/82-83 ---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

49-28-15. situated at Allipuram Madhuranagar, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-476GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 gays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House preperty bearing door No. 49-28-15, Allipuram Ward, Mudhuranagar Vizna registered with S.R.O., Vizng, vide document No. 4357/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 444/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavahiah, 2nd line, Arundelpeta, Guntur. (Transferor)
- (2) Shri M. R. Ganganna, S/o Sri Ramanna Partner in M/s. M. G. Bios, Guntur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein essare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarapadu, of Guntur, area of 0-41 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4869/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 7-1-1983

FORM I. T. N. S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC, No. 445/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in May 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent coasideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shrimati T. Vengamma, W/o Ragnavahiah, 2nd line, Arundelpeta, Guntur. (Transferor)
- (2) Shri M. L. Hanapaich, S/o M. Lakshmana. Pr. in M. G. Bros., Guntur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarappadu of Guntur, area of O-41 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4869/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 446/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/Al situated at Agathavarapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavaiah, 2nd line, Arundelpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shi M. L. C. Nagappa, S/o M. Lakshmanna, partner in M/s. M.G. Bros., Guntur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No.  $144/\Lambda 1$  in Agathavarapadinu of Guntur, area of O-41 Cents, registered with S.R.O., vide document No. 4870/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No RAC No 447/82-83,--Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 144 Al shuated at Agathavarapadu, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavaiah, 2nd line, Arundelpeta, Guntur, (Transferor)
- (2) Shri M. Nagadeesh. S/o M. S. Sivanna, Partner in M/s M. G. Bros., Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarapadu of Guntur, area of 0-41 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4871/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983 Seal:

(Transferce)

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION . RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC No. 448/82-83. --Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavaiah, 2nd line, Arundelpeta, Guntur. (Transferor)
- (2) Shri M. Adisesha, S/o M. P. Gangappa, Partner in M/s M. G. Bros., Guntur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarapadu of Guntur, area of O-15 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4872/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 449/82-83.---Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavaiah, 2nd line Arundelpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri M. P. Narasappa, S/o M. Pakeerappa, Pr. in M/s. M.G. Bros., Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1, in Agathavarapadu of Guntur area of 0-41 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4873/82,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 7-1-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 450 82-83. -Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavayya,
   2nd line Arundelpeta, Guntur.
  - (Transferoi)
- (2) Shri M. Raghunath S/o M. S. Sivanan, partner in M/s. M.G. Brothers, Guntur.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall be the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/Al in Agathavarapadu of Guntur, area of 0-16 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4874/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 7-1-1983 Seal: ----

# FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE IIYDERΛΒΑΟ (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 451/82-83.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—476GI/82

Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavayya,
 2nd line Aruudelpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Gangadhar, S/o M. Ramana, partner in M/s. M.G. Brothers, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

# THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarapadu of Guntur, area of 0.41 Cents, registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 4875/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Λequisition Range, Hyderabad (Λ.Ρ.)

Date 7-1-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 452/82-83.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value onceding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/A1 situated at Agathavarapadu, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shrimati T. Vengamma, W/o Raghavayya, 2nd line Arundelpeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Sivamma, S/o M. Somappa, partner, in M/s M.G. Brothers, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sak. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site bearing D. No. 144/A1 in Agathavarapady Guntur, 0-41 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide dement No. 4876/82.

M. JEGAN MOHA Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tr Acquisition Range, Hyderabad (A.F.

Date 7-1-1983

# FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 453/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 459 situated at Chinnabazar, Guntur,

instrument of transfer with the object of ;--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 26910 of the said Act, to the following rooms, namely:—

 Shri Abdul Rahman alias Mohd. Abdul Rahman, S/o Shaik Bedu Saheb, Retd., School Teacher, Lalapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Shaik Saleha S/o Abdul Khader Saheb Kaitepalli Repalli Taluk, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated in Ward No. 8 Block No. 3 T.S. No. 459 at Chinna Bazar, Gurfur, area of 453 Sq. yds., registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5237/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal:

FORM I. T. N. S.-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 454/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

82/2 situated at Somavarapadu, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Eluru in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Y. Deva Sahayam, S/o Daniyelu Eluru,

(2) The Eluru Co-op. Building Society W.G. 5, Eluru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land situated in Somavaranadu, of Fluru purchased by Elura Co-op. Society Fluru, area of 1-62 Cents, in R.S. No. 82/2, registered with S.R.O., Fluru, vide document No. 3310/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderphad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Y. Deva Sahayam, (1)S/o Danivelu Eluru.

(Transferor)

(2) The Eluru Co-op. Building Society W.G. 5,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 455/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 84/1, 2, 4 situated at Somavarapadu, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru in May 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Somavarapadu, of Eluru purchased by Eluru Co-op. Society. Eluru in R.S. No. 84/1, 2, 4 area of 1-43 acres, registered with S.R.O., Elmu, vide document No. 3336/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabod (A.P.)

Date: 7-1-1983 Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC, No. 414/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. No. 16 situated at Venigandla, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. Sambayya, S/o China Subbayya, Venigandla, Guntur Ta
- (2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at D. No. 16 area of Ac. 1-00 at Venigandla, near Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5094/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Sen1:

(1) Shri B. Prasad Rao, S/o Guravayya, Venigandla, (Transferor) (2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

#### ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC No. 415/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated at Venigandla, near Guntur, in D. No. 37 area of Ac. 1-00, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 5139/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. Devamma, W. o Seshayva, Venigandla,

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferce

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 416/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedit 2s for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defised in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land situated at Venigandla, in D. No. 18 area of 0-75 Cents, near Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5147/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 7-1-1983

# FORM I.T.N.S.

- (1) Shri B. Mohan, S/o Seshayya, Venigandla, Guntur. (Transferor)
- (2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 417/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 situated at Venigandla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land in D. No. 18 area of 0-75 Cents, near Guntur (Venigandla), registered with S.R.O., Guntur, vide Document No. 5165/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—476GI/82

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri K. Annamma, W/o Sudarsanam, Venigandla, Guntur Tq.

Transferor)

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 418/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 30/2 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guntur in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in D. No. 30/2, area of Ac-1-03 Cents at Venigandla, near Gunutr, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 5290/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 419/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/A situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Vasudevarao, S/o Pitchireddi, Venigandla,

(Transferor)

(2) Shri K. Subrahmanyam S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated at Venigandla, near Guntur, in D. No. 17/A, area of 0-54 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5291/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri K. Kotanayakudu, 2. Shri K. Balanayakudu,
 Shri K. Hanuma Nayakudu, residents of Venigandla, Guntur.

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Acf. No. RAC. No. 420/82-83.—Whereas, I, M. Jl: GAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:——

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated at Venigandla, in D. No. 25, area of Ac-1-00 near Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5292/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shrimati J. Sambrayyamma, W/o Gopireddi, Venigandla, Guntur Tq. (Transferor)

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada, Taluk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 421/8283.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. 171/A situated at Venigandla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigaudla, Guntur, in D. No. 171/A, area of 1-07 Cents, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 5296/82,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 422/82-83. --Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 38, situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule canexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. Subhani Beegam, S/o Adam, Begam, Venigandla, Guntur, Tq.
- (Transferor)
  2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, Guntur, in D. No. 38, area of 0-50 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5297/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 423/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 24, situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Sambareddi, S/o Pitchireddi, Venigandla, Guntur.
- (2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya,

Gunadala, Viiayawada Tq. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, in D. No. 24 area of 1-27 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5299/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authori.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal:

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-30(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Sangeevareddi, S/o Venkatareddi, Venigandla, Guntur Tq.

(Transferor)

 Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada Tq. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. 424/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5/2 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gunutr on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, Guntur, in D. No. 5/2, area of Ac. 1-25 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5300/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri K. Sambireddi, S/o Kondamadugula Pitchireddi
  - 2. Shri K. Darmareddi, S/o Sambireddi, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada Tq.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 425/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/A situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandia. Guntur D. No. 17/A, area of 0-54 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5381/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

48-476GI/82

Date: 7-1-1983 Seal:

(1) Shri K. Sanjivareddi, S/o Venkatareddi, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada Tq.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 426/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 5/2 situated at Venigandla, Guntur market (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with t

in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, Guntur, in D. No. 5/2, area of Ac. 1-25 Cents, registered with S.R.O. Gunutr, vide document No. 5384/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authoriti Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 427/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16 situated at Venigandla, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Ramanayak, S/o K. Lakshmi Nayak, Venigandia, Guntur.
- (Transferor)
  (2) Shri K. Subrahmanyam, S/o Rattayya, Gunadala, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, Guntur, in D. No. 16, area of Ac. 1-35 Cents, registered with S.R,O. Guntur, vide document No. 5385/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 428/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-66 & 67 situated at Kotireddypeta, Pamarru,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pamarru on May 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. K. V. Subbamma W/o Subbayya, Pamarru, Krishna Distt.
- (2) Smt. B. Koteswaramma W/o Krishnateddi, Labour Officer, A. P. Paper Mills. Rajahmundry.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site at D. No. 15—66 & 67 at Kotireddipeta, near Pamarru, area of 1002, & 710 Sq yds, registered with S.R.O., Pamarru, vide document No 843/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 429/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 11/2 situated at Machavaram, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on May 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S/Shri 1. N. Narasimhamo S/o Subrahmanyam, 2. N. Pitcheswara Rao, 3. N. Sivaramakrishna; Residents of Vijayawada.
- (Transferor)
  (2) The Kakateeya Co-op. Building Society Ltd., No. G.2699 represented by its President Sri Kilaru Eswararao, Vijaywada.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 11/2, of Jagiru Machavaram in Vijayawada, area of 3287 Sq. mtrs, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 4189/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 430/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 5 situated at Mutyalampadu, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Narayanaraju, Mutyalampadu, Vijaywada. (Transferor)
- (2) Andhra Patrika Employees Co.-op. Society Ltd., No. G. 2643 Vijayawada represented by its President Sri M. D. Veerabhadram S/o Doraiswami, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site at Mutyalampadu in R.S. No. 5 area of 6780 Sq. mtrs., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 5069/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 431/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11-11-19 situated at Vatturivari, Vijayawada, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy.

- (1) Shri P. Sriramulu, Kothapeta, Vijayawada.
  (Transferor)
- (2) Sri Sambaynath Jain Aradhana Samiti, D. No. 11-55-23, Tammanayari St. Vijayawada-1.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing door No. 11.11.19, Vatturivari Street, Vijayawada NTS. 192 area of 386.3 Sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 4140/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83. Seal: 

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 432/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 3 situated at Mutyalampadu, Vijaywada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offier at Vijayawada on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or avanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. V. Laxmamma W/o Rangaraju, Mutyalampadu, Vijaywada. (Transferor)
- (2) Andhra Prabha Indian Express Employees Co-op Building Society, by its President Sri Y V Ramanapparaju S/o Nagaraju, Vijaywada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 3 in Mutyalampadu, of Vijayawada, area of 6747 Sq. mtrs, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 4462/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 433/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 3 situated at Mutyalampadu, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-49-476GI/82

(1) S/Shri 1. V. Ramakrishnamaraju S/o Rangaraja, 2. V. Ramaraju S/o Ramakrishnaraju, Residents of Mutyalampadu Vijayawada

(Transferor)

(2) Andhra Prabha Indian Express Employees Co-op., Building Society by its President Sri Y. V. Ramanappa Raju S/o Nagaraju, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 3 in Mutyalampadu of Vijayawada, area of 6093 Sq. mtrs., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 4464/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 434/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R.S. No. 3 situated at Mutyalampedu, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax, under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri 1. V. Narasaraju, S/o. Rangaraju, 2. V. Siva Pandurangaraju, S/o Narasaraju, residents of Mutyalampadu, Vijayawada.
- (Transferor)

(Transferee) •

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant site in R.S. No. 3 in Mutyalampadu near Vijavawada area of 6093 Sq. metrs, registered with S.R.O. Vijaya-wada, vide document No. 4463/82.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. So. 401:82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

D. No. 300, situated at Venigandla, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), not been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Nagendram, S/o. C. Subbayya, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri A Purushothama Prasad, S/o. Venkateswar Rao, Chavatapalli Gudivada Taluk, Krishna Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla village of Guntur, in S. No. 300 area of 1-50 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5386/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date; 6-1-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. 400/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. No. 38, situated at Venigandla, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Narasayya, S/o. Yallamanda, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri A. Purushothama Prasad, S/o. Venkateswar Rao, Chavatapalli, Gudivada Taluk, Krishon Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla Village near Guntur, in D. No. 38 area of 0-77 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5888/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 399/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 2, situated at Madhuravada, Vizag, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizag on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act inrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri I. D. V. Ramanamma, W/o. Venkata Krishna Varma, 2. P. V. Narasimharaju, represented by GPA, holder Sri P. V. N. Raghupatiraju, Vijayanagaram.

(Transferor)

 Teachers' Co-op. House Building Society Ltd., No. B. 1836, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The t.11113 and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhuravada village of Vizag, area of 0-809 Sq. mtrs, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5459/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date; 6-1-83. Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 398/82-83.---Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2. situated at Madhuravada, Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on May '82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) S/Shri 1. D. Sujatadevi W/o Narasimharaju, Sriramanagar, 2. Cheepurupalli, 3. K. Krishna residents of Jonnavalasa, Vijayanagaram.
- (2) Teachers' Co-op. House Building Society Ltd., No. B. 1836, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhuravada village of Vizag, area of 1.416 Hectors registered with S.R.O. Vizag, vide document No 5458/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date; 6-1-83. Seal:

FORM ITNS——— (1) S/Shri !. D. Sujatadevi W/o. Narasimharaju, Sri

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1963

Rcf. No. RAC. No. 397/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 2, situated at Madhuravada, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri I. D. Sujatadevi W/o. Narasimharaju, Sriramanagar. Cheeporupalli, Taluk 2. K. Ramanaidu, 3. K. Survanarayana Jonnavalasa, Vijayandgaram.

(Transferous

(2) Teachers' Co-op House Building Society Ltd., No. B. 1836, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 area of 1-416 Hectare at Madhuravada vllage, near Vizag, registered wth S.R.O., Vizag, vide document No. 5460/82.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date; 6-1-83.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D'1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 396/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2, situated at Madhuravada, Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vizag on May '82, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Smt. D. V. Ramanamma, 2. Ch. Ramaswami,
   Ch. Appalaswami, residents of Jonavalasa,
   Vijayanagaram
  - (Transferor)
- (2) Teachers' Co-op. House Building Society Ltd., No. B. 1836, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhurayada Village near Vizag, ac. 3-50 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5447/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date; 6-1-83.

#### FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 413/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

25/B. situated at Venigandla, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---50-476GI/82

 R. Hemanayak S/o R. Jalva Nayak 2. R. Kota Nayak. S/o. Hemanayak, Residents of Venigandla, Guntur.

(2) Shri K. Subrahmanyam, S/o. Kattayya, Gunadala, Viiavawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land situated at Venigandla, in D. No. 25/B, area of Ac. 1-22 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4987/82.

M. JEGAN MOHAN.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83, Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 412/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

30/2 situated at Venigandla Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:

- (1) 1. B. Prakasharao
  S/o B. Papayya alias Yohan,
  - B. Sekhar,
     Sri B. Baburao,
     Venigandla, Guntur Tq.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla near Guntur, in d. No. 30/1 area of 0.50 Cents, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 4964/82.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. 'RAC No. 411/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinefter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market—value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46 situated at Venigandla Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Vijayapalu S/o Mark, Venigandla, S/o Venkateswararao, Guntur Dt.

(Transferee)

(2) A. Purushothama Prasad
Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur D. No. 46 ac. 1-48 Cents, registered with S.R.O., Gurtur, vide document No. 5086/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 410/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

46 situated at Venigandla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Mariamma W/o Veeraswami, Venigandla, Gurtur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, Chavatapalli, Gudivada Tq., Krishna Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur Tq., in D. No. 46, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5087/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Rcf. No. RAC No. 409/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

37 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. B. Motayya S/o Nagayya, 2. Pitchayya S/o Nagayya,

r/o Venigandla. Guntur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, in D. No. 37 near Guntur, area of 1-26 Cents, registered with Guntur vide document No. 5088/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 408/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

30.2 situated at Venigandlo, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) B. Scetayya S/o China Venkayya, r/o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur in D. No. 30.2 area of 0.70 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5091/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-1-1983 Scal :

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 407/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

31 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramkuri Kotayya S/o Hanumayya, r/o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur in D. No. 31 area of Ac-1-05 régistered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5092/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 406/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D.342 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Narasayya S/o Yallamanda, r/o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur in D. No. 342, area of 0.09, Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5138/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 405/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30.2 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following person, namely:—

51---476C<del>1</del>1/82

(1) B. Papayya S/o Ankamayya, r/o Venigandlo, Guntur.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswararao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land situated in Venigandla, Guntur in D. No. 30.2, area of 0.95 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5146/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 404/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 31 situated at Venigandla, Guntur

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

B. Nagendram
 S/o Venkateswar Rao,
 r/o Chavatapalli, Gudivada, Taq.,

(Transferor)

 (2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswararao, r/o Chavetapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla Village of Guntur, in D. No. 31, area of 0-54 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5166/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

FROM I.T.N.S.----

(1) B. Musalayya S/o Venkayya, r/o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswara Rao, r/o Chavatapalli, Gudivada, Tq., Krishna Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 403/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 31 situated at Venigandia, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla Village of Guntur, in D. No. 31, area of 0.90 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5377/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range, Hyderabad 'A.P.

Dute: 6-1-1983 Scal:

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 402/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

D. No. 38 situated at Vengandla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under Subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following arsons, namely:—

 P. Narasayya S/o Yallamanda, r/o Venigandin Guntur Tq.

(Transferor)

(2) A. Purushothama Prasad S/o Venkateswar Rao, ' r/o Chavatapalli, Gudivada, Taluk, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla Village of Guntur, in D. No. 38 area of Ac. 1-00 registered with S.R.O. Guntur vido document No. 5382/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 384/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

147/12, 148/21 situated at Gudlavanj Palem, Vizag and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Ramaswamy, r/o Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Itd., Door No. 9-19-11, CBM, Compound Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o. Yendada, in S. No. 147/12 & 148/21, area of 0-35—1/2 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4597/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 385/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

146/2 situated at Gudlavani Palem Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Peda Nookanna, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., Door No. 9-19-11, CBM, Compound Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

acant land at Gudlavanipalem H/o. Yendada, in S. No. 146/2, area of 0-14 Cents, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 4601/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 386/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

147/B situated at Gudlavani Palem, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Peda Nookanna Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., Door No. 9-19-11, CBM, Compound Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o. Yendada, in S. No. 147/B, area of 0-29 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4602/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 387/82-83.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

148/15 situated at Gudlavani Palem, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Appalaswami S/o Pydayya, Vendada, Vizag. (Transferor)
- (2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society, Ltd., D. No. 9-19-11, CBM, Compound, Vizag. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, in S. No. 148/15, area of 36 Cents registered with S.R.O., Vizag vide document No. 4603/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 388/82-83.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

148/19 situated at Gudlavanipalem, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—476GI/82

(1) Shri K. Sadhureddi, S/o Sanyasi, Yendada, Vizag.
(Transferor

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., D. No. 9-19-11, CBM Compound Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this πotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, in S. No. 148/19, area of 0-14 Cents, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5646/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Shri T. Appalaswami, Yendada, Vizag.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., D. No. 9-19-11, CBM Compound Vizag.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 389/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 148/10, 21 & 147/13 situated at Gudlavanipalem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, in S. No. 148/10, 21 & 147/13, area of 0-43 Cents, registered with S.R.O., Vizag vide document No. 4773/82.

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83,

# FORM ITNE

(1) Shri G. Mutyalu, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., D. No. 9-19-11, CBM Compound Vizag. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 390/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

148/25 & 22 situated at Gudlavani Palem Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, Vizag in S. No. 148/25 & 22 area of 0-30 Cents registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4600/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 391/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 148/22 situated at Gudlavanipalem Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on May '82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri K. Ramaswami, Yendada, Vizag.
  (Transferor)
- (2) The Ocean Drive Co-op. House Building Society Ltd., D. No. 9-19-11, CBM Compound Vizag.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gudlavanipalem H/o Yendada, Vizag. in S. No. 148/22, 0-0567 Sq. mtrs. registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 4599/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 392/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 2 situated at Madhuravada, Vizag.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Smt. Sitodevi W/o Narasimharaju, Sriramanagar,
 K. Krishna 3. Polayya, sons of Pentayya,
 Jonnavalasa Vizianagaram Dt.

(Transferors)

(2) Teachers Co-op. House Building Society Ltd., No. B, 1836 Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhuravada village of Vizagarea of 3-50 or 1.416 Hectors, registered with S.R.O., Vizagavide document No. 5461/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

Sen1:

#### FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 393/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2, situated at Madhuravada, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (, 5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 I. D. V. Ramanamma W/o V. Krishnavarma
 A. Veerabhadrudu, 3. A. Suribabu, Jonnavalasa, Vijayanagaram Dt.

(Transferors)
Building Society, Ltd..

(2) Teachers Co-op. House Building Society, Ltd., No. B, 1836 Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhuravada Village, of Vizag, Ac. 3.50 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5444/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC. No. 394/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2, situated at Madhuravada Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. A. Venkataramanamma W/o D. V. Krishna Varma 2. Ch. Narayanaswami, 3. Ch. Lakshmana Sons of Narayanaswami, Jonnavalasa Vijayanagaram. (Transferor)
- (2) Teachers Co-op. House Building Society Ltd., No B, 1836, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vucant land in S. No. 2 of Madhuravada Village of Vizag. registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5445/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 395/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 2, situated at Madhuravada, Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag, on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. D. V. Ramanamma, W/o D. V. K. Varma, Vijayanagaram, 2. Ramavhandraraju, Poosapati. (Transferor)
- (2) Teachers Co-op. House Building Society Ltd., No. B, 1836, Vizag. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 2 of Madhuravada village of Vizag, Ac. 3-50 registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 5446/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. 399/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 24, situated at Kabra Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—476GI/82

(1) M/s. Kabra & Co., Rep. by S. Prabhakar Reddy 2-2-1-32 to 139, M. G. Road, Secunderabad. (Transferor)

(2) Master Dhinraj Surana & Others, 7-1-80/3/1 Amecrpet, Hyderabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 24 in Kabra Complex, M. G. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 424/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. 400/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

407. 408, 409 and 416 situated at M/s. Swastik Constn Co., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 'Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastik Construction Co., 111 S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. G. D. Laxmi Devi w/o Sri G. Sudhakar Reddy, R/O Flat No. 302, Moghul Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 407, 408, 409 and 416 on 4th floor of Chandralok Apartments, Secunderabad registered by the S.R.O., M. Market vide document No. 3962/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. 401/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

417 to 420 & 421 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastik Construction Co., 111 S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. Subhoda Reddy w/o Sri S. Vijaya Reddy, R/o 16-8-240/5/1, New Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 417, 418, 419, 420 and 421 on 4th floor of Chandralok Complex, Secunderabad registered by the S.D.O. Mezamjahi Market, vide document No. 3961/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. 402/82-83.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/16th situated at Share of Prabhat Talkies, Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1907 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chintapalli Purushottam Rao, s/o Shri Ramarao, Arekodu Village, Tiramalayapalem Tq. Khammam Dt.

(Transferor)

(2) Shri Kollu Kotaiah, S/o Shri Lachaiah. Water Tank Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3/16th share of Prabhat Talkies, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 1914/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC 403/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1227/13-C situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellore on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pattipati Subbaramaiah s/o Shri Subbaiah, Sodhanagar, Nellore Town.

(Transferor)

(2) Dr. Ramadhenu Jeganmohan Rao, s/o Shri Suryarao, Pogathota, Nellore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 1227/13-C in Fatehkban pet, Nellore registered by the SRO, Nellore vide document No. 2420/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC 404/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-3/2, situated at New Jail Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed

No. 6-3-3/2, situated at New Jail Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Jethalal & Nanji Brothera, Timber Merchants, No. 9, Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ratanji Patel, Pr. in M/s. Patel Timber Depot. 6-3-3/2, New Jail Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of house property 6-3-3/2 Bholakpur Secunderabad registered by the SRO, Secunderabad vide document No. 435/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Jethalal & Nanji Brothers, Timber Merchants, No. 9, Bholguda, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shivagan Patel, Pr. in M/s. Patel Timber Depot, 6-3-3/2, New Jail Road, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC 405/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-3/1 situated at Bholakpur Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scounderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 6-3-/1 on plot No. 2 Bholakpur, Secunderabad registered by the SRO, Secunderabad vide document No. 486/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983 Seal:

### FORM I.T.N.S .---

NOTE E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC 406/88-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 214, Kabra Complex situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kabra and Co. Rep. by S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Capt. L. D. Verma, (Retd) 6-1-277/4, Padmaraonagar, Secunderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 214 in Kabra Complex, 2-2-132 to 139, IInd floor, M.G. Road, Secunderabad registered by the SRO, Secunderabad vide document No. 438/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC No. 407/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 191 situaed a Alwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—476GI/82

(1) Sri M. R. Krishna, Ex. M. P. Alwal.

(Transferor)

(2) Jai Jahwannagar Co-Op. House Bld. Society Ltd., Rep. by Machendra, Secretary R o 69/E, New Bhaiguda, Secundorabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 191, admeasuring 6 acres situated at Alwal registered by the SRO, Vallabhnagar vide document No. 387/82.

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th January 1983

Ref. No. RAC No. 408/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

404 to 405 & 406 situated at Chandralok Complex Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastik Construction Co., 111 S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

\_\_\_\_\_\_

(2) Sri G. Sudhakar Reddy (Kartha) HUF s/o Sri Ram Reddy, R/o Flat No. 302, Moghul Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 404 to 405 and 406 in 4th floor of Chandralok Complex, S. D. Road, Secunderabad registered by the SRO, Mozamjahi Market, vide document No. 3963/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-1-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC No. 409/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1983/1, 2 1984/1 & 1984/2 situated at Kavali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kavali on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohd. Amjad Saheb. S/o Salar Allurupeta, Kovvur Tq.

(Transferor)

(2) Sri P. Narasayya, S/o Sri Rosayya, and 39 Others, Mekanampuram Kanigiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 12.50 Acres in R.S. No. 1983/1, 2 1984/1 and 1084/2 of Kavali village registered with Sub-Registrar Kavali vide Doc. No. 597/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC No. 410/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 715 situated at Srikala Hasti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Srikalahasti on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. C. Kantamma W/o Sri C. Gopal 715 Nehru Street, Srikalahasti.

(Transferor)

(2) Sri Batchu Anandarao S/o Late Subrahmanyam Chetty Pr M/s. Dhanalaxmi Cloth Hall, Srikalahasti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Upstair building in Nehru Street Door No. 715 at Srikalahasthi registered with Sub-Registrar Srikalahasti vide Doc. No. 856/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPI'C'ING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1983

Ref. No. RAC No. 411/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

715 situated at Srikalahasti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikalahasti on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri C. Kantamma W/o Sri C. Gopal 715, Nehru Street, Sreekalahasti.

(Transferor)

(2) Sri Batchu Mohana Rao S/o Shri Gopal Chetty M/s Dhanalaxmy Cloth Hall Srikalahasti.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Upstairs building in Nehru Street Door No. 715 Srikalahasti registered with Sub-Registrar Srikalahasti vide Doc. No. 855/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th January 1983

Rcf. No. RAC. 412/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

3/262 situated at Settygunta Road, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on May 1982

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Neelatur Vengupuram Rajagopalun S/o Late N. Venkatarangacharyulu Ranganaikulupeta, Anakattu Road, Nellore.

(Transferor)

(2) M/s Srinivasa Ground Nut Industries
Rep. By Sri Patchava Peda Vengayya & others
Door No. 3/262 Settygunta Road
Nellore-2.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing No. 3/262 Settygunta Road Nellore registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1855/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

No RAC. 413/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (17 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/262 Settygunta Road, Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on May 1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any 'ncome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sri Neelatur Vengupuram Balaji, Clerk, State Bank of Hyderabad, Nellore.

(Transferor)

(2) M/s. Srinivasa Groundnut Industries, Rep. by partners Sri Patchava Peda Vengayya and Others, D. No. 3/262, Settygunta Road, Nellore-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a per'od of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House site with shed bearing S. No. 1576/219, D. No. 3/262, Settygunta Road, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1849/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.,) the 4th January 1983

RAC. No. 414/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1576/439 situated at Somasekharapuram, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Nellore, on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sri Y. Balakrishnareddy, S/o Venkatareddi, Kotturu, Nellore.

(Transferor)

(2) Sri T. Somasekhara Reddy and 2 Others, R/o Peduru, Indukurpet, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Out house and site in Somasekharapuram, Nellore registered by the S.R.O. Nellore vide document No. 1901/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 415/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Bhimaram Warangal (and more fully described in the Sched

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-476 GI/82

(1) Shri G. Kamalamma W/o Narasimha Rao GPA M. Narasimha Rao Advocate, Balasamudram Hanumakenda, Watangal

(Transferor)

(2) Adarsh Housing Co-operative Society Rep. by Sri Madhusudan Reddy Balasamudram Warangal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and at Bhimaram village Warangal registered with Sub-Registrar Warangal vide Doc. No. 2660/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tahera Begum 6-3-656 Somajiguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P Anasuyamma 183 New MLA Quarters Bashcerbagh Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 416/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Taranaka Hyderabad
(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Secunderabad on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 878 sq. mts at Street No. 1 Taranaka Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 1296/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 417/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 3 situated at Ishaq Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Lateef Begum H. No. 136 Penderghast Road Secunderabad.

(Transferoi)

(2) Shri L. Nageswara Rao R/o 3-4-514/7 Barkatpura Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 Ishaq Colony Kakaguda, village Maredpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 1441/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Sri La

(Transferor)

(2) Sri Laxinarayana Dodiya 15-2-338 Muktiyargunj Hyderabad.

(1) Sri S. H. Mohiuddin

15-1-406 to 407 Feelkhana Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 418/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-1-406 to 407 at Feelkhana Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 15-1-406 and 407 old Feelkhana Hyderabad registered with Sub Registrar Doodbowli vide Doc. No. 722/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1983

## FORM LT.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 419/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-4-47, 48 situated at Gowliguda Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Bahbood Ali Khan 1-8-322 Begumpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Bahan (Smt. Kanta Ben Patel) H. No. 4-1-10/B5, Pragati Co-operative Housing Society, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 15-4-47, 48 and 15-4-219/3 Gowliguda, Chaman Afzalgunj Hyderabad registered with Sub-Registrar Doodbowli vide Doc. No. 607/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Ref No. RAC. No. 437/82-83.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I and situated at Kalluru village Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kasimbee, W/o Fakeer Ahmed and 7 Others, 11/116 Pet, Kurnool.

(Transferor)

(2) Sri Vinayaka Traders, Kurnool firm Managing Partners Sri S. G. Amarnath 67/40 Kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land for house sites admeasuring 0.80 cents at Kalluru village, Kurnool registered by the S.R.O., Kurnool vide Document No. 1930/82.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range.

Hyderabad

Date: 15-1-1983

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 15th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 438/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kalluru village, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Kasimbee, W/o Fakhir Ahmed and Others 11/116, Peta, Kurnool.

(Transferor)

(2) Sri Vinayak Traders, Firm Managing Partner Sri S. G. Amarnath 67/90, kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANALION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land at Kallulu village for house sites admeasuring 0.80 cents registered by the S.R.O. Kurnool vide document No. 1821/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad

Date: 15-1-1983

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 Ol· 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (4.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 437/82-83 —Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open land situated at Kalluru village, Kurnool,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kurnool in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri N. Sivaiah, s/o N. Swami Reddy, R/o 46/347, Budhavarapu Pet, Kurnool.
- (2) Sri Indira Traders, Firm, Managing partner Sri T. Veera Sekharam, S/o Somasekharam 27/114, Kurnool.

(Transforce)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land O-70 cents of land at Kalluru village, Kurnool registered by the S.R.O. Kurnool vide document No. 422/82

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. Sarojini, Plot No. 27, Bhavaninagar, Dilsukhnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti M. Ramesh, Plot No. 2, Andhra Bank Colony Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderab id, the 15th January 1983

Ref. No. RAC No. 440/82 83.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 647/1 situated at Amberpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Open land admensuring 38/2 guntas at Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3491/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-56-476 GI/82

Date: 15-1-1983

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## ONFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC, No. 441/82 83 --- Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and bearing

No. 6471 situated at Amberpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Sujatha, H. No. Plot No. 27, Bhavaninagar, Dilsukhnagar, Hyderabad.
- (Transferor)
  (2) Shri V. Sathyander. H. No. 16-2-145/5/3, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 38/2 guntas in S. No. 6471 at Amberpet Hyderabad registered by the SR.O., Hyderabad vide document No. 3490/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

Seal;

#### FORM J.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

RAC. No. 442/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-7-714 Portion a' Mand Mir Alam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azampura in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Iqbal and Others, 21-1-104, Moti Masjid, Dellin Darwaza, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr Md. Idris, H. No 11-5-43, Red Hills, Hydernbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern and Western portions of godown No. 22-7-714, Mandi Mir Alam, Hyderabad admeasuring 119.20 sq. yds. registered by the SR.O., Azampura, vide document Nos. 1845/82, and 1786/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1983

## TORM ITN.S --

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 443/82 83 -- Whereas, I M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fant market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 10-3 291/1/K situated at Vijayanagar, Colony, Hydera-bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ch Mohan Rao, H. No. 22-1105, Tilak Nagar, Hyderabad

(Tiansferor)

(2) Smt K. Rajyalaxmi, H No 10 3-291/1K, Vijayanagar Colony, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Ground floor and first floor of H. No. 10 3-191/1/K vijayanagar colony Hyderabad registered with Sub-Registrar 939/82 Khairatabad

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 444/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-3-776 situated at Vijayanagar colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohd. Abdul Kareem, 11-1-933 Mallepally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sabirul Hussan and others, C/o Misak Pens General Store, Nampally Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 10-3-776 Vijayanagar colony Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1032/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. S. Laxmi W/o Sii R. Laxman, H. No. 12-2-709 Kerol Bagh, Birbun, Guddimalkapur.

(Trausferor)

(2) M/s Gonesh Constructions, Rept. by Sri II. R. Narasimha Murthy, H No. 161 T. 14th Main 4th Block, Jayanagai Bangalore-560011.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th In many 1983

Rcf. No RAC 445/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land situated at Goddimalkapur, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plots No. 21, 22, 23 M.S. No. 29!/1/2|3 at Birbun Guddimalkapur Hyderabad registered with Sub-registrar Khairatabad vide Doc. No. 1018/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Dhananjaya Hotels P. Ltd. by Sri A, Jithendra Nath S/o A. S. Raju, 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferoi)

(2) Shi Chengalya Kashua Bani Raju, S/o Sri Ch Umamahe wara Rao, 16 B. Madhuben, Forestone Road, Bombay-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IIYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No RAC 446/82-83 Whereas, I M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mojumjahi Market in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E floor 1st at Saifabad Hyderabad, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 3690/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 447/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at situated at Saifabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at,

M. Market on May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- sitibi 64
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Dhananjaya Hotels P. Ltd. Rep. by Sri A. Jethendernuth.
   5-9-12 Saifabad, Hyderabad.
- (2) Shrimati D. Ni mala W/o Dr. D. N. Rao, N. Jayavalli W/o Dt. N. Shanmukha Rao, 8-2-681/5 Shramanika, Hyderabad-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. c' at Salfabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3689/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-1-1983

### FORM I.T.N S -------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Δ.Ρ.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 448/82-83 — Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—476 GI/82

(1) M/s Dhanungaya Hotels P Itd. Rep By A. Jithendernath, 5-9-12 Sanfabad, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Dr. N. Satyam S/o Late N Ramana, 6-3-609/114, Anandnagar, Khairatabad, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C Floor 1st at Saifabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3688/82.

M JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad

Date: 15-1-1983

Scal:

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 15th Junuary 1983

Ref. No. RAC, No. 449/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>, 25 000/- and bearing No.

Flat in 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Murket on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '.

- (1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd., Rep. by A. Jithender Nath, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) Sri S. V. S. Sastry, 1-10-197, Ashok Nagar, Hydeinbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat B in 4th floor of M. No. 5-9-12 Surfabad, Hyderabad admeasuring 1158 slt registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3687/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 15-1-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 450/82-83.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat G. situated at Saifabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Dhananieya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Krishna, s/o A. Valliappan. Quarter No. 4, Sanjeevareddynagar Colony, Hyderabad-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plat G, 8th Floor, at 5-9-12, Snifabed, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3686/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad.

Date: 15-1-1983.

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 451/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat B in 5-9-12, situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market on May, 1982, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjeya Hotels (P) Ltd., Rep. by A. Jitendra Nath, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) Mrs. Mahcelatha Reddy, wyo V. S. Reddy, Flat No. "B", 6th floor of 5-9-12, Saifabad, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 'B', 6th Floor of 5-9-12 Salfabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3685/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 15-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s. Dhananjeya Hotels (P) Ltd, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sri N M. Balaji, s/o N M Reddi, Flat No. 'H' Floor No 5th Saifabad, Hyderabad

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref No. RAC. No 452/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Flat No H situated at Saifabad, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamiahi Market Hyderabad on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No H in 5th Floor at 5-9-12 at Saifabad, Hyderabad registered by the SRO Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No 3684/82

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date 15-1-1983

(1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÒF 1961)

(2) Sri M. D. Vembu, Chief Transportation Manager, The Fertiliser Corporation of India, Ramagundam, (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immov-

Hyderabad, the 15th January 1983

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 453/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat D, situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjabi Market on May, 1982, for an apparent consideration

for an apparent consideration

4112

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property by the issue of this notice under tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat 'D' in third floor of 5-9-12, Saifabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3174/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 454/82-83.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat, stuated at Saifabad, Hyderabad,

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhananjaya Hotels (P) Lted., Rep. by A. Jithender Nath, 5-9-12, Saifabad, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri K. Rajamraju S/o Venkata Subba Raju Unudurru P.O. Bhimavaram Taluk, W.G. Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meraling as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plat 'B' at Saifabad Hyderabad registered with Sub-Registrar M. Market vide Doc. No. 3428/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 15-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 455/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearng No.

Flat No. 1, situated at Rajbhavan Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mozamjahi Market on May, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Badam Apartments, Rept. by Sri Badam Ramaswamy 8-2-402 Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Anupama Sagar, 6-3-354 Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 Badam Apartments Rajbhavan Road, Hyderabad, registered with Sub-Registrar M. Market vide Doc. No. 3547/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 15-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICÉ OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 456/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 2, situated at Rajbhavan Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58-476GI/82

- (1) M/s. Badam Apartments, 8-2-402 Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Vidyasagar, H. No. 6-3-354, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Badam Apartments Raj Bhavan Road, Hyderabad registered with Sub-Registrar M. Market Vide Doc. No. 3548/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad.
(A.P.)

Date: 15-1-1983.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 457/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Rajbhavan, Hyderabad,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Badam Apartments, 8-2-402 Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Smt. Mukesh Kishore W/o Sri S. P. Mathur, 7-1-621/113, S. R. Nagar, Hyderabad.

  (Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Floor No. 2, M. No. 6-3-905/A Rajbhavan Road, Hyderabad, M. Market vide Doc. No. 3549/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad.
(A.P.)

Date: 15-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 420/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-7-154 &155 situated at Bakaram, Hyderabad, Mozamjahi Market on May, 1982,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpaddy on May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Syed Meera, 3-6-382/A Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Jangiti Jagadeswaraiah, Jangiti Sandeep Kumar, Jangiti Venkutesh, 72/6 Marredpalli, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 1-7-154 & 155 at Bakaram Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 599/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad.
(A.P.)

Date: 15-1-1983.

Scal:

FORM NO. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 421/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-7-154 & 155 situated at Bakaram Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Syed Meera 3-6-382/A Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Jangeti Vijayalakshmi, 72/6 East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Second Third floor in 1-7-154 & 155 Bakaram Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 600/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1983

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC 422/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Kallur Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Syed Basheeruddin S/o Syed Sareeb Basha, H. No. 9/139B Peta, Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s. Padma Traders Managing partner N. Sankai S/o Natsimhulu 66/21 Kota Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 2027/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kurnool.

Kurnool.

(2) Shri Gorla Chinna Monamma D/o Buddanna 48/53 Budhavarapupeta

46/738 Budhayarapupeta

(1) Shri Yerekala Bojjanna

(Transferor)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 423/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kuinool on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and believe that I have reason to the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 1-78 Acs at Kallur village registered with Sub-Registrar, Kurnool vide Doc. 1832/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 424/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jampala Siyiah S/o Veeranna 46/679A Budhavarapupeta Kurnool.

(Transferor)

(2) M/E. Aravinda Traders, Managing partner S. Venkataramaiah, 67/21 Kota Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kalluru village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Document No. 2055/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri K. R. Talwar 5-9-219/1 Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander Wahdi R/o 4-1-938/31-35, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 425/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-219/1 situated at Chiragali lane Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 2nd floor No. 5-9-219/1 at Chiragali land Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojampahi Market vide Doc. No. 3580/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1983

Scal .

(1) Shri E. Muralidhar S/o E. Tirumala Rao 8-2-120/86/9 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 426/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-410/1/6 situated at Gaganmahal Road, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at M. Market on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 59-476 GI/82

(2) M/s. K. R. Builders, By K. Raja Mouli, 1-2-410/10/A Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot No. 1-2-410/1/6 Gaganmahal Road Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3157/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

Seal ;

FORM NO. LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 427/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

M. Market on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kaneez Amin W/o M. Sayeeduddin 4-1-938/R 19 & R 20, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Ramasuryam W/o Ramachandra Rao, Flat No. 4-1-938/R and R/20, Tilak Road, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, which
  ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat M. No. 4-1-938/R 19 & 20 Krishna Apartments Tilak Road, Hyderabad registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide Doc. No. 3331/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. 428/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land situated at Sa'dabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Shri Kamran Mirza & 3 others, H. No. 6-3-577 Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vigheneshwara Co-operative Housing Society, Regd. T.A. 486 B-6 New Saidabad Colony, Hyderabad. President Sri K. Vidwan Reddy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 8Ac 27 cents situated at Saidabad registered with Sub-Registrar M. Market vide Doc. No. 3400/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-1-1983

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Rcf. No. RAC. 429/82-83,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M. Market, Hyderabud on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri S. Malla Reddy S/o Butchi Reddy and others GPA Sri S. Pratap Reddy Champapet village R. R. Dt.
- (Transferor)
  (2) M/s. Bhavani Co-operative Housing Society Ltd.,
  Sri G. Krishna Reddy,
  R/o 3-6-111/5 Himayath Nagar,
  Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 115 at Saidabad area 11 Acres registered with Sub-Registrar Mojamjahi Market vide 11 documents, the number are 3164, 3228, 3246, 3270, 3298, 3370, 3404, 3429, 3482, 3532, 3564/82-83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 15-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 430/82-83,---Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-4-435 situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market, Hyderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kakatiya Constructions (P.) Ltd., 6-2-44/1, A.C. Guards, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Sri Kıshore and Others, Plot No. 19, Paigah Estate Compound, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A flat in M. No., 5-4-435/20 and 21 in 2nd floor Nampally Station Road, Hyderabad registered by the S.R.O., M. Market, Hyderabad vide document No. 3241/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC No. 431/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1-1-79, situated at RTC X Roads, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjabi Market, Hyderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bhagyanagar Builders, Rep by its Managing partner Sri B. Ramaswamy, No. 1-1-79 RTC X Roads, Musheerabad, Hyderabad.
- (Transferor)
  (2) Master J. B. H. Vamsee Krishna, S/o. J. V.
  Ramana Ruo (Minoi) Rep. by his father and
  natural guardian Sri J. V. Ramana Rao,
  8-2-701/A, Road No. 12, Banjara Hills,
  Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

A flat in 1-1-79 situated at R.T.C. X Roads, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No 3296/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 432/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1-79 situated at RTC X Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozamjahi Market, on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bhagyanagai Builders, Rep. by Sti B. Ramaswamy, 1-1-79 RTC X Roads, Musheerabad, Hyderabad.
- (Transferor)
  (2) Sri J. R. Manchala Sravanthi, d/o. J. V. Ramana
  Rao, (Minor) Rep. by father J. V. Ramana Rao,
  Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A flat in 1-1-79, RTC X Roads, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3297/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983,

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref No. RAC. No. 433/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-4-435 situated at Nampally/Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mozamjahi Market, Hyd. on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kakatiya Constructions (P) Ltd., 5-4-435, Nampally, Station Road, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri M. Sivayya, S/o. Kutumbayya 5-4-435, Nampally Station Road. Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-4-435, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3330/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983.

Scal;

## FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC No. 434/82-83.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5-4-435 situated at Nampally Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—60—476 GI/82

- (1) M/s. Kakatiya Constructions (P) Ltd., 5-4-435, Nampally, Station Road, Hyderaad. (Transferor)
- Srimati M. Manjula W/o Guruprasad Rao, Lakdikapool, Saifabad, Hyderabad-1.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-4-435, Nampally Station Road, Hyderabad regisered by the S.R.O. Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3334/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  M/s. Kakatiya Constructions (P) Ltd., Managing Director Sri M. Sivayya, 6-2-44/, A. C. Guards, Hyderabad-1.

(Transferor)

(2) Kumari Sujatha M. d/o Sivayya-6-2-44/, A. C. Guards, Hyderabad-1.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

kef. No. RAC No. 435/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5-4-435, situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said insrtument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in 5-4-435, Nampally Station Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3156/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983. Seal:

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLE OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th January 1983

Ref. No. RAC. No. 436/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-1-79 situated at RTC X Roads, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bhagyanagar Builders, Rep. by its Managing partner Sri K. V. Ranga Reddy, 1-1-79, RTC X Roads, Hyderabad.

  (Transferee)
- (2) Smt. K. V. Kanakavalli, w/o K. Ranganatha Chari, R/o. 1-2-593/24, Gagan Mahal Colony, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A flat in 1-1-79, RTC X Roads, Hyderabad registered by the S.R.O., Mozamjahi Market, Hyderabad vide document No. 3351/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-1-1983.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 485/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. RS 377/1 situated at Gunadala Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri N. Ramara, adopted S/o N. V. Subbayya, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Sanghamitra Co-op. Building Society, Ltd., Regd., No. 2778, Represented by Sri P. Baburarao, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Vacant land at Gunadala village near Vijayawada arca of Ac. 1-07 Cents, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 4844/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 7-1-83.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001,

Bangalore-560001, the 9th December 1982

Rcf. No. C. R. No. 487/82-83.-Whereas, J. MANJU MADIIAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at

Open site bearing CTS No. 3305 situated at Unkal Extension Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli Under document No. 393/82-83 on 14-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vithalasa Dhondusa Miskin, C/o N. Y. Shalugar, Kamari Pet, Hubli

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ganapathasa,
  - Shri Mahadevasa,
     Shri Vithoba,
  - 4. Shri Vasudev.
  - 5. Shri Kashinath,
    - S/o Narayanasa Baddi, Sorbad Math Galli, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

lRegistered Document No. 393/82-83 Dated 14-5-82] Open site bearing CTS No. 3305 situated at Unkal Extension, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1982